फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 183 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 3 फरवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

"Sant Sipahi" Sant Singh did 38 miles (60.8 km) almost entirely on foot, to secure Mymensingh and Madhupur in eight days.

Delphic Games of Rajasthan

Most Beautiful Hiking Trails Hiking trails around the world created to meet the needs of different adventurers

अत्याधिक खूबसूरत इण्डियन स्पॉट बिल्ड डक समूचे भारतीय महाद्वीप में मीठे पानी के जलीय क्षेत्रों में मिलती है। इसकी चोंच का अग्र भाग सुर्ख पीला और बेस पर लाल निशान होता है इसलिए इसे यह नाम मिला है। जब यह पानी में होती है तो इसके सफेद टर्शल्स (उड़ने वाले पंखों) एक चौड़ी सफेद पट्टी जैसे दिखते हैं जिससे यह दूर से ही पहचान में आ जाती है। उड़ते समय इन बतखों के पंखों की सफेद पट्टी के साथ-साथ चमकते हरे रंग का बड़ा सा पैच बहुत आकर्षक लगता है। इण्डियन स्पॉट बिल्ड डक के बारे में सबसे पहले प्रकृति विज्ञानी योहैन राइनहोल्ड फॉर्स्टर ने वर्ष 1781 में बताया था। उन्होंने इसे वैज्ञानिक नाम "एनस पैरसायलरिंका" दिया था। लैटिन भाषा में एनस का अर्थ है बतख और दूसरा शब्द यूनानी भाषा का है जिसका अर्थ है चित्तीदार। ये बतख आकार में मलार्ड डक जैसी हैं और पाकिस्तान और भारत के वैटलैण्ड्स में मिलती हैं। इन्हें बड़े जलाशयों के बजाय मध्यम आकार के जलाशयों में रहना पसंद है। हालांकि ये माइग्रेशन नहीं करतीं पर कुछ पक्षी माइग्रेशन करते देखे गए हैं। जैसे, 5 दिसम्बर 1969 को भरतपुर में जिस बतख को छल्ला बांधा गया था वो अगस्त 1970 में नोवोसीबिर्स्क में मिली थी। इनका प्रजनन काल बारिश और पानी की उपलब्धता पर निर्भर करता है। उत्तरी भारत में जुलाई से सितम्बर के बीच और दक्षिणी भारत में नवम्बर से दिसम्बर के बीच इनका प्रजनन काल होता है। ये बतख जलाशय के समीप भूमि में झाड़ झंखाड़ों में छिपाकर घोंसला बनाती हैं। मादा एक बार में 8 से 14 अण्डे देती है। चूजों का रंग काला होता है तथा पीठ पीली होती है और ये मलार्ड डक की तरह दिखते हैं, परंतु आंखों पर चौड़ी पट्टी होती है। इनकी आवाज़ भी मलार्ड डक जैसी होती है। मादा व नर, दोनों की कॉल भी मलार्ड डक से मिलती है। ये पौधे और घोंघे खाती हैं। ब्रिटिश भारत में स्वाद की खातिर इनका बड़े पैमाने पर शिकार किया जाता था। निर्मोचन के समय जब कोई इनका शिकार करता है तो गोली की आवाज़ सुनकर ये डुबकी लगाती हैं और लंबी देर तक पानी के अंदर बनी रहती हैं। इनके प्राकृतिक दुश्मन हैं परभक्षी शिकारी पक्षी तथा अजगर और अदबिलाव।

संसद में कांग्रेस, विपक्ष के साथ आक्रामक मुद्रा में अडानी के मामले में: कार्यवाही नहीं चलने दी

दो राज्यों में जहां कांग्रेस सरकारें हैं, कांग्रेस के मु.मंत्री उद्योगपति अडानी को पूर्ण सहयोग देने को तत्पर हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 फरवरी। अडानी के मामले में कांग्रेस पार्टी के दोहरे मापदंड इतने साफ होते जा रहे हैं कि उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

एक तरफ तो कांग्रेस और विपक्ष ने अडानी के मुद्दे पर संसद नहीं चलने दी तथा अडानी के विरोध के जारी रहने के कारण, कल भी संसद नहीं चल पायेगी। सोमवार को कांग्रेस ने अपने सभी राज्य एवं जिला मुख्यालयों से कहा है कि अडानी के मुद्दे पर तथा जिस तरह से आम आदमी के पैसे की ठगी हो रही है उसे लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किये जायें तथा धरने दिये जायें।

लेकिन राजस्थान तथा छत्तीसगढ़, जो केवल दो ही कांग्रेस शासित राज्य हैं, के बारे में क्या कहा जाये, जहाँ अडानी एक सम्मानित अतिथि के रूप में आये थे। इसके अलावा, कांग्रेस के पास उन तौर-तरीकों के बारे में भी कहने के लिये कुछ नहीं है, जिस तरीके से अडानी को जमीन दी गई है, उनके प्रति स्नेह जताया गया था तथा राजस्थान की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा नाम बन गये थे।

- **राजस्थान व छत्तीसगढ़ में अडानी "सम्मानीय अतिथि" हैं तथा राज्य सरकारें अडानी को जमीनें आवंटित कर रही हैं तथा उनके नखरे उठाने को तैयार हैं और अडानी इन राज्यों की इकॉनमी के महत्वपूर्ण "प्लेयर" बन रहे हैं।**
- **हाल ही में राजस्थान के "इन्वैस्टमैंट समिट" में मु.मंत्री गहलोत ने अडानी के साथ मंच साझा किया, छत्तीसगढ़ के मु.मंत्री बघेल ने भी अडानी को जमीन दी तथा दोनों मुख्यमंत्रियों ने खुले हाथों से उनका स्वागत किया।**
- **राजस्थान सरकार ने कोर्ट के आदेश को सर माथे करके अडानी को 3048 करोड़ रू. का भुगतान किया। सवाल यह उठ रहा है कि, गहलोत सरकार ने न्यायालय के आदेश को आगे न्यायालय में चुनौती क्यों नहीं दी और साथ साथ मुकदमा भी वापस ले लिया।**
- **कांग्रेस की विडम्बना यह है कि, अडानी प्रकरण और बड़ा और गहरा होता जा रहा है, पर कांग्रेस सरकारें अडानी को लुभाने की मुद्रा नहीं बदल पा रहीं।**

अभी हाल ही में हुये निवेश-सम्मेलन में, अडानी ने राज्य के लिये 65,000 करोड़ रू. के निवेश का वादा किया था तथा अशोक गहलोत के साथ मंच साझा किया था, जबकि राहुल गांधी उन पर चौबीस घंटे प्रहार करते रहते हैं।

इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री बघेल ने उनको जमीन दी थी तथा खुले दिल से उनका स्वागत किया था। लेकिन राहुल या कांग्रेस ने इस नज़दीकी पर एक शब्द तक नहीं कहा।

दिलचस्प बात यह है कि अडानी से जुड़े विरोध के चलते, संसद अवरुद्ध कर दी गई, उस समय राहुल गांधी संसद में नहीं थे।

अभी हाल ही में अदालत के निर्देश पर राजस्थान सरकार ने अडानी को इलैक्ट्रीसिटी डिस्कॉम्स के मुद्दे पर 3048 करोड़ रू. दिये हैं। दरअसल अदालत ने आदेश दिये थे कि यह पैसा दिया जाये। गहलोत सरकार रिव्यु के लिये नहीं गई, केस वापस ले लिया तथा पैसा अदा कर दिया। यह मामला वसुंधरा के शासनकाल का है, जब वसुंधरा ने अडानी को यह राशि देने से इंकार कर दिया था।

कांग्रेस इस समय दुविधा में है क्योंकि अडानी का मुद्दा दिन पर दिन जोर पकड़ता जा रहा है, जबकि ए.आई.सी.सी. उन दो राज्यों में अडानी के खिलाफ कार्यवाही करने से इंकार कर रही है, जहाँ उसकी सरकारें हैं।

अंबेडकर मैमोरियल वैलफेयर सोसायटी के चुनाव पर ए.डी.जे. से जवाब तलब

जयपुर, 2 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसायटी के चुनाव में अनियमिता और फर्जी मतदान को लेकर सोसायटी के अध्यक्ष एडीजी क्राइम रविप्रकाश मेहरडा, प्रमुख सहकारिता सचिव और रजिस्ट्रार से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश देशराज मेहरा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि सोसायटी के 13 नवंबर 2022 को हुए चुनाव में चुनाव अधिकारी रिटायर आईएएस बीएल आर्य ने एडीजी रविप्रकाश मेहरडा को जिताने के लिए असंवैधानिक तौर पर फर्जी मतदान कराया। वहीं मेहरडा जो इस चुनाव में पद पर ने, अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने पुलिस अफसरों व अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देश दिए थे कि वे अपने क्षेत्र में सदस्य बनाएं।

चुनाव में सरकारी वाहनों का भी दुरुपयोग किया गया। इतना ही नहीं बाडमेर व दौसा में कार्यरत पुलिस के आला अफसरों को भी चुनाव में सहयोग करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही चुनाव अधिकारी ने बिना मतदाता सूची के ही चुनाव संपन्न कराए गए और इसके चलते मेहरडा चुनाव में अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए, जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एडीजी सहित अन्य अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने सोसायटी चुनाव में सरकारी पद के दुरूपयोग के आरोप पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए ए.डी.जे. (क्राइम) को नोटिस दिया है। गौरतलब है कि, ए.डी.जे. मेहरडा उक्त सोसायटी के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये थे।**

मण्डल-II का जवाब हिन्दुत्व?

मण्डल-II की जात आधारित राजनीति मुद्दा बनेगी यू.पी.-बिहार में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 फरवरी। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे हिन्दी भाषी राज्यों में मण्डल-2 राजनीति के पुनर्जीवित होने की चुनौतियों को देखते हुए भाजपा खेमे ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के प्रचार की भूमिका के रूप में देखा जा रहा है।

6 करोड़ साल पुरानी मानी जाने वाली दो "शालिग्राम" चट्टानों को नेपाल से अयोध्या लाया गया है। इन चट्टानों का वजन क्रमशः 26 और 14 टन है और ये नेपाल के मस्तांग जिले के मुक्तिनाथ या सालिग्राम के निकट गण्डकी नदी में मिली थीं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों को यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि इन चट्टानों से भगवान राम के बाल रूप की प्रतिमा गढ़ी जाएगी और उसे अयोध्या मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा और अगले वर्ष मकर संक्रांति तक यह काम पूर्ण होने की उम्मीद है, यानि की लोकसभा चुनावों के कुछ माह पूर्व।

- **भाजपा इस तरह की राजनीति का जवाब हिन्दुत्व से दे पायेगी?**
- **राम मंदिर अगली मकर संक्रांति तक पूरा करने पर पूरा जोर।**
- **नेपाल से शालिग्राम की 26 व 14 टन की दो शिलाएं मंगायी गयी हैं, राम लला के बाल रूप की प्रतिमा को गढ़ने के लिये।**
- **टूरिस्ट रेलगाड़ी, नदी परिवहन आदि से "धार्मिक सर्किट" को प्राथमिकता दी जा रही है।**

अन्य संबंधित कार्यों में भी तेजी लायी गयी है। भारतीय रेलवे भारत गौरव डीलक्स एयर कंडीशन्ड स्पेशल ट्रेन से सात दिन का एक स्पेशल टूर 17 फरवरी से शुरू करेगा। यह ट्रेन नेपाल के जनकपुर और उत्तर प्रदेश के अयोध्या के बीच पड़ने वाले तीर्थ स्थलों को कवर करेगी। इस पर्यटक ट्रेन के दौरा स्थलों में सीतामढ़ी, काशी और प्रयागराज शामिल होंगे। रामायण सर्किट प्लान के उपक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनकपुर और अयोध्या के बीच पहले ही एक सीधी बस सेवा का उद्घाटन कर चुके हैं। बौद्ध और जैन धर्म के तीर्थ स्थलों से संबंधित चूंकि भारत सरकार की योजना जल मार्ग के जरिए भारत और नेपाल को जोड़ने की भी है, इसलिए दो अन्य रिलीजियस सर्किट्स पर भी काम किया जा रहा है। भारत के राक्सौल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने ए.डी.जे. भर्ती परीक्षा का रिकॉर्ड तलब किया

जयपुर, 2 फरवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एडीजे भर्ती-2020 में वकील कोटे के 85 पदों में से सिर्फ चार अभ्यर्थियों का ही चयन करने के मामले में परीक्षा रजिस्ट्रार से रिकॉर्ड तलब किया है। अदालत ने रजिस्ट्रार से पूछा है कि परीक्षा के प्रत्येक पेपर में अभ्यर्थियों के अधिकतम कितने-कितने अंक आए और लिखित परीक्षा में कितने अभ्यर्थी शामिल हुए। अदालत ने यह भी पूछा है कि कितने अभ्यर्थियों ने कितने पेपर पास किए। अदालत ने खाली प्रश्न पत्र पेश करने को भी कहा है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस अनिल कुमार उपमन की

- **ए.डी.जे. भर्ती में वकील कोटे से मात्र 4 अभ्यर्थियों के चयन के मामले में हाई कोर्ट ने परीक्षा रजिस्ट्रार से पूछा है कि, परीक्षा में कितने अभ्यर्थी बैठे और उन्हें कितने नम्बर मिले हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब तक डावोस में अडानी व अन्य उद्योगपतियों के कट आऊट छाये हुए थे

पर, अब भारत की इकॉनमी के बारे में बड़बोले दावे फीके लग रहे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 फरवरी। किसी भी उद्यम का धूमकेतू की भांति उदय होना मामूली परेशानियों से परिपूर्ण होता है। अडानी एन्टरप्राइज़ की विशालकाय वृद्धि हमेशा से सवालों के घेरे में रही है। अब ऐसा लगता है कि भारतीय वित्तीय सैक्टर एक प्रकार के लघु संकट में फंस गया है।

खबरें फैल रही हैं कि बैंकिंक नियामक रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने भारतीय बैंकों से अडानी ग्रुप की कम्पनियों को दी गई लोन राशि की डिटेल्स मांगी है। इस ग्रुप की कई कम्पनियों के शेयरों की कीमतों में पिछले एक हफ्ते में भारी गिरावट आई है और आशंका है कि ये कम्पनियां अपने ऋण चुकाने की स्थिति में नहीं होगी। अडानी ग्रुप के बड़े देनदारों में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया और पंजाब नैशनल बैंक हैं, जिन्होंने उसे क्रमशः 2.6 बिलियन डॉलर और 70 मिलियन डॉलर का लोन दिया है। कई अन्य देनदार भी हैं, लेकिन उनके द्वारा दिए गए ऋण की मात्रा इतनी अधिक नहीं है।

उल्लेखनीय है कि अडानी ग्रुप की 2.5 बिलियन डॉलर मूल्य के ताजा शेयर जारी करने की योजना थी, किन्तु उसे गत रात्रि वापस ले लिया गया। इस ऑफर की बेसब्री से प्रतीक्षा थी और खरीददारों ने बाजार से शेयर्स उठाने की ठान ली थी, तथापि कम्पनी प्रबंधन ने शेयर ऑफर कैंसिल कर दिया क्योंकि शेयर्स की मार्केट प्राइस ऑफर प्राइस से कम हो गई थी।

ग्रुप के संस्थापक चेयरमैन गौमम अडानी ने एक रिकॉर्डेड वीडियो मैसेज में स्पष्ट किया कि निवेशकों के हितों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अडानी, भारत के कॉरपोरेट दुनिया के "पोस्टर बॉय" थे, पर अब, "बिग क्राइसिस" (भारी संकट) में नजर आ रहे हैं।**
- **रिज़र्व बैंक ने बैंकों से विस्तृत जानकारी मांगी है, अडानी ग्रुप को दिये गये ऋणों के बारे में। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने 2.6 बिलियन डॉलर दे रखे थे तथा पंजाब नैशनल बैंक ने 70 मिलियन डॉलर।**
- **अडानी का इकोनॉमिक साम्राज्य ध्वस्त होने से भारतीय कॉरपोरेट दुनिया की छवि भी गर्दिश में आ गयी है।**

'जनता का हित ध्यान में रखते हुए हम अडानी प्रकरण की जे.पी.सी. से या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच चाहते हैं'

एक दर्जन से ज्यादा विपक्षी दलों, जिनमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, सपा, डी.एम.के., जद (यू) व वामपंथी दल शामिल हैं, ने यह मांग रखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 फरवरी। आज संसद के दोनों सदन पूरे दिन के लिये स्थगित करने पड़े क्योंकि अडानी ग्रुप ऑफ एन्टरप्राइजेज के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों पर चर्चा और जाँच की विपक्ष की माँग को लोकसभा में स्पीकर (लोकसभा अध्यक्ष) ओम बिड़ला तथा राज्यसभा में सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। ज्ञातव्य है कि अडानी ग्रुप को स्टॉक ट्रेडिंग में अभूतपूर्व नुकसान हो चुका है।

विपक्षी दलों ने माँग की कि अमेरिका की शॉर्ट-सैलर "हिंडनबर्ग रिसर्च" द्वारा किये फ्रॉड के दावों के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार आ रही गिरावट से भारतीय निवेशकों के सामने खड़े खतरे पर चर्चा कराई जाये। विपक्षी दलों ने यह भी माँग की थी कि किसी संसदीय समिति या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी द्वारा इस पूरे प्रकरण की जाँच कराई जाये।

स्पीकर ने उनके निवेदन को स्वीकार नहीं किया तथा सदस्यों से कहा कि वे "निराधार एवं अप्रमाणिक दावे नहीं करें।" उधर, राज्यसभा के सभापति ने विपक्ष के सभी प्रस्तावों को खारिज करते हुये कहा कि वे प्रस्ताव "उचित एवं नियमानुसार नहीं" हैं।

गौतम अडानी का व्यवसाय-साम्राज्य बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक फैला है, जिसके प्रमुख निवेशकों में सरकार द्वारा संचालित लाइफ इन्श्योरेंस ऑफ इंडिया (एल.आई.सी.) तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) भी शामिल हैं, पिछले सप्ताह सार्वजनिक हुये आरोपों के बाद 100 अरब डॉलर से ज्यादा नुकसान हो चुका है।

- **लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा के सभापति ने इस मांग पर बहस कराने से इंकार किया तो, विपक्ष ने दोनों सदन नहीं चलने दिये, संभवतया कल भी यह ही स्थिति रहेगी।**
- **कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार, अमेरिका की हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में अडानी को भारत का अब तक का सबसे बड़ा "कॉन मैन" बताया और कहा, कम्पनी के शेयर 42 प्रतिशत "ओवर वैल्यूड" हैं।**
- **अडानी ग्रुप के शेयर होल्डर व निवेशकों ने, जब से हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है, शेयर्स में अब तक लगभग 100 बिलियन डॉलर खोये हैं।**

नौ विपक्षी दलों ने संसद में अडानी स्टॉक क्रैश पर चर्चा कराने के लिये नोटिस दिये थे। दरअसल, कई विपक्षी दलों के नेताओं ने आज सुबह एक मीटिंग की थी तथा इस समय चल रहे बजट सत्र में केन्द्र सरकार से टक्कर लेने की संयुक्त रणनीति तैयार की थी।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में हुई इस मीटिंग में एक दर्जन से अधिक दलों के नेता उपस्थित हुए, जिनमें तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, द्रमुक, जे.डी.यू., तथा वामपंथी दलों के नेता शामिल थे।

खड़गे ने पत्रकारों को बताया, "जन-हित को ध्यान में रखते हुये, हम चाहते हैं कि कोई जॉइन्ट पॉर्लियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कोई पैनल, अदालत की देख-रेख में अडानी-मुद्दे की गहन जाँच करे। इस मुद्दे की जाँच की रिपोर्टिंग दैनिक आधार पर होनी चाहिये।"

आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा, "मैंने पी.एम. (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी), प्रवर्तन निदेशालय तथा सी.बी.आई. को पत्र लिखकर (गौतम) अडानी के पासपोर्ट को ज़ब्त कर लेने की माँग की है, अन्यथा अगर वह भी अन्य उद्योगपतियों और पूँजीपतियों की तरह देश छोड़ कर भाग गया तो देश के करोड़ों लोगों का सब कुछ स्वाहा हो जायेगा।"

गत सप्ताह इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद, अडानी ग्रुप के फायनेंस चीफ ने हिन्डनबर्ग रिपोर्ट को "चयनात्मक गलत सूचना तथा बासी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इन्टरनैट अपराधों के लिए कड़े कानून बनाए जाएं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 फरवरी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने गुरुवार को 'गैर कानूनी इन्टरनैट व्यवहार" को दंडित करने के लिये "कठोर कानून की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस अरूण मिश्रा ने कहा कि, आज अपराध की प्रकृति बदल गई है, टैक्नॉलजी मुख्य हथियार बन गई है, इसलिए इन्टरनैट अपराधों पर अंकुश लगाना जरूरी है।**

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है।

–सुकरात

स्व. बाबू हजारीलाल जी शर्मा एक विराट व्यक्तित्व – (1921-1985)

स्व. बाबू हजारीलाल जी शर्मा को उनसे परिचित सभी व्यक्ति हजारी बाबू कहकर पुकारते थे। हजारी बाबू से मेरा परिचय उनके ही एक मित्र स्व. राधेश्याम जी (भायाजी) (वे मेरे भी घनिष्ठ मित्र थे) ने कराया था। हजारी बाबू राष्ट्रदूत अखबार निकालते हैं, इनका एक केस है जो श्रम कानून से संबंधित है और मुझे औद्योगिक न्यायाधीकरण की आज्ञा के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय में उचित कानूनी कार्यवाही करनी है। 'राष्ट्रदूत' में खरे नाम का एक व्यक्ति जो मैनेजर के पद पर कार्य करता था उसे मोरल टर्पिट्यूड (नैतिक परम्परा का उल्लंघन) के आरोप पर सेवा से मुक्त किया था। मैंने ट्रिब्यूनल का निर्णय पढ़ा और कहा, 'हाईकोर्ट में रिट् दायर करनी होगी' इस केस के संबंध में हजारी बाबू मेरे पास कई बार आये और धीरे-धीरे हमारे संबंध पारिवारिक हो गये और मुझे हजारी बाबू के विराट व्यक्तित्व को समझने का अवसर मिला। उनके स्वर्गवास के बाद उनके सभी पुत्रों से मुझे आदर व प्यार मिला। गत लगभग 10 वर्षों से मेरा लेख प्रत्येक शुक्रवार को अतिथि सम्पादक के रूप में छपता है। कुछ लेख दो खण्डों में पुस्तक के रूप में प्रकाशित हो चुके हैं। पुस्तक को 'भारतीय जनतंत्र संवैधानिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक दिया है। यहाँ मैं यह लिखना उचित समझता हूँ कि राष्ट्रदूत के अतिथि सम्पादक के क्रान्तिकारी विचार ने एक एडवोकेट को पत्रकार बना दिया। जलवायु परिवर्तन/कॉप के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुझे राष्ट्रदूत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला और अभी भी मैं कॉप में ई-मेल पर हूँ।

बाबू जी के संबंध में उनके सुपुत्रों से मुझे बहुत जानकारी प्राप्त हुई, उसकी जानकारी तथा स्वःअर्जित अध्ययन के आधार प्रस्तुत लेख उनकी स्मृति में मेरी श्रृद्धांजली है।

हिन्दी पत्रकारिता के प्रारम्भ बंगाल से हुआ। हजारी बाबू अपने प्रारंभिक जीवन में कलकत्ता रहे थे, वहां ही उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता की शिक्षा ली थी। उन्होंने वहां पाया कि प्रेस को सामाजिक उद्देश्य से जोड़ना आवश्यक है। दिनांक 1 अगस्त 1951 को जयपुर में उन्होंने राष्ट्रदूत का प्रकाश प्रारम्भ किया और अखबार को सामाजिक उद्देश्य से जोड़ा रखा, जिसकी पालना अभी भी हो रही है। साथ ही तथ्य पूरक समाचार निडर होकर प्रकाशित किये जाते हैं। यों भी हजारी बाबू शिव की तरह फक्कड पत्रकार थे, सच व खरी सुनाने को वे अदभुत प्रतीभा के धने थे। वे पत्रकारिता के आदर्श पुरूष थे। उन्होंने कई युवाओं को पत्रकारिता से जोड़ा था। इनमें प्रमुख हैं कर्पूरचंद कुलिश, कमल किशोर जैन, तारा प्रकाश जोशी। उनके लिये यह प्रसिद्ध था कि मुख्यमंत्री जो भी बनता था वे बाबूजी के राष्ट्रदूत को अपना शत्रु मानते थे और गद्दी से उतरने पर वे ही उनके मित्र हो जाते थे। हजारी बाबू में किसी के प्रति भी दुर्भावना नहीं थी।

कुछ समय पूर्व एक समारोह में देश के एक यशस्वी पत्रकार ने कहा था कि 'मैं अखबार क्यों पढ़ूँ' क्योंकि प्रथम पृष्ठ जो मुख्य समाचारों का होता है उस पर विज्ञापन देखकर पढ़ने की इच्छा नहीं होती। मेरी जानकारी में 'राष्ट्रदूत' और 'दि हिन्दू' ऐसे अखबार थे जो विज्ञापन नहीं छापते थे। विज्ञापन पृथम पृष्ठ पर नहीं देखे गये।

राजस्थान का यह सपूत पत्रकारिता के विकास में विकास पुरूष के रूप में याद किया जावेगा। वे अन्तिम पायदान पर खडे व व्यक्ति के दर्द को समझते थे और बडे से बडे लोगों को बेनकाब करने में भी नहीं चूकते थे। उनकी जीवनी लोकतांत्रिक दशा व दिशा पर विचारों को उद्वेलित करने में समर्थ थी।

वे सादा जीवन जीते थे, सबसे मिलते थे पत्रकारिता के काम में वे कर्मयोगी थे। उनका अभिमत था कि सपनों का पीछा करते रहो जरूर पूरे होंगे। निर्भीक होकर, ईमानदारी से अपना काम करो यही उनका संदेश था। राष्ट्रदूत एक मात्र ऐसा अखबार है जो सत्य के अनेक शेड्स में समाचार प्रकाशित करता है। वे विनोद प्रिय थे। उनकी यह शैली उनके सम्पादकीय में झलकती थी एक समय राजस्थान में लोग सरकारी आदेशों को नहीं मान रहे थे। बाबूजी ने एक प्रसंग सुनाया और लोग आदेश मानने लगे। प्रसंग ब्रिटेन का है, जमाना आर्थिक मंदी का था, ब्रिटेन के लोग व्यापार में पूंजी न लगाकर सोना खरीद कर पुराने जेवरों की तरह नये जेबर बनाकर महिलायें पहन रहीं थीं। राज आदेश था नये जेवर नहीं बनायेंगे न पहिनेंगे। ब्रिटेन के लोग भी अन्य देशों की तरह ही हैं, वे भी आज्ञा की अवज्ञा का मार्ग ढूँढ लेते हैं। यहां ही महिलाये नये जेवरों को पुराने जमाने की तर्ज पर बनाकर पहनने लगीं। ब्रिटेन के फाइनेंस मंत्री को एक सिरफिरे व्यक्ति ने सलाह दी कि आप यह विज्ञप्ति निकालें कि 'चोर-बदमाश चरित्रहीन ही जेवर पहिनेंगे।' जनता पर इस विज्ञप्ति का असर हुआ।

राजेश शर्मा ने बातचीत में कहा कि बाबूजी का यह संदेश और सलाह थी कि 'बिना डरें, दो टूक सत्य कहना'। राष्ट्रदूत के बाबूजी के सभी पुत्र बचपन ही से इस मंत्र पर आचरण कर रहे हैं।

जैन धर्म की एक प्रार्थना, 'मेरी भावना' है। उसमें जो लिखा है हजारी बाबू उस पर खरे उतरते हैं। प्रार्थना की कुछ पंक्तियां इस प्रकार हैं:–

''रहे भावना ऐसी मेरी, सरल, सत्य व्यवहार करूँ।
देख दूसरों की बढती को, कभी न हिंसा भाव धरूँ।
या कोई कैसा ही भय या लालच देने आवे, तो भी,
न्याय मार्ग से मेरा, कभी न पथ डिगने पाये।''

कुछ समय पूर्व एक समारोह में देश के एक यशस्वी पत्रकार ने कहा था कि 'मैं अखबार क्यों पढ़ूँ' क्योंकि प्रथम पृष्ठ जो मुख्य समाचारों का होता है उस पर विज्ञापन देखकर पढ़ने की इच्छा नहीं होती। मेरी जानकारी में 'राष्ट्रदूत' और 'दि हिन्दू' ऐसे अखबार थे जो विज्ञापन नहीं छापते थे। विज्ञापन पृथम पृष्ठ पर नहीं देखे गये। सम्भवतः आर्थिक तंगी से और सरकार के उत्पीडन के कारण राष्ट्रदूत ने प्रथम पृष्ठ पर विज्ञापन छापा है वह समय कोरोना का था। आशा है परिस्थितियां बदलने पर पृथम पृष्ठ पर भविष्य में विज्ञापन नहीं छापने पर राष्ट्रदूत के प्रबंधक विचार करेंगे। हजारी बाबू के सुपुत्र राजेश शर्मा ने विश्वास के साथ कहा कि यह अखबार पत्रकारिता के उच्च मापदंडों पर अमल करता है और करता रहेगा। हजारी बाबू ने राज्य में अन्याय, भ्रष्टाचार, दुराचार, भेदभाव के विरूद्ध कई जन आन्दोलनों का समर्थन किया था। उनके सुपुत्रों ने इसी सिद्धान्त की पालना की है। यही कारण है राष्ट्रदूत एक निर्भीक, निष्ठावान व विश्वसनीय (भरोसेबंद) अखबारों में गिना जाता है। यह अखबार कभी भी स्वार्थ सिद्धि का साधन नहीं बना। आज भी यह अखबार अपनी विशिष्ट पहिचान बनाये हुये है।

आशा है हजारी बाबू का यह 'राष्ट्रदूत' अपनी विशिष्ट पहिचान, अनूठापन, निर्भीकता व निस्वार्थ भाव, विशिष्ट शैली तथा मर्यादा में रहकर पत्रकारिता के उच्च मापदण्डों के अनूरूप प्रकाशित होता रहेगा।

स्थितप्रज्ञ व विराट व्यक्तित्व के धनी, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक हजारी बाबू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजली के रूप में यह लेख प्रेषित है।

पुण्य आत्मा को शत् शत् नमन!

–पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट,
ईमेलः justicepcj@gmail.com
मोबाईलः 9829252173

पोकरण में ''मरू महोत्सव'' का भव्य आगाज़

पोकरण, (निसं)। जैसलमेर जिले में विख्यात मरू महोत्सव का समारोह पूर्वक भव्य आगाज गुरुवार को पोकरण से हुआ। पोकरण के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान में आयोजित शुभारंभ समारोह में अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ, उपनिवेशन मंत्री सालेह मोहम्मद एवं जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गणेश प्रतिमा पर माला अर्पण कर व दीप प्रज्जवलन करने के साथ तिरंगे बैलून आसमान में उड़ाकर के मरू महोत्सव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बीएसएफ के कमांडेंट रणवीर सिंह, पूर्व जिला प्रमुख अब्दुल्ला फकीर, पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर, उपखंड अधिकारी प्रभजोत सिंह गिल, पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वर सहारन, तहसीलदार रणछोड दास, विकास अधिकारी गौतम चौधरी, किशोर कुमार, अधिशासी अधिकारी सुनील बिश्नोई, पूर्व अध्यक्ष आनंदी लाल गुचिया, नारायण रंगा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, भारी संख्या में जन समुदाय, कलाकार, महिलाएं व बीएसएफ के जवान उपस्थित थे। वहीं नगरपालिका के अध्यक्ष मनीष पुरोहित सहित कई पार्षद मरू महोत्सव कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए बताया कि शहर के विकास के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री शहर के विकास को लेकर पालिका का बोर्ड के द्वारा शहर के विकास को लेकर कई बार मांगे उठाने के बाद भी नहीं करने के कारण पालिका अध्यक्ष सहित पार्षद जनप्रतिनिधियों में गहरा रोष व्यक्त किया। महोत्सव के दौरान सर्वाधिक रौचक प्रतियोगिता मिस्टर पोकरण में 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार भरत बोहरा तीसरी बार मिस्टर पोकरण चयनित हुए। वहीं महिलाओं के लिए सर्वाधिक आकर्षक प्रतियोगिता मिस पोकरण में बालिकाओं ने भारी उत्साह दिखाया एवं इस प्रतियोगिता में दस प्रतिभागी बालिकाओं ने सज धज कर वस्त्राभूषण के साथ भाग लिया। निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार नियति शर्मा मिस पोकरण चयनित हुई। महिलाओं की मटका रेस बहुत ही रोचक रही। जिसमें 12 महिलाओं ने भाग लिया। उसमें से आंगनबाडी कार्यकर्ता गंगा देवी विजेता रही। इसी प्रकार साफा बांधो प्रतियोगिता भी आकर्षक रही। इस प्रतियोगिता में दस प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी को 2.30 मिनट में अच्छी तरह से साफा बांधना था, जिसमें दुर्जन सिंह भाटी विजेता रहे। इसी प्रकार पुरुषों एवं महिलाओं के बीच रस्साकशी प्रतियोगिता में महिला वर्ग में आंगनबाडी महिलाओं बनाम जिम की महिलाओं के मध्य रस्साकशी हुई। इसमें दोनों टीमों ने दमखम का प्रयोग किया। इस प्रतियोगिता में जिम की टीम विजेता रही। इसी प्रकार पुरुष रस्साकशी प्रतियोगिता में कपिल बनाम भंवरलाल की टीम के मध्य प्रतियोगिता हुई जिसमें कपिल की टीम विजेता रही।

पोकरण में मरू महोत्सव के तहत भरत बोहरा तीसरी बार मिस्टर पोकरण चुने गये।

- **महोत्सव के दौरान सर्वाधिक रौचक प्रतियोगिता मिस्टर पोकरण में 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया**
- **जिला कलेक्टर ने मिस्टर पोकरण बने भरत बोहरा व मिस पोकरण बनी नियति शर्मा को सम्मानित किया**

महोत्सव के दौरान ख्यातनाम कलाकारों के साथ ही अन्य कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा जनसमूह का मन मोह लिया। इस मौके पर गुणसार लोक संगीत संस्थान के कलाकारों द्वारा केसरिया बालम पधारो नी म्हारे देश व कालियों कूद पडियो मेला में के गीत पर कालबेलिया नृत्यांगना ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। वहीं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने राजस्थानी लोकगीतों पर शानदार लेजियम की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर पदम श्री लाखे खान एंड पार्टी ने दमा दम मस्त कलंदर'गीत की प्रस्तुति पेश कर सभी को मोहित किया। इसके साथ ही पोकरण के रावताराम ने शुभ अवसरों पर प्रस्तुत किए जाने वाले भवाई नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का दिल लूटा। इन कलाकारों ने नुकीली कीलो व तलवार पर नृत्य किया एवं शानदार शारीरिक संतुलन का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान उर्मिला ने मराठी गीत पर भव्य नृत्य पेश किया।

इस दौरान जलाल खान ने गोल गोल लाडू पताशा शक्करपारा गीत की प्रस्तुति दी। वहीं छात्राओं द्वारा तेरहताली नृत्य पेश किया गया। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री एवं जिला कलेक्टर ने मिस्टर पोकरण बने भरत बोहरा व मिस पोकरण बनी नियति शर्मा को ताज पहनाकर, मोमेंटो देकर व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं साफा बांधो प्रतियोगिता के विजेता दुर्जन सिंह भाटी, रस्साकशी पुरुष टीम के विजेता कपिल एवं उनके दल, रस्साकशी महिला टीम की विजेता व कप्तान जूही एवं उनके दल को शील्ड, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही मटका रेस में विजेता रही श्रीमती गंगा देवी को भी स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान अल्पसंख्यक मामलात मंत्री, जिला कलेक्टर, कमांडेंट बीएसएफ के साथ ही अन्य अतिथियों का उपखंड अधिकारी पोकरण, तहसीलदार, सरोज सोडा, नायब तहसीलदार अशोक कुमार, विकास अधिकारी किशोर कुमार ने हार्दिक स्वागत किया। मरू महोत्सव के कार्यक्रम का संचालन तरुण शर्मा एवं जतिंद्र कौर ने किया। प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लंबे समय तक बैठकर दर्शकों ने उत्साह के साथ देखा।

पिता के निधन के बाद बेटी के सिर पर बांधी पगड़ी

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। भारतीय समाज में पगड़ी की रस्म से अकसर बेटियों को वंचित रखा जाता है। रस्म है कि पिता के स्वर्गवास के बाद पुत्र ही पिता की पगड़ी धारण करता है, लेकिन चौमू उपखण्ड के गांव सामोद में सामाजिक बदलाव की बयार बह रही है।

यहां पशु चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त वृद्ध पिता रामधन सेठी के देहांत के बाद उसकी शादीशुदा बेटी तारा देवी के सिर पर जिम्मेदारी की पगड़ी बांधी गई। गौरतलब है कि 22 जनवरी को रामधन सेठी के देहांत के बाद रामधन का परिवार टूट सा गया था। सेठी के परिवार को संभालने वाला कोई बेटा नहीं है उनके तीन बेटियां हैं। बड़ी बेटी तारा देवी, उस से छोटी निरमा देवी व सबसे छोटी बेटी सोना हैं। घर और मां की संपूर्ण जिम्मेदारी बड़ी बेटी तारा के ऊपर आ गई। गुरुवार को बड़ी बेटी तारा ने समाज में फैली भ्रांतियों और बेड़ियों को तोड़ते हुए पिता की पगड़ी बंधवाई।

सामोद में पिता के निधन के बाद बेटी तारा के सिर पर बंधी पगड़ी।

किसानों ने फसल खराबे के मुआवजे की मांग की

चूरू, (कासं)। जिले में किसानों की रबी फसलें पूर्णतया नष्ट हो जाने के कारण किसानों ने भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम फसल खराबे का जायजा लेकर मुआवजा देने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया था, लेकिन फसल खराबे का आंकलन पटवारी और गिरदावरों की टीम ने तहसीलदार को 25 से 30 प्रतिशत खराबे की रिपोर्ट सौंपी, जिसके आधार पर किसानों को उचित मुआवजा मिलने की कोई गुंजाइश नहीं थी, जिसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन चूरू के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर सैकड़ों किसानों के साथ धरना-प्रदर्शन किया।

धरने को संबोधित करते हुये भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने कहा कि सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की। सदैव किसानों के साथ धोखा करती आयी है, इसलिए किसानों को जातियों के खाँचों से बाहर निकल कर एकता रखनी चाहिये, जिससे हमारे हक और अधिकार सुरक्षित होंगे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन और किसानों में एक बारगी जबरदस्त तनाव उत्पन्न हो गया। उसके बाद सैकड़ों किसान सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुये उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के आगे धरने पर बैठ गये। धरने को उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, किसान यूनियन महासचिव विकास बुडानिया, शिवलाल, मनीराम, नोरंगलाल, राजेन्द्र बलारा, धर्मेन्द्र भाम्बू आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर सम्पत शर्मा, शिशपाल स्वामी, शिवभगवान नायक, मगनाराम मेघवाल, लिछमणसिंह राठौड़, शिशपाल मेघवाल, आयूष खिचड़, रामप्रताप, सुभाष खिचड़, लिछमणराम कस्वा आदि मौजूद थे।

कक्षा 6 के विद्यार्थी नहीं पढ़ पाये हिन्दी, कलेक्टर ने तीन शिक्षकों को नोटिस थमाया

मालपुरा, (निसं)। जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने गुरूवार को लाम्बाहरिसिंह बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण कर जनसुनवाई की। निरीक्षण के दौरान कक्षा 6 की चार छात्राओं द्वारा हिन्दी की किताब तक नहीं पढ़ पाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रधानाध्यापक रेणुका डांगी, हिन्दी के शिक्षक मो. सरीफ, अंग्रेजी के शिक्षक रामजीलाल को कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु शिक्षा विभाग के एडीपीसी रमेश सिंह को निर्देश दिये तथा 15 दिन बाद पुनः विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्थाओं की जांच के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा जल-जीवन मिशन की योजना में घर-घर नल कनेक्शन के लिए तोड़ी गई सड़क की मरम्मत नहीं कराने, सफाई व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने, पंचायत द्वारा पट्टा आवेदन लिये जाने के बावजूद पट्टे जारी नहीं करने, पीएचसी को सीएचसी में कन्वर्ट करने, गौण मंडी के लिए बजट आंवटन करने, रिक्त पदों पर शिक्षक लगाने के लिए बालिका विद्यालय खेल मैदान आंवटित करने, बापू नगर विद्यालय में आंगनबाड़ी के लिए भवन की निर्माण स्वीकृति की मांग की।

पंचायत की जांच के दौरान चार माह से मनरेगा कार्य बंद होने, 108 पीएम आवास अधूरे होने, दो माह से आरो मिटिंग का रिकार्ड संधारण नहीं होने को लेकर ग्राम विकास अधिकारी सांवरलाल जाट के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुरारी लाल शर्मा को निर्देश दिये।

कालीहर्डिया विद्यालय में छात्र कुलदीप व छात्रा कोमल को अतिरिक्त शिक्षण सुविधा मुहैया करवाये जाने के निर्देश दिये। एसडीएम रामकुमार वर्मा ने चैनपुरा पंचायत के बस्सी विद्यालय में शिक्षा के स्तर की जांच की। सिकोईडिकोन संस्था व आई पार्टनर इंडिया कनाडा द्वारा रामजीपुरा में महिलाओं से संवाद कर शिक्षा के अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने मालपुरा के लाम्बाहरिसिंह के सरकारी विद्यालय में बच्चों का शिक्षा का स्तर जांचा।

- **पीएम आवास की शिथिलता पर ग्राम विकास अधिकारी को लगाई लताड़**
- **जिला कलेक्टर ने विद्यालय का औचक निरीक्षण कर जन सुनवाई की**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 3 फरवरी, 2023

माघ मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, पुनर्वसु नक्षत्र शनिवार प्रातः 9:16 तक, विष्कुम्भ योग दिन 1:01 तक, तैतिल करण सांय 6:58 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:32 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज प्रदोष व्रत, विश्वकर्मा जयन्ती, कल्पादि, गुरू हरिदास जयन्ती, गुरू गोरखनाथ और मुनि धर्मनाथ जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:37 तक, लाभ-अमृत 8:37 से 11:19 तक, शुभ 12:40 से 3:00 तक, चर 4:44 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 6:05

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में प्रगति होगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। धार्मिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखे। आज परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

'बिछुरत एक प्राण हर ले ही'

'व्यासजी की तरह ही उनको नेता मानने वाले समर्थक भी राजनीति में तर्कों से ज्यादा मानवीय दृष्टिकोण, आपसी संबंध व लिहाज को मानने वाले थे। हजारी बाबू पर भी व्यासजी के व्यक्तित्व और इस सोच की अमिट छाप थी और उन्होंने मानवीय तथा संवेदनशीलता का यह 'बोझ' जिंदगी भर ढोया।'

श्रद्धेय श्री हजारी बाबू

(1921-1985)

सत्ता की राजनीति के निष्ठुर गुणा-भाग या राजनीति शास्त्र/ आइडिऑलजी के निर्जीव सिद्धांतों से निर्लिप्त तथा दिल की आवाज व हृदय की संवेदनाओं पर चलने वाले जयनारायण व्यास के साथी -समर्थक व अनुयायी भी भावना प्रधान थे, तर्क या अर्थ -प्रधान नहीं, और जो उनसे एक बार जुड़ गया वह जीवनपर्यन्त उनसे छिटक नहीं सका। उन लोगों के लिए इस बात का ज्यादा महत्व नहीं था कि व्यास जी मुख्यमंत्री हैं या नहीं, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष या कांग्रेस की शीर्षस्थ बॉडी सी.डब्ल्यू. सी. के सदस्य हैं या नहीं। उनके ऐसे समर्थकों में से एक थे- 'राष्ट्रदूत' समाचार पत्र के संचालक बाबू हजारीलाल शर्मा । उनका संपर्क उस समय से था जब व्यासजी ऑल इंडिया पीपुल्स कॉन्फ्रैंस व प्रजामंडल के नेता के रुप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में प्राय: जाया करते थे। उन्होंने तब से मास्टरजी (व्यासजी) को अपना नेता मान लिया था और उनके जीवनकाल तक ही नहीं, मरणोपरांत भी उनकी सोच और चिंतन की क्रियान्विति में लगे रहे।

व्यासजी की तरह ही उनको नेता मानने वाले समर्थक भी राजनीति में तर्कों से ज्यादा मानवीय दृष्टिकोण, आपसी संबंध व लिहाज को मानने वाले थे। हजारी बाबू पर भी व्यासजी के व्यक्तित्व और इस सोच की अमिट छाप थी और उन्होंने मानवीय तथा संवेदनशीलता का यह 'बोझ' जिंदगी भर ढोया।

वे पहले, 1954 के व्यासजी व माणिक्यलाल वर्मा के बीच हुए राजनीतिक समर की रणभूमि के बीच खड़े राजनीतिक प्रहारों को झेलते रहे- जवाब देते रहे, तो बाद में मोहनलाल सुखाड़िया के साथ इसे जारी रखा। उन्होंने उस समय भी रणभूमि में यह समर जारी रखा जबकि सामान्य आकलन से उनका सेनापति (व्यासजी) और खेमा दोनों परास्त हो चुके थे और उसके बाद भी, जबकि स्वयं सेनापति स्मृति शेष हो चुके थे। उन्होंने सही मायनों में मानसिक रुप से इस समर की समाप्ति उस दिन मानी जब सुखाड़िया मुख्यमंत्री पद से हटे और व्यासजी के घर, जोधपुर के ही बरकतुल्ला खान की उस सिंहासन पर ताजपोशी हुई। शायद तब तक उस समर का महत्व समझने वाले भी बहुत कम रह गए थे, पर हजारी बाबू ने उस समर को उसी मर्यादा से जारी रखा जो उनके नेता ने स्थापित की थी; उनकी प्रतिष्ठा और सोच के अनुरुप ।

सुखाड़ियाजी के विरुद्ध संघर्ष में हजारी बाबू ने कभी कमर से नीचे वार नहीं किया अर्थात् उन्होंने कभी विरोध को व्यक्तिगत आचरण या हल्की बातों पर नहीं जाने दिया। विरोध का आधार सदा सरकारी नीतियां व सरकार का भ्रष्टाचार रहा। मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत जिंदगी कभी विरोध या आलोचना का विषय नहीं बनी। विरोध सदा खुल्लम-खुला रहा, छद्म या छिपकर नहीं। उदाहरण के लिए 'राष्ट्रदूत' के संपादकीय विभाग में उस शाम को भारी हलचल थी। हजारी बाबू ने आते ही यह देख पूछा, ''भाई लोगों ! आज क्या खास बात है?'' वरिष्ठ रिपोर्टर मोहनलाल गुप्ता ने उन्हें बताया कि आज सुखाड़ियाजी को कठघरे में खड़ा करने का प्रमाण पकड़ में आ गया। उनका अवयस्क लड़का कार चला रहा था, उससे एक्सीडेंट हो गया और एक बच्ची मर गई। लड़के के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। हजारी बाबू ने स्टोरी के इस राजनीतिक महत्व को खारिज करते हुए कहा, ''यह क्या बात हुई? सुखाड़िया को कठघरे में खड़ा करना है तो कोई राजनीतिक दुराचरण की बात या आरोप सप्रमाण लाओ। बच्चे के कंधे से बंदूक चलाना कौनसी बहादुरी हुई?'' हजारी बाबू के लिए मर्यादापूर्ण, लिहाजगर्भित व मानवीय संबंधों को महत्व देने वाली राजनीति जितनी प्रिय थी उतने ही पत्रकारिता में उच्च आदर्श महत्वपूर्ण थे।

सुखाड़ियाजी के विरोध का उन्हें भारी खामयाजा भी उठाना पड़ा। 'राष्ट्रदूत' को सरकारी विज्ञापन मिलना बंद हो गये और कई प्रशासनिक हथकंडे भी अपनाये गये लेकिन इसका उन पर कोई असर नहीं पड़ा और वे कभी नहीं झुके।

वे राजस्थान की उत्कृष्ट पत्रकारिता के प्रथम शलाका पुरुष थे जिन्होंने 'राष्ट्रदूत' के प्रकाशन में ऐसे अनेक पत्रकार उद्यमियों को तैयार किया जो आज शीर्ष पर हैं। राजस्थान में लोकधर्मी पत्रकारिता के प्रादुर्भाव की आधारशीला रखकर लोकचेतना को जागृत करने वाली विशुद्ध पत्रकारिता 'राष्ट्रदूत' से ही विकसित हुई। उन्होंने शुरु से ही भारतीय संविधान में प्रदत्त अभिव्यक्ति की गारंटी और दुहरी -तिहरी गुलामी के परिवेश के दमन और भय से ऊपर उठने के लिए अपने पत्रकारों को खुली छूट दी। इसी का परिणाम था कि इसमें लब्ध प्रतिष्ठित संपादक सुमनेश जोशी, युगलकिशोर चतुर्वेदी, चंद्रगुप्त वार्ष्णेय, दिनेश खरे जैसे लोगों ने इसकी भवभूति को बढ़ाया। पत्रकारिता को पेशे के रुप में अपनाने के उपरान्त भी अर्थ लालसा से विरक्त, परिवर्तित परिवेश, जन -जन में राजनीतिक प्रभाव की प्रबल आकांक्षा तथा सत्ता को प्रभावित करने की अपनी सामर्थ्य के निर्माण में 'राष्ट्रदूत' घनीभूत रुप से सक्रिय रहा।

हजारी बाबू ने किसी पाठशाला में पत्रकारिता या संपादन का ज्ञान अर्जित नहीं किया बल्कि यह गुण उनमें पैदाइशी था। उनकी दृष्टि पैनी एवं साफ थी। पत्रकारिता और राजनीति पर उनकी जबर्दस्त पकड़ थी। संवाददाताओं को वे समाचार संकलन और उनकी प्रस्तुतिकरण के गुर बताते तथा उनके समाचार का स्वयं परिमार्जन कर उसे रोचक बना देते। समाचार प्रस्तुतिकरण के उन्हें टिप्स समझाते। अखबार में दिलचस्पी इतनी रखते थे कि रोज रात सोने से पूर्व टेलीफोन कर 'डैस्क' पर जो भी होता उससे पूछते, ''आज फर्स्ट लीड क्या है?''

हजारी बाबू को लोगों को अपना बनाना आता था। उनकी यह कला जबर्दस्त थी। उनके निकट जाने का एक ही सहज सरल तरीका था- आदि से अंत तक कर्मशील बने रहना। उनका सबसे बड़ा गुण यह था कि वे मालिक होते हुए भी सदा पत्रकार ही बने रहे, कभी मालिक की भूमिका में नहीं उतरे। यह अहंकार उन्हें छू तक नहीं पाया।

हजारी बाबू समाचारों के मामले में निर्भीकता के हिमायती थे और इसके लिए अपने पत्रकारों को भी प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने कभी किसी समाचार को दबाने अथवा चबाने की वकालत नहीं की। वे किसी समाचार पर अपनी टिप्पणी अवश्य कर देते थे पर उसे संशोधित करने के लिए रिपोर्टर को विवश नहीं करते थे।

समाचार संपादक शिवपूजन त्रिपाठी और भैरोसिंह शेखावत में काफी छनती थी, यह बात हर कोई जानता था। इस मैत्री भाव के कारण वे प्राय: भैरोसिंह जी के समाचार को अखबार की फर्स्ट लीड (प्रमुख खबर) बना देते थे। शिवपूजनजी की इस कर्मकला का हजारी बाबू उपहास अवश्य किया करते थे पर कभी टोका -टाकी नहीं की। ऐसी छूट शायद ही कोई अखबार का मालिक किसी पत्रकार को दे, जैसे पूरा समाचार पत्र भैरोंसिंह जी के लिए ही हो।

हजारी बाबू पत्रकारों के सच्चरित्र और सदाचरण के सख्त हिमायती थे। आदित्येन्द्र चतुर्वेदी फोन पर किसी की सिफारिश कर रहे थे और हजारी बाबू उनके पीछे खड़े सारी वार्तालाप सुन रहे थे। चतुर्वेदी फोन करने के बाद जैसे ही पीछे घूमे, हजारी बाबू सामने तटस्थ खड़े नजर आए। चतुर्वेदीजी निर्वाग खड़े रह गए। हजारी बाबू पूछ बैठे, ''सिफारिश करते -फिरते हो या अखबारनवीसी?'' चतुर्वेदी को काटो तो खून नहीं। पर इस घटना का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा और इसके बाद उन्होंने कभी स्वयं को एक आम आदमी से अलग नहीं समझा।

हजारी बाबू मस्तमौला और अलमस्त किस्म के महाप्राण चिंतक और विचारक थे। उनके संगी -साथी भी वैसे ही खुशनुमा मिजाज के थे। उनकी हर सुबह जौहरी बाजार में गोपालजी के रास्ते की नुक्कड़ पर शर्मा रेस्तरां में यारों के साथ चाय-गोष्ठी चलती थी। उसके वे नायक होते थे। वहां 'राष्ट्रदूत' में छपे समाचारों पर वे प्रतिक्रिया जानने का प्रयास करते रहते। कभी कभी वे अपनी टिप्पणी भी करते किन्तु संक्षिप्त -प्राय: एक ही वाक्य में। यदि कोई किसी समाचार में थोड़ा बहुत नुक्स निकाल देता तो वह उनसे बर्दाश्त नहीं हो पाता। यदा -कदा पारा चढ़ जाता और कुछ भी बोल देते। लेकिन अगले ही पल सामान्य हो जाते। उनकी जानकारी बहुविध होती और उसमें पत्रकारिता की खोजी दृष्टि रहती।

रात का खाना वे प्रेस में ही रात बारह -एक बजे खाते, तब तक अखबार के पृष्ठ बनकर आना शुरु हो जाते। वे खाना खाते जाते और उन्हें देखते जाते। इस दौरान भी उनकी प्रेस में हर कहीं नजर रहती।

वे अत्यंत मृदुभाषी और अच्छे सार्वजनिक कार्यकर्ता थे। उनकी मिलनसारिता लोगों के दिल पर आज भी अमिट है। हृदय विशाल था। प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बाढ़ आदि के समय लोगों को दु:खी देखकर उनका हृदय द्रवित हो जाता था। ऐसे समय में वे लोगों की खुलकर आर्थिक सहायता करते थे। वे एक समृद्ध परिवार से थे। सरल, निश्छल और सहृदय व्यक्तित्व आकर्षण का केन्द्र बिन्दु था। धनी होने पर भी कभी उनका अहंकार छलका नहीं। सार्वजनिक कार्यकर्ताओं की समय- समय पर आर्थिक सहायता करते थे। उनके द्वार पर आया कोई जरुरतमंद निराश नहीं लौटा। वे आध्यात्मिक पुरुष थे और आध्यात्मिक साहित्य के अध्ययन को कल्याणकारी मानते थे। प्रतिभाओं को ढूंढकर आगे बढ़ाने में वे सदा अग्रगण्य रहे। वे साहित्य प्रेमी थे। साहित्यकार उनके इर्द-गिर्द घूमते रहते थे और उनका निवास कवि सम्मेलनों एवं गोष्ठियों का मंच बना रहता था। रामवृक्ष बेनीपुरी, रामधारीसिंह दिनकर, सुनीतिकुमार चटर्जी, ताराशंकर बंदोपाध्याय जैसी साहित्यिक विभूतियां उनमें भाग लेती रहती थीं। राजस्थान के भी कई साहित्यकारों एवं उभरते साहित्यकारों, ताराप्रकाश जोशी, तारादत्त निर्विरोध जैसे लोगों को उनसे काफी प्रोत्साहन मिला।

उन्होंने अनेक साहित्यकारों को न केवल प्रश्रय दिया बल्कि उनके विकासमान स्वरुप को निखारा भी। उन्हें आगे बढ़ाने में अपनी पूरी सहायता दी। पंडित हजारी बाबू वैसे तो पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष थे लेकिन वह मन, वचन और कर्म से अपने ब्राह्मणत्व को कभी नहीं छिपाते थे तथा एक ब्राह्मण और गुरु की तरह समाज के लिए एक शिक्षक की भूमिका भी निभाते थे।

हजारी बाबू जमीन से जुड़े और मानवता के रस में डूबे वो व्यक्ति थे जिसने जिंदगी छककर जी। संबंधों की अंतरंगता, दोस्तों की दोस्ती, जीवन में बेफ्रिकी, सोच में मस्ती। अगर यह सब नहीं होता तो शायद जयनारायण व्यास से वह अटूट संबंध नहीं होते, जो हजारी बाबू ने उनकी मृत्यु के बाद भी सहजता से निभाए।

उनकी जीवन शैली सादगीभरी थी। वे अपनी आधा दर्जन गाड़ियां होते हुए भी अधिकतर रिक्शा से ही आते -जाते थे। खादी के साधारण कपड़े और पैरों में चप्पलें उनका कुल लिबास था। वे अनुशासनप्रिय थे और समयबद्धता का पूरा ध्यान रखते थे। किसी कर्मचारी से कोई व्यक्ति बार -बार मिलने प्रेस में आता तो उसे टोक देते, ''यहां 5-6 घंटे काम करने आता है, इसमें भी आप पीछा नहीं छोड़ते।''

हजारी बाबू ने लेखन और तकनीक के धनी होने की धुन नहीं पाली और न ही उन्होंने अन्यों के भरोसे पर काम अंजाम देने की कल्पना बनाई। वे जिस काम को ठीक समझकर करना शुरु करते उसमें अपने तन, मन और धन से समर्पित होकर लग जाते थे। लोकनायक जयनारायण व्यास के नेतृत्व में, रामकरण जोशी के सहयोगी होने से परिवार के बड़े काम से हटकर उन्होंने राजस्थान के सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। पहली विधानसभा में सदस्य बने तो सदन में उनकी उपस्थिति रिकॉर्ड बनी। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने कभी भी अपनी निष्ठा में कोई बदलाव नहीं किया। सोच विचार के बाद जिसके साथ लग गए उसी के होकर रहे। प्रलोभन, दबाव और हानि भय में भी कभी विचलन या शिकन नहीं आने देना उनके चरित्र की विशेषता थी। अपनी निष्ठा पर अडिग रहते हुए भी समान दृष्टि व उद्देश्यों के लिए तथा सामान्य व्यवहार में वे हमेशा विरोधियों के साथ निश्छल घनिष्ठता बनाए रखते थे । यही कारण था कि राजनीतिक धुर मतभेदों के बावजूद भैरोंसिंह शेखावत एवं कामरेड एच.के. व्यास जैसे लोगों से भी उनकी खूब पटती थी।

उनके गांव कांसली के लोगों का उन्होंने पूरा ध्यान रखा। हर विपदा के समय उनके साथ खड़े रहे। कांसली के लोग उन्हें भगवान की तरह मानते थे। 1940 में जब भीषण अकाल पड़ा तो उन्होंने पशुओं के लिए तीन हजार मण चारा नि:शुल्क भिजवाया। वहां का कोई भी रोगी जयपुर में चिकित्सा कराने आता तो हजारी बाबू उसकी सेवा-सुश्रुषा में व्यक्तिगत रुचि लेते थे और चिकित्सक से उसके बारे में जानकारी लेते रहते थे। उसके खान-पान एवं दवाओं तक की व्यवस्था सुनिश्चित कराते थे। वहां से जयपुर पढ़ने आने वाले छात्रों के ठहरने, खाने और पढ़ाई पर भी वे मुक्त हस्त से व्यय करते थे। उन्होंने अनेक छात्रों की जिंदगी बनायी। हजारी बाबू के समय तक कांसली में शिक्षा सबको मुफ्त ही दी जाती थी। इतना ही नहीं किसी मेधावी छात्र ने उच्चतर शिक्षा की उनसे ख्वाहिश की तो वे उसकी व्यवस्था कर देते थे। ऐसे ही एक रघुवीर प्रसाद गुप्ता उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर अमेरिका में बस गए हैं। ऐसे अनेक लोग हैं जो आज उच्च पदों पर आसीन हैं।

हजारी बाबू का जन्म पौष शुक्ला प्रतिपदा संवत् 1977 को कांसली में हुआ और उन्होंने कलकत्ता से बी.ए. (फार्मेसी) की उपाधि प्राप्त की। सन् 1937 में बड़ा बाजार छात्रसंघ के मंत्री, 1938 में जिला विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष तथा 1939-40 में कलकत्ता जिला विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष चुने गये। 1937 -38 में वार्ड कांग्रेस के मंत्री तथा इसी दौरान बड़ा बाजार नवयुवक सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष बनाये गये। 1941 में बनारस जिला विद्यार्थी संघ के मंत्री 1944-45 में बिहार चेम्बर ऑफ कामर्स की कार्य समिति के सदस्य तथा 1946 से 49 तक अ.भा. फार्मेसी एसोसियेशन के मंत्री रहे ।

वे सहज, उदार और निर्भीक पत्रकारिता पुरुष थे जिनके आसपास शब्द, संस्कृति, समाज और राजनीति का ताना -बाना बुना जाता था। हजारी बाबू धर्मपरायण व्यक्ति थे। पहाड़ी बाबा में उनकी अगाध श्रद्धा थी, यहां तक कि उनका अंतिम संस्कार भी उन्होंने ही कराया था। हजारी बाबू तीन फरवरी 1985 को यद्यपि इस दुनिया से कूच कर गये पर वे उन लोगों में से हैं जिनके लिए कहा गया है,

''बिछुरत एक प्राण हर ले ही।''

उनकी अलमस्त आकृति उनके मिलने वालों में आज भी जीवंत है। महान कवि 'प्रसाद' के शब्दों में वे दुहरा रहे हैं-

चमकूंगा धूलकणों में, सौरभ में उड़ जाऊंगा।
पाऊंगा कहीं तुम्हें जो, ग्रह -पथ में टकराऊंगा।।

आज यह प्रश्न समकालीन चिंतकों, पत्रकारों एवं राजनेताओं के दिमाग में कौंधता है कि यदि हजारी बाबू ने सुखाड़ियाजी के आगे घुटने टेककर उस समय सिद्धांतों से समझौता कर लिया होता तो राजस्थान में पत्रकारिता किस मुकाम पर होती?

■ हरिनारायण शर्मा

स्व. पण्डित हजारी लाल शर्मा के जीवन पर आधारित यह लेख राजस्थान स्वर्ण जयन्ती समारोह समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'राजस्थान के प्रकाश स्तम्भ' से उद्धृत है।

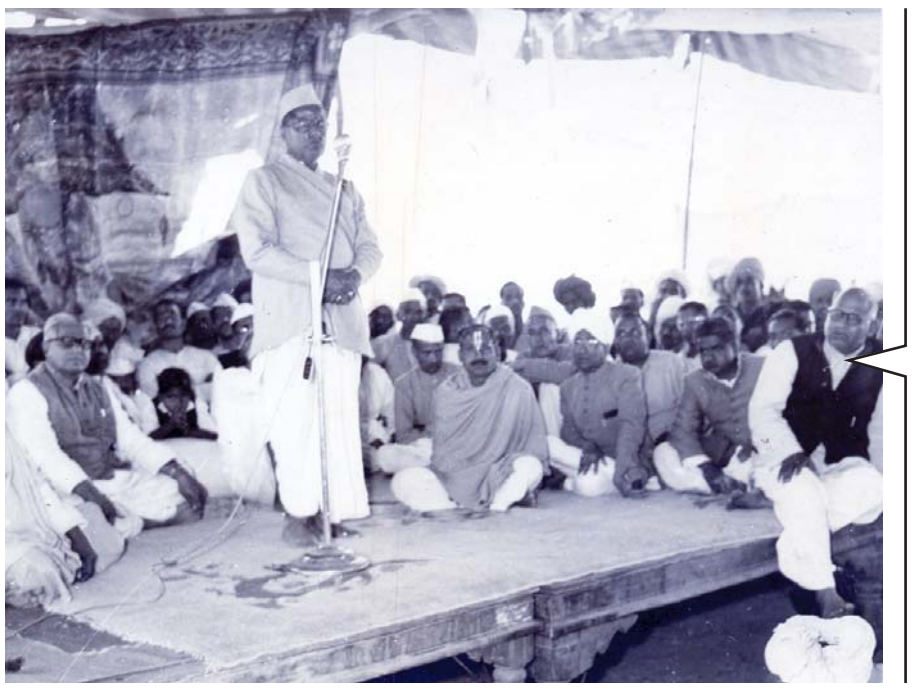

श्री जयनारायण व्यास का हजारी बाबू के जीवन पर सर्वाधिक प्रभाव रहा। व्यास जी के सम्पर्क में वे अपने छात्र जीवन में आये थे, जबकि वे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में छात्र नेता के रुप में सक्रिय थे और व्यास जी स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रैंस के अग्रणी नेता थे। व्यास जी की प्रेरणा से ही कलकत्ता छोड़कर हजारी बाबू जयपुर आये तथा 1951 में राष्ट्रदूत अखबार शुरु किया । जैसे प्रगाढ़ सम्बंध व्यास जी व हजारी बाबू के बीच विकसित हुए और जीवन पर्यन्त ही नहीं, व्यास जी की मृत्यु के बाद भी निभाये गये, वह शायद आज चर्चाओं का विषय ही है। व्यास जी ने स्नेह व आत्मीयता दी थी हजारी बाबू को । उस संबंध को ताजा करता है यह चित्र जो 1957 में हजारी बाबू के गांव कांसली में परिवार द्वारा निर्मित भव्य हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय लिया गया था। उस समारोह में व्यास जी व रामकरण जोशी परिवार के सदस्य के रुप में शामिल हुये। चित्र में हजारी बाबू के पिता श्री रामदयाल जोशी सभा को संबोधित कर रहे हैं तथा बांयी ओर मसनद का सहारा लिये व्यास जी बैठे हैं। दांयी ओर पैर लटकाये रामकरण जोशी हैं और उनके बगल में हजारी बाबू हैं।

युवा साथियों, तत्कालीन विधायक ''भैरोंसिंह शेखावत'' के साथ आल्हादित क्षण ।

पालिका ने चार मंजिला इमारत को पहले एन.ओ.सी. दी, फिर अवैध बताकर दो मंजिलों को ध्वस्त किया

मां हरिसिद्धी ड्रीम होम्स प्रा.लि. के नाम एक फरवरी को नोटिस जारी किया गया था

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर पालिका की विचित्र कार्यवाही देखने को मिली जिसमें एक 4 मंजिला इमारत को 6 माह पहले एनओसी जारी की और अब उसको अवैध बताकर दो मंजिलों को ध्वस्त करने की कार्यवाही की है। नगर पालिका प्रशासन की इस कार्यवाही का जनता सेना बोर्ड के उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, पार्षद गोवर्द्धनलाल भोई, ओमप्रकाश भोई ने प्रशासन के समक्ष विरोध भी दर्ज करवाया और कार्यवाही को नियमों के विपरीत बताया। हालांकि पालिका प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते की तैनाती में 4 मंजिला इमारत में से ऊपर की 2 मंजिलों की छत को पंचर और उसमें बनी हुई दीवारों को ध्वस्त कर दिया। सचिन सोनी, भवन मालिक भीण्डर का कहना है कि पालिका द्वारा मुझे भूतल से 4 मंजिला निर्माण के लिए एनओसी और निर्माण स्वीकृति के लिए पालिका द्वारा जारी मांग पत्र के अनुसार राशि भी जमा करवा रखी थी। लेकिन आज बिना किसी नोटिस व सूचना के ये कार्यवाही करने के लिए पालिका पहुंची। ये कार्यवाही केवल मात्र विधायक प्रीति शक्तावत के दबाव के कारण हो रही है। पूर्व पालिका बोर्ड के लोग विधायक प्रीति शक्तावत से मिले हुए हैं और द्वेषतापूर्ण ये कार्यवाही करवाई गई है।

भीण्डर नगर पालिका द्वारा मां हरिसिद्धी ड्रीम होम्स प्रा.लि. के नाम एक फरवरी को नोटिस जारी किया गया जो 2 फरवरी गुरूवार सुबह 11.40 बजे 5 मंजिला भवन पर चस्पा किया गया। जिसके 10 मिनिट बाद ही पालिका ईओ के नेतृत्व में दल पहुंचा और भवन की अवैध मंजिलों को ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू की। चस्पा किये गये नोटिस में लिखा था कि उक्त भवन में तीसरी व चौथी मंजिल के भवन निर्माण स्वीकृति नियम विरूद्ध दिये जाने पर निदेशालय स्थानीय निकाय विभाग जयपुर के आदेशानुसार निरस्त की गई है। उक्त आदेशानुसार निर्माण स्वीकृति निरस्त होने के कारण भवन में निर्मित तीसरी व चौथी मंजिल निर्माण अवैध श्रेणी में आने के कारण राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के नियम 194 के अर्न्तगत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

भीण्डर नगर पालिका में उक्त निर्मित भवन की भूतल व दो मंजिला निर्माण स्वीकृति में ऑडिट पेरा निकाला गया था। जिसमें 9 लाख 91 हजार 449 रूपये बकाया बताए थे। जिसको लेकर पालिका द्वारा नोटिस जारी किया गया था, जिस पर भवन मालिक सचिन सोनी ने शपथ पत्र प्रस्तुत करके बकाया के साथ तीसरी व चौथी मंजिल की 2 बीएआर राशि की गणना कर अतिरिक्त 1० लाख 15 हजार 80 रूपये को जोडते हुए कुल 20 लाख 6 हजार 529 रूपये पालिका कोष में जमा करवाने का मांग पत्र पालिका द्वारा 28 जुलाई 2022 को जारी किया गया। जिस पर पालिका द्वारा उक्त राशि जमा करके 10 अगस्त 2022 को भूतल से 4 मंजिला तक भवन निर्माण पर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया था।

ध्वस्त करने पहुंचे दल के सामने उपस्थित रहे। वहीं पालिका दस्ते में कनिष्ठ अभियंता दीपेन्द्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ लिपिक रघुनाथ सिंह राठौड, कनिष्ठ लिपिक सम्पत चौबीसा के साथ सफाई कर्मचारी व अन्य उपस्थित थे।

निर्मला भोजावत, अध्यक्ष नगर पालिका भीण्डर का कहना है कि भीण्डर नगर पालिका क्षेत्र में विधायक प्रीति शक्तावत ने अपनी सत्ता का दुरूपयोग कर नगर पालिका के अधिकारियों पर दबाव बनाकर इस भवन को ध्वस्त कर दिया, जिसकी अनुमति नगर पालिका द्वारा सही रूप से दी गई थी। उन्होंने कहा कि सत्ता के मद में चुर विधायक ने अपने विरोधियों के ऊपर इस तरह की कार्यवाही की, जिससे लोकतंत्र की अवहेलना की गई। भवन निर्माणकर्ता को ना तो कोई नोटिस दिया गया और ना ही कोई चेतावनी। उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा ईओ को फोन लगाया तो उन्होंने बात करने से मना कर दिया। जबकि मेरे सचिव होने के बाद भी मुझसे बात नहीं करना ये दर्शाता हैं कि विधायक प्रीति शक्तावत के कितने दबाव में है। इस कार्यवाही को जवाब दिया जायेगा।

प्रतीक झा, ईओ नगर पालिका भीण्डर का कहना है कि इस भवन को लेकर निदेशालय डीएलबी जयपुर के द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में तीसरे व चौथे मंजिल भवन निर्माण की स्वीकृति निरस्त करने के उपरान्त अवैध मंजिलों ध्वस्त किया गया।

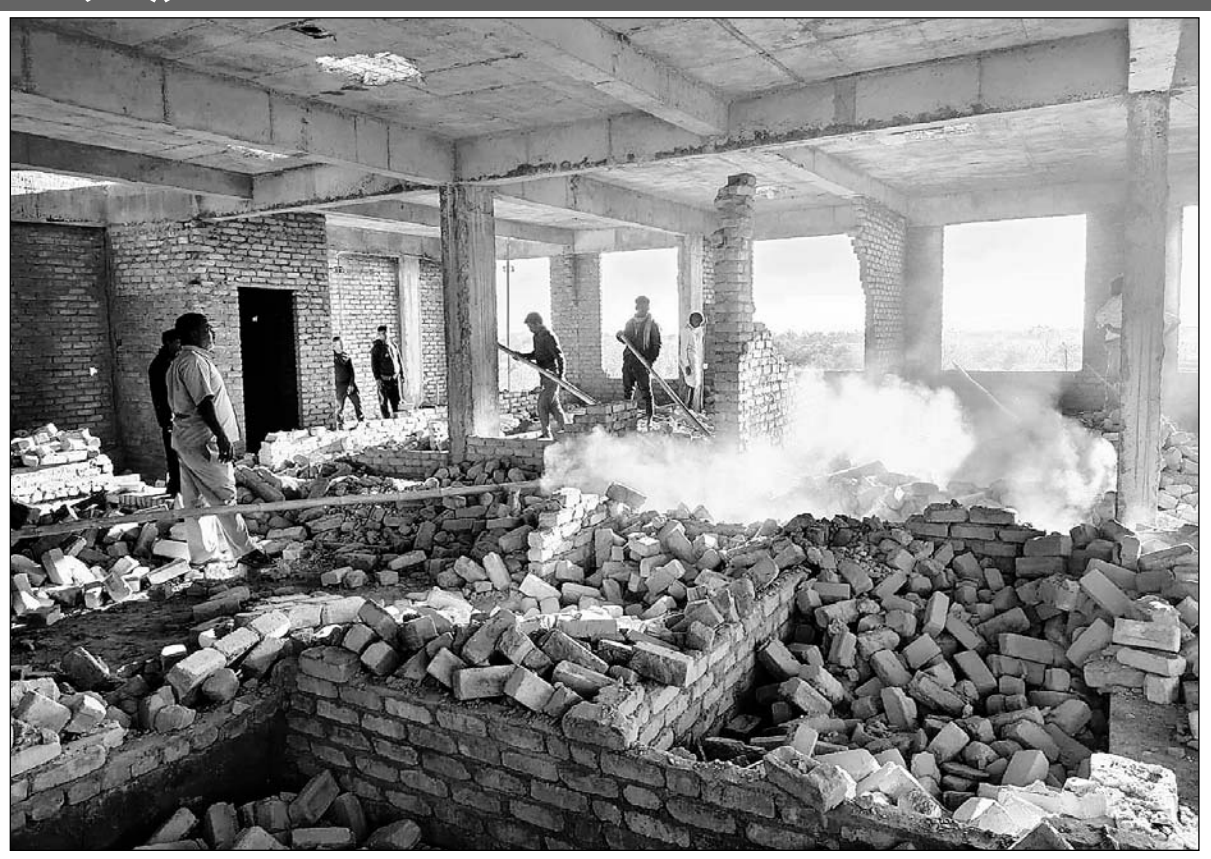

भींडर नगर पालिका के दस्ते ने दो मंजिला भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई की।

- **नगर पालिका प्रशासन की इस कार्यवाही को लेकर प्रशासन के समक्ष विरोध भी दर्ज करवाया**

भीण्डर नगर पालिका उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, पूर्व पालिकाध्यक्ष व पार्षद गोवर्द्धनलाल भोई, पार्षद ओमप्रकाश भोई ने नगर पालिका ईओ प्रतीक झा, भीण्डर तहसीलदार सुनीता सांखला के समक्ष विरोध दर्ज करवाया। भोई ने कहा कि बिना बोर्ड की जानकारी के पालिका प्रशासन कैसे कार्यवाही कर सकता है। भवन मालिक को भी बिना सूचना के भवन ध्वस्त करने के लिए पहुंच गये। लेकिन दल ने एक भी नहीं सुनी और कार्यवाही शुरू कर दी।

भीण्डर नगर पालिका द्वारा निर्माध ध्वस्त की कार्यवाही के दौरान भीण्डर तहसीलदार सुनीता सांखला, ईओ प्रतीक झा, वल्लभनगर पुलिस उपधीक्षक रविन्द्रप्रतापसिंह, भीण्डर थानाधिकारी मुकेशचन्द्र, वल्लभनगर सीआई घनश्यामसिंह देवडा, कानोड थानाधिकारी मनीष खोईवाल एवं खेरोदा थाने से मय जाप्ता मौके पर

हिस्ट्रीशीटर राकेश मांजू पर हमला करने वालों की पहचान, पांच नामजद

पुलिस अब हमलावारों की सरगर्मी से तलाश कर रही है, एक सिक्योरिटी गार्ड को भी नामजद किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के डालीबाई चौराहा बाइपास रोड पर वीतराग सिटी के बाहर बुधवार को दिनदहाड़े हिस्ट्रीशीटर राकेश मांजू पर हमला करने वालों की पुलिस ने पहचान करते हुए पांच लोगों को नामजद किया है। इसमें एक ट्वीट करने वाला भी शामिल है। एक सिक्युरिटी गार्ड को भी नामजद कर लिया गया है।

पुलिस अब पांचों की सरगर्मी से तलाश में लगी है। फिलहाल इसमें हिस्ट्रीशीटर दिनेश बंबानी और विक्रम सिंह नांदिया को कोई रोल सामने नहीं आ रहा है। पुलिस इस बारे में गहन पड़ताल में जुटी है। हमलावरों के पकड़े जाने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। हमलावरों में कार का मालिक सारण नगर, बनाड़ निवासी प्रकाश जाट है जोकि कार में साथ ही था। यह बनाड़ एरिया में सब्जी की दुकान चलाता है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव ने बताया कि बालेसर के भाटेलाई पुरोहितान निवासी राकेश मांजू पर बुधवार की अपरान्ह साढे तीन बजे अज्ञात लोगों ने हमला किया था। उस पर चार राउण्ड फायर किए गए थे। एक गोली उसके कंधे पर लगी और एक गोली उसके सिर में अटके होने की आशंका जताई जाती है। उसकी हालत सामान्य बनी है। फिलहाल राकेश मांजू के बयान नहीं हो पाए है। उसके चचेरे भाई सहीराम विश्रोई ने पांच लोगों जिनमें बजरंग सिंह पालड़ी, मंगलसिंह अरटिया, रघुवीर सिंह बागोरिया, प्रकाश जाट एवं युवराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

- **राकेश मांजू पर बुधवार को अज्ञात लोगों ने चार राउंड फायर किए थे**

डीसीपी वेस्ट यादव ने बताया कि ऑपरेशन से ही साफ हो पाएगा कि सिर में गोली है या नहीं। सिर में नजर आ रही चोट से संभावना है कि गोली उसमें हो सकती है। सिटी स्केन में इसकी जानकारी मिल रही है। बदमाशें का फिलहाल पता नहीं चला है।

जानकारी के अनुसार बजरंग सिंह पालड़ी ने कल ट्वीट कर काम राकेश मांजू का काम तमाम करने की बात की थी। अन्य लोगों को काम भी शीघ्र होने वाली बात अपने ट्वीट में कही। युवराज सिंह वीतराग सिटी का सिक्युरिटी गार्ड है। वह तीन चार महिने पहले ही यहां पर लगा था, इसमें सबसे बड़ी बात है कि बिना वेरिफिकेशन उसे गार्ड के रूप में रखा गया था। अब तक की जांच में यह सामने आया कि हमलावरों द्वारा जब फायर किए तो राकेश मांजू बच गया था तो युवराज सिंह ने भागते समय बीच में अपना पैर डाल दिया जिससे वह गिर गया।

बाद में उसकी पीठ के पीछे गोली मारी गई जोकि सीने को चीरते हुए निकल गई। एक गोली राकेश मांजू के सिर में अटकी होने की भी आशंका जताई जाती है। फिलहाल उसकी स्थिति सामान्य बनी हुई है। हमलवारों की तलाश में पुलिस की पांच टीमों के साथ डीएसटी को भी लगाया गया है। कार का सुराग मिला है।

पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया बताया गया कि हमला आपसी रंजिश का है। कैलाश मांजू का भतीजा राकेश मांजू पर हमला उक्त नामजद लोगों द्वारा किया गया है। जोकि विक्रमसिंह नांदिया एवं दिनेश बंबानी को जोड़ कर देखा जा रहा है। कार में यह लोग सवार थे या नहीं फिलहाल इस बारे पुलिस स्पष्ट नहीं है।

गैंगस्टर पपला को कोर्ट में पेश किया

बहरोड़/मुंडावर, (निसं)। बहरोड़ पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग कर साथियों द्वारा छुड़ाने पर फरार हुए हरियाणा के खैरौली महेंद्रगढ़ निवासी गैंगस्टर विक्रम उर्फ पपला को गाड़ी लूटने व मुंडावर पुलिस की नाकाबंदी तोड़ने के आरोप में भोंडसी जेल हरियाणा से कड़ी सुरक्षा के बीच मुंडावर कोर्ट में पेश किया गया। गौरतलब है कि 5 दिसंबर 2019 को बहरोड़ पुलिस द्वारा नेशनल हाईवे नंबर 48 से संदिग्ध अवस्था में करीब 32 लाख रुपए के साथ पकड़ने पर पपला के लगभग 3 दर्जन साथियों द्वारा बहरोड़ थाने पर 6 दिसंबर 2019 को सुबह अंधाधुंध फायरिंग कर छुड़ाने के बाद फरार होकर गाड़ी लूटने व मुंडावर पुलिस की नाकाबंदी तोड़ने के आरोप में मुंडावर कोर्ट में पेश किया गया।

जिला पुलिस भिवाड़ी के एडिशनल एसपी जगराम मीणा नीमराणा ने बताया कि गुरुवार को लगभग 12 बजे आरोपी को मुंडावर कोर्ट में पेश किया गया। जो बहरोड़ थाने पर साथियों सहित अंधाधुंध फायरिंग से फरार होने तथा उसके बाद मुंडावर पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागने व गाड़ी लूटने के चलते कोर्ट के चार्जशीट जुर्म कार्यवाही के क्रम में न्यायालय द्वारा पेशी वारंट के लिए कोर्ट में हरियाणा के भोंडसी जेल से मुंडावर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट की कार्यवाही के बाद वापस पुलिस कस्टडी में हरियाणा रवाना किया गया। इस दौरान मुंडावर पुलिस सहित जिला पुलिस भिवाड़ी का संपूर्ण जाब्ता कड़ी सुरक्षा के साथ उपस्थित रहा।

कॉलेज में सहायक प्रोफेसर के रिक्त पदों सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन

चाकसू के राजकीय कॉलेज में छात्रों ने लगाये ताले

चाकसू, (निसं)। गुरुवार को कस्बा स्थित राजकीय महाविद्यालय में विषय अध्यापकों के रिक्त पदों एवं अन्य मांगों को लेकर छात्र-छात्राओं ने छात्रसंघ अध्यक्ष विश्राम गुर्जर के नेतृत्व में कॉलेज के कमरों के ताले जड़ दिए और बाहर बैठकर नारेबाजी के साथ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष विश्राम गुर्जर एवं संयुक्त सचिव प्रेमहंस मीणा ने बताया कि पिछले 6 माह से कॉलेज में भूगोल एवं हिस्ट्री सहायक प्रोफेसर के पद रिक्त चल रहे हैं, इसके चलते विद्यार्थियों की पढ़ाई सही ढंग से नहीं हो पा रही है। उपस्थित छात्र-छात्राओं ने पेयजल शौचालय के अभाव, बाहरी लड़कों की आवाजाही सहित कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष के कार्यालय के लिए अभी तक भी कोई कमरा नहीं दिए जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त की। कॉलेज स्टूडेंट द्वारा कॉलेज में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन करने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों को समझाते हुए उनकी समस्याओं को सुना और समस्याओं को उच्च अधिकारियों से अवगत करा समस्या समाधान का आश्वासन देकर कॉलेज के कमरों के ताले खुलवाए।

चाकसू के महाविद्यालय के बाहर छात्रसंघ अध्यक्ष विश्राम गुर्जर के नेतृत्व में छात्रों ने प्रदर्शन किया।

मामले में प्रिसिंपल डॉ. सरिता मीणा ने बताया कि कॉलेज में पोस्टेड भूगोल की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रियंका चौहान और इतिहास की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनीता मीणा को विभाग द्वारा पिछले 6 माह से डेप्यूटेशन पर जयपुर में लगा रखा है। जिसके चलते दोनों पद रिक्त चल रहे हैं समस्या को लेकर क्षेत्रीय विधायक वेदप्रकाश सोलंकी को भी अवगत करा दिया गया है। वहीं छात्रसंघ अध्यक्ष कार्यालय कमरे के लिए बालिका विद्यालय की प्रधानाध्यापिका हेमलता सत्तावन को पत्र लिखा गया है। जिसका कोई जवाब नहीं मिला है। गौरतलब है कि राजकीय कॉलेज वर्तमान समय में राजकीय बालिका विद्यालय की बिल्डिंग में संचालित किया जा रहा है।

कार्यवाहक प्राचार्य गोकुल चंद मीणा ने बताया कि आयुक्तालय कॉलेज निदेशालय, क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी और शिक्षा मंत्री को अक्टूबर माह में ही अवगत करा दिया गया था कि सहायक आचार्य डॉ. प्रियंका चौहान, सहआचार्य सुनीता मीणा एवं लिपिक चांदनी को विभाग ने डेपुटेशन पर अनियंत्रित भेज देने के कारण यहां शैक्षिणक एवं अशैक्षिणक कार्य बाधित हो रहे हैं और उक्त कर्मचारियों को वापस राजकीय महाविद्यालय चाकसू में मूल पद स्थापित करने का निवेदन कर दिया था।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग से लाखों का नुकसान

दो भैंस व 10 बकरियां सहित 12 मवेशी जलकर मरे

श्रीमाधोपुर के पास एक गांव में आग लगने से मवेशी जलकर मर गए।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम होल्या का बास में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से 10 बकरियां व 2 भैंस जलकर मर गई। जानकारी के अनुसार आग से होल्या का बास के पास मालीराम जोशी के खेतों पर खेती कर रहे भागीरथ मल सैनी हांसपुर वाले की 10 बकरियां व दो भैंसें जलकर राख हो गई जिससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

मौके पर पटवारी किशन मीणा, सरपंच बिमला देवी झरवाल व डॉक्टर ने पहुंचकर मृत पशुओं का पोस्टमार्टम कर रिपोर्ट तैयार की है। बताया गया है कि करीब 5 बजे अचानक लगी आग को पास में बनी ट्यूबवेल से काबू पाया जाता जिससे पहले ही सभी मवेशी जलकर राख हो गए। आग इतनी फैल गई थी कि लपटें दूर-दूर तक जा रही थी। तब तक सभी घरेलू सामान व मवेशी जलकर राख हो गए।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। गांव लोढसर के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। बाघसरा पूर्वी गांव के निवासी राजकुमार जाट ने पुलिस को बताया है कि मेरा भतीजा विजय गोदारा सुजानगढ़ में शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था। रात को स्कूटी पर सवार होकर वापस गांव जा रहा था। तभी गांव लोढसर के पास बाईक सवार युवकों से टकरा गए। बाईक पर तीन व्यक्ति सवार थे।

स्कूटी और बाईक की भिडंत के बाद बाईक में आग लग गई। इस हादसे में विजय गोदारा, निवासी गांव बाघसरा पूर्वी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाईक सवार हर्ष निवासी सरदारशहर व हेमराज जाट निवासी गांव चाडवास को 108 एम्बूलेंस के जरिये राजकीय अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकत्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाईक सवार आदित्य जांगिड़ को मामूली चोटें आई है, जिसका बगडिया अस्पताल में उपचार चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलने पर उपखंड अधिकारी मूलचंद लूणिया अस्पताल पहुंचे और मृतकों के परिजनों से बात की। अस्पताल में काफी लोगों की भीड लग गई। सदर थानाधिकारी मनोज मूंड ने भी मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली। फिलहाल जिस किसी को इस हादसे का पता लगा, सहम गया। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया है।

जोधपुर में जी-20 शिखर सम्मलेन में 29 देशों के राजनयिक जुटे

पहले दिन एंप्लॉयमेंट वर्किंग ग्रुप का पैनल डिस्कशन हुआ

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के लिए यह तीन दिन ऐतिहासिक रहने वाले हैं। 4 फरवरी तक जोधपुर में जी-20 का शिखर सम्मेलन का आयोजन है। सम्मेलन गुरुवार से मारवाड़ की धरा धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी जोधपुर में सुबह योगा एवं प्राणायाम के साथ शुरू हो गया। करवड़ स्थित आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सुबह की शुरूआत योग एवं प्राणायाम के साथ शुरू हुई। शिखर सम्मेलन में पहुंची 29 देशों के राजनयिकों ने योग एवं प्राणायाम में हिस्सा लिया।

एंप्लॉयमेंट वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक एक होटल में रखी गई। कौशल विकास और उद्यिमता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने इस चर्चा की अध्यक्षता और संचालन किया। पैनल डिस्कशन को मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप के सचिव अतुल कुमार तिवारी सहित मत्तर अज़ीस, डायरेक्टर ऑफ कंपेटेन्सी स्टैंडर्डाइजेशन एंड ट्रेनिंग प्रोग्राम इंडोनेशिया गणराज्य के जनशक्ति मंत्रालय, स्टेफानो स्कारपेट्टा, रोजगार, श्रम और सामाजिक मामलों के निदेशक, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी), अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे, नेशनल एजुकेशन टेक्नोलॉजी फोरम (एनईटीएफ) के अध्यक्ष, क्रिस्टीन हॉफमैन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में कौशल और रोजगार विशेषज्ञ, और टीमलीज के उपाध्यक्ष मनीष सभरवाल ने संबोधित किया। चर्चा में जी-20 देशों, अतिथि देशों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केंद्र और राज्य सरकार की कई एजेंसियों के अधिकारियों, उद्योग निकायों, शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों और लेबर-20 एंगेजमेंट ग्रुप के अध्यक्ष ने भी भाग लिया।

बैठक में कौशल की कमी और वैश्विक रुझानों चर्चा हुई। साथ ही कौशल की कमी को दूर करने के साधनों पर विचार-विमर्श किया गया। वैश्विक कौशल और योग्यता के सामंजस्य के लिए एक सहयोगी रोड मैप का विकास करने का निर्णय किया गया।

जोधपुर में शुरू हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों के राजनायकों ने हिस्सा लिया।

गौरतलब है कि जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुनिया भर से विदेशी पावणा जोधपुर आए हुए है। जोकि जोधपुर एवं मारवाड़ की संस्कृति से रूबरू तो हो रहे है साथ ही यहां की अपणायत से भी आत्मसात हो रहे है। नौपत धुनों पर विदेशी मेहमानों को शहर की होटलों में स्वागत सत्कार मारवाड़ी अंदाज में किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत जोधपुर पहुंचे :- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी- 20 की बैठक में शिरकत करने दोपहर बाद जोधपुर पहुंचे। यहां पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। एयरफोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए शेखावत ने कहा कि बैठक का यहाँ होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जोधपुर की जनता इस सम्मेलन को उत्सव की तरह ले रही है। इससे जोधपुर में पर्यटकों को और बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री शेखावत यहां जी-20 शिखर बैठक में हिस्सा लेने आए है। वे 4 फरवरी तक जोधपुर में रहकर इस ऐतिहासिक सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे।

मुख्यमंत्री गहलोत ने विधानसभा में सांसद किरोड़ीलाल पर आपत्तिजनक टिप्पणी की

गहलोत ने कहा कि ''पेपरलीक तो पूरे देश की समस्या है, हमारे कुछ साथी तो बेरोजगारों को साथ लेकर सड़क पर आंदोलन करने लगते हैं, नौकरी देने की बातें कहकर भड़काते हैं, ऐसे में बच्चें पढ़ाई कब करेंगे''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को विधानसभा में पेपरलीक मामले की सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर जयपुर में धरने पर बैठे राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पर आपत्तिजनक कर दी।

राज्यपाल के अभिभाषण के वाद-विवाद का जवाब देते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि ''पेपरलीक पूरे देश की समस्या है, हमारे कुछ साथी तो बेरोजगारों को साथ लेकर सड़क पर आंदोलन करने लग जाते हैं, नौकरी देने की बातें कहकर उन्हें भड़काते हैं। ऐसे में बच्चें पढ़ाई कब करेंगे। बच्चों को तो कोई नेता मिलना चाहिए, वे खुश हो जाते हैं। यही स्थिति राजस्थान में बनी हुई है। हमारे राज्यसभा सांसद लोगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं, क्या तुक है?''

पेपरलीक की सी.बी.आई. जांच से मना करते हुए गहलोत ने कहा कि ''आखिर सी.बी.आई. जांच से क्या हो जाएगा। सी.बी.आई. ने पहले भी क्या कोई जांच की है क्या? और कितने राज्यों ने पेपरलीक के बाद सी.बी.आई. से जांच करवाई। यू.पी. में तो जांच एजेंसियां पेपर को हाथ भी नहीं लगाती। हम तो चाहते हैं कि पक्ष-विपक्ष मिलकर पेपरलीक का हल ढूंढे, आप लोग चाहो तो इसके लिए कमेटी बना सकते हैं।''

राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का धरना गुरूवार को भी जारी रहा।

- **पेपरलीक की सी.बी.आई. जांच से मना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा ''सी.बी.आई. ने पहले भी क्या कोई जांच की है क्या? और कितने राज्यों ने पेपरलीक के बाद सी.बी.आई. से जांच करवाई। यू.पी. में तो जांच एजेंसियां पेपर को हाथ भी नहीं लगाती। हम तो चाहते हैं कि पक्ष-विपक्ष मिलकर पेपरलीक का हल ढूंढे, अगर आप लोग चाहो तो इसके लिए कमेटी बना सकते हैं।''**
- **मुख्यमंत्री की टिप्पणी के बाद सांसद किरोड़ीलाल ने पलटवार किया कि ''खुद को गांधीवादी कहने वाले मुखिया को इस बात पर भी आपत्ति है कि मैं पेपर लीक के मामलों की सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर छात्रों के साथ धरने पर क्यों बैठा हूं। पेपर लीक माफिया को बचाने की जिद में मुख्यमंत्री प्रदर्शन करने के लोकतांत्रिक अधिकार को भी छीन लेना चाहते हैं।''**

सांसद किरोड़ीलाल मीणा पुन: जयपुर धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया।

सांसद किरोड़ीलाल ने कहा कि खुद को गांधीवादी कहने वाले मुखिया को इस बात पर भी आपत्ति है कि मैं पेपर लीक के मामलों की सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर छात्रों के साथ धरने पर क्यों बैठा हूं। पेपर लीक माफिया को बचाने की जिद में मुख्यमंत्री प्रदर्शन करने के लोकतांत्रिक अधिकार को भी छीन लेना चाहते है। मैंने बोर्ड अध्यक्ष डी.पी. जारौली के खिलाफ पुख्ता सबूत दिए, लेकिन सरकार ने बर्खास्त करके छोड़ दिया। एसओजी के अधिकारी मोहन पोसवाल के खिलाफ सबूत दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। पेपर लीक माफिया से सरकार की सांठगांठ है। मुख्यमंत्री कार्रवाई की बजाय क्लीन चिट बांट रहे हैं। पेपर लीक की तह तक जाने के लिए सीबीआई जांच ही एकमात्र विकल्प है, क्योंकि सरकार के मंत्री, विधायक और अधिकारी इसमें लिप्त है। इन्हें जानबूझकर पकड़ा नहीं जा रहा, क्योंकि ऐसा हुआ तो सरकार की पोल खुल जाएगी। इस रवैये से आक्रोशित युवा हिसाब चुकता करने के लिए तैयार बैठे है।

रिफ में बेहतरीन फिल्मों की खास स्क्रीनिंग हुई

रिफ में गुरूवार को लीजेंड एक्टर मरहूम इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर के साथ द वर्ल्ड नीड स्ट्रॉन्ग विमन विषय पर टॉक शो हुआ।

जयपुर (कासं)। शहर के क्रिस्टलपॉम आईनॉक्स में चल रहे रिफ फिल्म क्लब के राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) के नौवें संस्करण के दूसरे दिन गुरुवार को फिल्म स्क्रीनिंग, ओपन फोरम, वर्कशॉप और टॉक शो जैसे मनोरंजक व दिलचस्प क सार्थक कार्यक्रम हुए। रिफ में बुधवार को डॉक्टर अजीत जैन, द बापू आश्रम, केमिकल ब्रोस, इन माई हेड, राजस्थानी बाहुबली, जोबनिया जलेबी, हाथ रपिया, बारात, लोटस ब्लूम, बस्ती एवं माता (द मोनेस्ट्री) जैसी बेहतरीन फिल्मों की खास स्क्रीनिंग हुई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

फेस्टिवल में लीजेंड एक्टर मरहूम इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर के साथ द वर्ल्ड नीड स्ट्रॉन्ग विमन विषयक खास टॉक शो हुआ। सेशन में सुतापा ने आज की नारी की विशेषताएं और सिनेमा जगत में नारी की महत्ता पर रोशनी डाली। उन्होंने बताया की वह न ही अभिनेत्री बनना चाहती थी, न ही किसी अभिनेता से शादी करना चाहती थी। इतना ही नहीं अभिनय करना पसंद करती थी, लेकिन सब कुछ इसके उलट हुआ। सुतापा ने बताया कि जीवन में उन्होंने हर कदम फूंक-फूंक कर और योजनाबद्ध ढंग से उठाया, लेकिन इरफान के इंतेकाल के बाद उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। इसीलिए अब उन्होंने हर पल को खुलकर जीने का मकसद बना लिया। इस टॉक शो में रानू श्रीवास्तव, आस्था अठावाल, संध्या दिलीप, कल्पना सिंह, अंशु हर्ष ने विचार व्यक्त किए।

संक्षिप्त

फिल्मइट जयपुर फेस्टिवल आज

जयपुर । इन्टैक्स की हेरिटेज एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन सर्विस (एचईसीएस) द्वारा महारानी गायत्री देवी गर्ल्स स्कूल में 3 फरवरी को सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक फिल्मइट जयपुर फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह फेस्टिवल बच्चों के प्रयासों का उत्सव है और इस दौरान उनके द्वारा बनाई गई शॉर्ट हेरिटेज फिल्मों को प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्मइट जयपुर 2022-23 में 14 स्कूलों के छात्र हिस्सा लेंगे। फिल्मइट एक बहु-सांस्कृतिक प्रोजेक्ट है जो छात्रों को उनके शहर की हेरिटेज पर शॉर्ट फिल्में बनाने में मदद करता है। कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों को कंटेंट डवलप करने और तकनीकी ज्ञान में प्रशिक्षित किया जाता है। अब तक भारत में छात्रों द्वारा 5000 से अधिक शॉर्ट फिल्में तैयार की जा चुकी हैं।

कर्मचारियों की महारैली आज

जयपुर । राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 3 फरवरी को अधीनस्थ मंत्रालयिक कर्मचारियों की प्रमुख मांगो को लेकर बजट पूर्व ध्यानाकर्षण महारैली शहीद स्मारक जयपुर से 11 बजे शुरू होकर मुख्यमंत्री आवास सिविल लाइन्स फाटक जयपुर पर पहुँचेगी। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने बताया कि इस महारैली में प्रदेश के 33 जिलों एवं 358 ब्लॉकों से 50,000 से भी अधिक मंत्रालयिक कर्मचारी हिस्सा लेंगे। प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र दाधीच ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारी लम्बे समय से समान भर्ती, समान योग्यता एवं समान कार्यप्रणाली के बाद भी अपने समकक्ष संवर्गों जिसमें सचिवालय एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग के मंत्रालयिक कर्मचारियों से कम वेतन प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही संवर्ग के कनिष्ठ सहायकों के वेतनमान में की गई वेतन कटौती को पुन: बहाल करने की मांग है।

पुस्तक सनातन धर्म का विमोचन

जयपुर । जयपुर के लेखक कृष्ण गोपाल सीपरिया द्वारा लिखित आध्यात्मिक ज्ञान कोष पुस्तक सनातन धर्म का विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन कानपुर में स्वामी अकामानन्द गिरिजी महाराज द्वारा किया गया। पुस्तक सनातन धर्म अध्यात्मिक ज्ञान कोष का संकलन आज के युवा वर्ग के लिए किया है, जिनके पास पूरे ग्रंथों को पढ़ने के लिए समय का अभाव रहता है।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। सुभाष चौक थाना पुलिस ने दस साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी रामफूल मीणा ने बताया कि दस साल से फरार चल रहे स्थाई वारंटी वकील उर्फ गुड्डू निवासी चैनपुर जिला बरेली यूपी हाल गलता गेट को गिरफ्तार किया गया है।

'कांग्रेस राज में कर्जामाफी नहीं, बल्कि 18 हजार किसानों की जमीनें कुर्क हुई'

नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा में मुख्यमंत्री गहलोत और उनकी सरकार को घेरा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने विधानसभा में गुरूवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान गहलोत सरकार की योजनाओं की जमकर धज्जियां उडाई। कटारिया ने पेपरलीक, किसान कर्जामाफी, बेरोजगारी भत्ते, लंबित भर्तियों, अंग्रेजी शिक्षकों की कमी, बिजली कटौती और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को घेरा। उन्होंने सिलसिलेवार आंकड़े गिनाते हुए सरकार की नाकामियों को सदन के सामने रखा।

कटारिया ने मुख्यमंत्री को घेरते हुए कहा कि राजस्थान में सत्ता संभालते समय 10 दिन में कर्जामाफी की बात करने वाली इस कांग्रेस सरकार के राज में अब तक प्रदेश में 18 हजार से अधिक किसानों की जमीन कुर्क हो चुकी है और इसमें अलवर जिले में सबसे अधिक 4010 किसानों की जमीन गई है। उन्होंने कहा कि शहरी रोजगार गारंटी योजना के नाम पर सरकार वाहवाही लूट रही है। इसमें एक दिन की मजदूरी 130 रूपए दी जा रही है, अब सीएम इस योजना के प्रसार में लगाए गए उनके बैनर-पोस्टर का ही खर्च बता दें तो योजना को सफल मान लेंगे। एसीबी में दर्ज केस की अभियोजन स्वीकृति नहीं देने पर कटारिया ने कहा कि यह वोटों की खेती काम नहीं आएगी, देश ही काम आने वाला है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ईस्टर्न कैनाल परियोजना के बारे में अभिभाषण में कहा गया कि यह योजना वर्ष 2051 तक पूरी होगी। तब तक मैं जिंदा रहूंगा और न यहां बैठने वाले कई सदस्य।

कटारिया ने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को सही निर्णय बताते हुए कहा कि राज्य में 1700 स्कूल खोले गए, लेकिन एक भी अंग्रेजी शिक्षक की पोस्ट नहीं है। इसके लिए तीन चरणों में शिक्षक रखे गए और तीसरे चरण में तो कांग्रेस नेताओं के भाई-भतीजों को ही इसमें शिक्षक लगा दिया। जो लोग अंग्रेजी का एक शब्द नहीं जानते, वे बच्चों को अंग्रेजी पढ़ा रहे हैं। विद्या संबल योजना में की जा रही भर्ती में शुरूआती 9 वर्षों तक 9 हजार रूपए सैलरी देने की बात कही गई है, जबकि राजस्थान में न्यूनतम मजदूरी ही इससे ज्यादा है। प्रदेश में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किए जाने के लिए दिए जाने वाले गार्गी पुरस्कारों का एक लाख से अधिक विद्यार्थी अभी इंतजार ही कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने पेपरलीक मामलों की जांच तथा दोषियों पर कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केन्द्र की स्कीम के तहत ही जनता क्लिनिक खोलने की घोषणा की गई और राज्य में 142 क्लिनिक के लिए केन्द्र ने 106 करोड रूपए भी दिए लेकिन अब तक 38 क्लिनिक ही खुल पाए हैं। जल जीवन मिशन में 43 हजार गांवो में से 1500 गांवो में जल कनैक्शन हो पाए हैं। कटारिया ने बिजली कटौती पर भी राज्य सरकार को घेरा और कहा कि जब राज्य में 31 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है तो कटौती क्यों की जा रही है। बिजली कम्पनियों का घाटा भी 90 हजार करोड से अधिक हो चुका है।

- **गुलाबचंद कटारिया ने सदन में पेपरलीक, किसान कर्जामाफी, बेरोजगारी भत्ते, लंबित भर्तियों, अंग्रेजी शिक्षकों की कमी, बिजली कटौती और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाकर सरकार की पोल खोली**
- **''शहरी रोजगार गारंटी योजना में मजदूरी मात्र 130 रूपए प्रतिदिन है, मुख्यमंत्री अगर इसके प्रचार के बैनर-पोस्टरों का खर्च बता दें तो इसे सफल मान लेंगे''**

प्रदेश में गुरूवार को कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में गुरूवार को करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इस दौरान राज्य में किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से फिलहाल 16 एक्टिव केस मौजूद है।

चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। इससे पहले राज्य में बुधवार को एक रोगी पाया गया था। इधर राजधानी जयपुर में लगातार चौथे दिन कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में गुरूवार को किसी भी मरीज के रिकवर नहीं होने से 16 ही एक्टिव केस मौजूद है। इनमें भरतपुर में 9, जयपुर व उदयपुर में 3-3 तथा अलवर में एक एक्टिव केस मौजूद है। राज्य में गुरूवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

चिकित्सा विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 3 हजार 997 कोविड के टीके लगाये गये है। इनमें 2 हजार 48 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

जे.के.लॉन अस्पताल के अधीक्षक को ब्रेन स्ट्रोक

जयपुर (कासं)। राजधानीके जेके लॉन अस्पताल के अधीक्षक और शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. गुप्ता को बुधवार देर रात ब्रेन स्ट्रोक आ गया। इसके बाद उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनके ब्रेन की देर रात सर्जरी की गई। एसएमएस के अधीक्षक और वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. अचल शर्मा की मॉनिटरिंग में डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टरों के मुताबिक सर्जरी के बाद डॉ. गुप्ता की हालत स्थिर बनी हुई है।

वहीं जेके लॉन अस्पताल के डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टॉफ समेत अन्य शुभचिंतकों ने डॉ. गुप्ता के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना भी की है। डॉक्टर गुप्ता को पिछले साल 30 सितम्बर को सरकार ने जेके लॉन अस्पताल का अधीक्षक बनाया था। डॉ. गुप्ता वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ है और बच्चों की गेस्ट्रो संबंधी बीमारियों का इलाज करते है।

- **एसएमएस अस्पताल में बुधवार देर रात भर्ती करवाने के बाद की गई सर्जरी, फिलहाल आईसीयू में भर्ती**

न्यूरो और हार्ट के डॉक्टरों के अनुसार सर्दियों में ब्रेन स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट के केस बहुत ज्यादा आते है। विशेषज्ञों के मुताबिक सर्दियों में ब्लड वॉल्यूम ज्यादा बढ़ने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है। इससे ब्रेन स्ट्रॉक का खतरा भी ज्यादा हो जाता है। इसके अलावा ज्यादा ठंड से इंसान की धमनियां सिकुड़ने लगती हैं। इसके साथ ही ब्लड में प्लेटलेट्स की रिएक्टिविटी बढ़ जाती है। इसके कारण खून में थक्के बहुत तेजी से जमने लगते हैं। जिनके ब्लॉकेज की दिक्कत है, उनके हार्ट की आर्टरी या वैस्कुलर ब्लॉक हो जाती है।

जयपुर में पांच बिल्डरों पर आयकर विभाग का छापा

जयपुर (कासं)। आयकर विभाग ने गुरुवार को जयपुर में पांच नामी बिल्डरों के 38 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। गुरुग्राम में बिल्डर ग्रुप के 2 ठिकानों पर भी टीमें सर्च ऑपरेशन कर रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक इनकम टैक्स विभाग को टिप मिली थी कि ये बिल्डर्स जयपुर में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट्स, प्लॉट्स और कमर्शियल प्रॉपर्टी की डील नकद राशि लेकर कर रहे हैं। सत्यापन करने के बाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की अन्वेषण शाखा की 40 टीमों ने गुरुवार सुबह एक साथ छापेमारी की।

सूत्रों का कहना है कि बिल्डर मंगलम ग्रुप, संजीवनी, आर-टेक, जुगल डेरेवाला और हरिदत्त के ठिकानों कॉर्पोरेट ऑफिस, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में चल रहे ऑफिस के साथ-साथ इनके घरों पर भी छापेमारी की गई है। पांचों बिल्डर के जयपुर और गुरुग्राम में 38 ठिकाने बताए जा रहे हैं। इनमें से जयपुर में 36 और ग्रुरुग्राम में 2 ठिकाने हैं।

सूत्रों की मानें तो आयकर टीमों ने इन ग्रुप के जयपुर में टोंक रोड, मानसरोवर, राजापार्क, जगतपुरा, सी-स्कीम, सिविल लाइंस, अजमेर रोड, दिल्ली रोड, आगरा रोड, सांगानेर सहित कई स्थानों पर छापेमारी की है। इनमें इनके कई प्रोजेक्ट, आवास, ऑफिस और सहयोगियों के ठिकाने शामिल हैं। छापेमारी कार्रवाई में करीब 300 से अधिक कर्मचारी जुटे हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि डिपार्टमेंट को लंबे समय से करोडों की अघोषित इनकम की शिकायत मिल रही थी। पांचों बिल्डर जमीन खरीद-फरोख्त में कैश का इस्तेमाल कर रहे हैं। आवास और ऑफिस के बेचान में बड़ी मात्रा में काली कमाई ले रहे हैं। सभी 38 ठिकानों पर एक साथ रेड डालने के लिए 40 टीम तैयार की गई, फिर छापेमारी शुरू की। अब तक की जानकारी के अनुसार इनके ठिकानों से भारी मात्रा में नकदी, जमीन खरीद-फरोख्त के डाक्यूमेंट मिले हैं। जिनका सत्यापन किया जा रहा है।

- **मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के फ्लैट्स, प्लॉट्स और कमर्शियल प्रॉपर्टी का सौदा नकद राशि में करने की सूचना के बाद हुई कार्रवाई**

मुख्यमंत्री ने सदन में खुद के शासनकाल को सराहा

जयपुर (विसं)। राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सदन में अपने कार्यकाल और सरकार की तारीफ की। चिरंजीवी योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम, अनिवार्य एफ.आई.आर. के फैसले को खुद ही सराहते दिखे। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के 4 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की तुलना करते हुए कांग्रेस सरकार के शासनकाल को बेहतर बताया।

गहलोत ने कहा कि वर्ष 1993 से लगातार राजस्थान में ऐसी परम्परा बन गई कि हर बार सरकार बदल जाती है। सरकार के ढाई-तीन साल बाद ही एंटी इंकंबेंसी हावी हो जाती है और सत्ताधारी पार्टी उपचुनावों में हारती है। भाजपा के शासन में वर्ष 2013 से 2018 तक हुए आठ उपचुनावों में से छह में भाजपा हारी थी। परन्तु इस बार राजस्थान में प्रो इंकंबेंसी साफ दिख रही है। वर्ष 2018 से अभी तक हुए नौ उपचुनावों में से सात उपचुनाव कांग्रेस जीती है। नगरीय निकाय, पंचायतीराज सभी चुनावों में कांग्रेस जीती है। हमारी पार्टी के जनघोषणा पत्र के करीब 80 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए गए और बाकी 20 प्रतिशत प्रगतिरत हैं। 94 प्रतिशत बजट घोषणाओं की स्वीकृति निकल गई हैं। इसलिए जो घोषणा हुई, उस पर काम शुरू हो गया। इसका असर है कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 11.04 प्रतिशत आर्थिक विकास दर के साथ देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ रहे राज्यों में राजस्थान दूसरे स्थान पर है। वर्ष 2018-19 में जब भाजपा की सरकार थी तब आर्थिक विकास दर महज 2.37 प्रतिशत थी। आज करीब चार गुना गति से प्रदेश आगे बढ़ रहा है। गहलोत ने कहा कि आप हमारी फ्लैगशिप योजनाओं को बन्द करेंगे। चिरंजीवी, इन्दिरा रसोई, शहरी रोजगार, उडान और ओपीएस बन्द कर देंगे। जैसे पिछले कार्यकाल में रिफाइनरी, मेट्रो, जोधपुर में बार काउंसिल हॉल, नई सड़क पार्किंग का काम बंद किया था।

सार-समाचार

बालाजी मंदिर की कलश यात्रा आज

बालाजी मंदिर के मूर्ति स्थापना कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए गुरूवार को मां वैष्णो रेजिडेंसी के लोगों की बैठक हुई।

जयपुर (कासं)। हाथोज स्थित मां वैष्णो रेजिडेंसी में नवनिर्मित खेजड़ी वाले बालाजी मंदिर में मूर्ति स्थापना कार्यक्रम 5 फरवरी को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। समारोह में हाथोज बालाजी मंदिर के आचार्य महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य महाराज और मांचवा स्थित श्रीराम कुटिया मंदिर के कृष्ण दास महाराज के सानिध्यता रहेगी। श्री बालाजी विकास समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 3 फरवरी को गाजे-बाजे और शाही लवाजमे के साथ सुबह 10:15 बजे कलश यात्रा निकलेगी, जो कि दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर हाथोंज से रवाना होकर खेजड़ी वाले बालाजी मंदिर तक आएगी। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण किए गीत गाते हुए मंदिर परिसर तक आएंगी। शनिवार को मंदिर परिसर में हवन और वासादि कर्म होगा। रविवार सुबह 7:15 बजे मंदिर में भगवान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति और भजन संध्या का आयोजन होगा। इसके बाद दोपहर करीब सवा 2 बजे से भंडारा प्रसादी कार्यक्रम होगा, जिसमें कई नेता व गणमान्य लोगों के साथ-साथ कॉलोनी के रहवासी शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों में रामपाल कुमावत, चेताराम शेषमा, भीम सिंह शेखावत, रामपाल गुर्जर, नवरतन गुर्जर, विजय सिंह यादव, गोपाल चौधरी, मनोज कुमार शर्मा, चैतन्य शर्मा, माली राम कुमावत, दशरथ कुमावत, इंद्र गौड़, मुकेश चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, महेंद्र सोनी, सुरेश कुमावत, शंभू दयाल कुमावत, भीवाराम जाखड़, अशोक गुप्ता और हनुमान सिंह राठौड़ समेत सैकड़ों लोग जुटे हुए हैं।

चूड़ी कारखाने से 7 बच्चे छुड़वाए

जयपुर । लालकोठी पुलिस ने चूड़ी कारखाने से 7 बालश्रमिकों को मुक्त करवा कर संचालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया एनजीओ की सूचना पर एमडी रोड स्थित एक चूड़ी कारखाने पर दबिश दी गई, जहां काम कर रहे 7 बालश्रमिकों को मुक्त कराया गया है। पुलिस ने कारखाना संचालक असफाक खान निवासी अलीनगर वैशाली, बिहार को पकड़ा।

महिला से चार लाख रुपये हड़पे

जयपुर । जयसिंहपुराखोर थाना क्षेत्र में एक महिला से 4 लाख रूपए हड़पने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी सत्यपाल सिंह ने बताया डायमंड सिटी निवासी सबीला ने रिपोर्ट दी है कि मेवात क्षेत्र निवासी मुबिना और उसका पति हनीफ उर्फ़ कुर्रा रिश्तेदार है। आरोप है दोनों ने घर के आंगन में धन गढ़ा होने का झांसा दिया। इसके लिए गड्ढा खोदा गया। गड्ढे में सिन्दूर डाल कर अगरबत्ती जलाई। इसके बाद कुछ वस्तू जलाई, जिसके धुंए से सबीला बेहोशी की हालत में हो गई, जब वह होश में आई तो मुबिना और उसके पति हनीफ ने गड्ढे में पीले रंग के तीन सिक्के और सांप निकलना बताया। उसे डराया कि माया भेंट मांग रही है, नहीं तो परिवार खत्म हो जाएगा। सबीला आरोपियों के झांसे में आ गई और 4 लाख रूपए दे दिए। इसके बाद आरोपित फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

युवक की जेब से नकदी निकाली

जयपुर । गांधीनगर इलाके में एक युवक की जेब कट गई। पुलिस ने बताया कोटपूतली निवासी राजेंद्र सैनी 1 जनवरी को जयपुर आया था। वह कहीं जाने के लिए नारायण सिंह सर्किल से बस में चढ़ा। इसी दौरान जेबतराश ने कट लगा कर जेब में रखे 30 हजार रूपए निकाल लिए।

स्कूटी से सड़क पर गिरी युवती को ट्रक ने रौंदा

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में ट्रैफिक पुलिस के चालान काटने के गुरिल्ला स्टाइल ने एक महिला की जान ले ली। बिना हेलमेट के स्कूटी सवार महिला को देखकर ट्रैफिक पुलिसकर्मी पकड़ने दौड़ा तो घबराकर महिला ने अचानक ब्रेक लगा दिए, इससे पीछे बैठी उसकी बहन नीचे गिर गई और पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया। हालांकि महिला के परिजनों का दावा है कि स्कूटी सवार दोनों ने हेलमेट लगा रखा था। हादसे में झुंझुनूं की महिला नीलम चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। महिला के साथ स्कूटी पर उसकी डेढ़ साल की बच्ची भी सवार थी, लेकिन अचानक ब्रेक लगने से वह दूर जाकर गिरी।

पुलिस ने बताया कि हादसा शाम करीब 4:15 बजे भृगु पथ, मानसरोवर पर किसान धर्मकांटे के पास हुआ। एक्टिवा स्कूटी सवार महिला बिना हेलमेट के मानसरोवर की ओर जा रही थी। अचानक सामने आकर पुलिस वाले उसे पकड़ने दौड़े तो महिला ने पहले रास्ता बदला और फिर ब्रेक लगाकर टर्न लेने की कोशिश की, लेकिन ब्रेक लगाने से पीछे बैठी महिला गिर गई और पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गई। लोगों ने गंभीर हालत में उसे धनवंतरी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि बताया कि मृतक नीलम चौधरी पत्नी सुरजीत सिंह है, जिसकी उम्र 28 साल है। महिला झुंझुनूं की रहने वाली थी। श्याम विहार, मानसरोवर में रहने वाली अपनी बहन अनिला चौधरी (32 वर्ष) से मिलने गई थी। उनके परिजनों का दावा है कि दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। वहां से अनिला चौधरी, नीलम चौधरी और नीलम की डेढ साल की बच्ची रिश्तेदारी में शादी के लिए शॉपिंग कर लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। ब्रेक लगाने से स्कूटी का बैलेंस बिगड़ गया, जिससे उसके पीछे सवार नीलम चौधरी ट्रक के टायर के नीचे आ गई। हालांकि इस हादसे में बच्ची की जान बच गई। अनिला को मामूली चोट आई है। घटना के बाद से ट्रक चालक फरार है। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। ट्रक के डॉक्युमेंट के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को घेर लिया। ट्रैफिककर्मी बाइक लेकर वहां से निकलने लगा तो पब्लिक ने उसकी चाबी निकाल ली, लेकिन ट्रैफिक पुलिसकर्मी वहां से धीरे से भाग निकला। महिला की मौत के बाद लोग उसका शव लेकर दोबारा रोड पर आ गए और शव सड़क पर रखकर डेढ घंटे प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने भी मौके पर पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी। बताया जा रहा है कि गुस्साए लोगों ने एक्सीडेंट करने वाले ट्रक को भी आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया।

- **प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूटी सवार युवती को पकड़ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी दौड़ा था, घबराई युवती ने ब्रेक लगाए तो बहन गिरी**

ARBiT
it happens here...

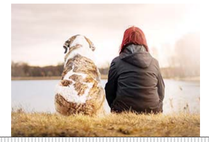

Doggy Date Night

Dogs have been the sidekicks of people for thousands of years. Dogs are certainly worth all of the love and attention they can receive. Taking that little canine buddy out on a date night is a fun reminder of how much love and delight dogs can bring to their human families. Doggy Date Night was founded to show appreciation for pups of all shapes and sizes, while encouraging their owners to take them out and spend some quality time with them.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
3 February 2023
A-B

#CURTAIN RAISER

Delphic Games of Rajasthan

In the month of February, the Pink City will witness the first-ever Delphic Games of Rajasthan. To be held from 9 February to 12 February at Jawahar Kala Kendra in Jaipur, the event will feature a multitude of activities such as cultural competitions in music, dance and photography, an art camp, craft demonstrations, interactive seminars as well as talk shows.

Chetan Kumar Javda.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Just like the Olympic Games promotes sports, Delphic Games aspire to unite nations and cultures across the globe through a common platform for arts. From 582 BC to 394 AD, these Games were conducted every four years, one year prior to the Olympic Games. The International Delphic Council was founded in Germany in 1994 to revive the Delphic Games and provide a platform for people of all ages and nationalities that gives access to art and culture while creating a base for emotional understanding. Taking ahead this vision, the Delphic Council of Rajasthan (DCR) was set up in July 2021. In fact, it was the first State Council

Ranjana Gauhar.

to be set up in India and since then has been working to promote the art and culture of Rajasthan with a special focus on showcasing the talent amongst the youth.

An array of art and cultural activities

To further give an impetus to the art and culture in the state, the DCR is organizing the first-ever Delphic Games of Rajasthan. To be held from 9 February to 12 February at Jawahar Kala Kendra in Jaipur, the event will feature a multitude of activities such as cultural competitions in music, dance and photography, an art camp, craft demonstrations, interactive seminars as well as talk shows.

Sharing more details about the event, President, Delphic Council of Rajasthan, Sreya Guha said: "Since we are a huge country with diverse cultural traditions, the Indian Delphic Council is setting up state chapters. Rajasthan was the first State Council to be set up in July 2021 and it is a matter of great pride that the state will also be the first to hold the Regional Delphic Games which so far have been held only at international level. We will showcase the six art forms that the Delphic Movement stands for – Musical Arts & Sounds, Performing Arts & Acrobatics, Language Arts & Elocution, Visual Arts & Handicrafts, Social Arts & Communications and Ecological Arts & Architecture."

The Games will open with 'Nrityadhara' – a presentation by renowned Odissi dancer Padmashree, Ranjana Gauhar. Over the course of the next 3 days, there will be symposiums on various topics such as Dhruvpad, Media & Communication for Heritage Conservation and The Fabric of Folk Tradition. There will also be an art camp, Photo Exhibition as well as music and dance competitions etc. The event will conclude with a performance by eminent kathak exponent, Chetan Kumar Javda & Group.

Actively Promoting Art and Culture

It is worth noting that the Delphic Council of Rajasthan has been actively promoting art and culture in the state of Rajasthan through its initiatives. One such effort is the weekly online shows called Delphic Dialogue, which organizes insightful conversations with artists and experts from diverse fields. The DCR has successfully established its presence in the art and cultural sphere of Rajasthan through these online events.

With the easing of Covid-19 restrictions, the DCR has taken further steps to enhance the promotion of art and culture by organizing physical events. These events are of high quality and showcase the talented artists and cultural performers of the state. By hosting such events, the DCR aims to provide a platform for artists and cultural enthusiasts, especially the youth to connect and share their passion and skills.

When: 9 February to 12 February
Where: Jawahar Kala Kendra
Entry: Free and open to all

He identified Tura in Meghalaya to set up training camps alongside the Border Security Force (BSF); thereby forming the nucleus of the "Mukti Bahini" or Liberation Army. He worked out a practical syllabus of four weeks which converted the inexperienced but passionate Bangladeshis into a force the Pakistanis came to dread. They made up equipment deficiencies with their infectious patriotism. Sant divided the Mukti Bahini training into three linked parts; Small arms, field craft and explosives training; Civil administration imperatives for liberated zones and Communication training using combat radio.

Brigadier Sant Singh, MVC

Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

'Sant Sipahi'

Brigadier Sant Singh is affectionately known as 'Sant Sipahi', the 'Saint Soldier'. He was Son of AS Gill, born on 12 July 1921in a Sikh family in Panjgrain Kalan village of the erstwhile princely State of Faridkot (now Faridkot district) in Punjab to Sardar AS Gill. He did his initial schooling from the Government Middle School at Kot Kapura, walking to school for ten kms each way despite occasional encounters with wolves, and thereby developed self-confidence and fearlessness. He completed his Matriculation in the Brijendra High School and Intermediate in RSD College, Ferozepur. With no career guidance available, Sant enlisted in July 1941 as a clerk in the Faridkot State Forces Engineer Field Company, (which later merged into the Bengal Engineer Group) when World War II was in full swing.

During the Japanese siege of Imphal in March-June 1944, his Commanding Officer Lieutenant Colonel BAE Maude, recommended him for an Officers Commission. Called for an interview, after several unsuccessful attempts, he was examined by the SSB Centre, Singapore, in February 1946. He was then selected for the Short Service Regular Commission and trained at the Officers Training School, Bangalore, he was commissioned on 16 February 1947, in 1/14 Punjab Regiment and was deployed in the Northwest Frontier Province (NWFP), where he gained first-hand experience in guerrilla warfare.

On partition, with 1/14 Punjab Regiment having been allotted to Pakistan, Sant was then posted to 2 SIKH LI at Rajkot, in Gujarat in November 1947, in time for the Junagadh state operations. During the Junagarh operation in November 1947, Second Lieutenant Sant Singh, as Intelligence Officer of the Battalion, at personal risk, provided vital information about the moves of the Junagarh forces that resulted in an almost bloodless takeover, and smooth amalgamation of Junagarh into the Indian dominion. On completion of the Junagadh operations, he reported to 1 SIKH LI, and participated in operations in the Nausher-Jhanger Sector from January 1948 to April 1953. His bravery resulted in his first recommendation for the award of the MVC even though he ended up with a Mention-in-Dispatches (Gallantry).

> As a Lieutenant Colonel Sant Singh, went on to command the 5 SIKH LI from 1964-68. It was during his command that in 1965, against all possible odds, the battalion captured the most formidable, all-defying and heavily defended Chuh-i-Nar feature on Balnoi Ridge in the morning hours of 03 November 1965.

Granted Permanent Commission on 15 August 1951, Captain Sant, with just six years of service, secured a competitive vacancy for the 7th Defence Services Staff College Course at Wellington in 1953-54. He was then posted to WE Directorate, and was later Company Commander in 2 SIKH LI in Samba, J&K. After a much-desired Military Operations Directorate tenure at Army HQ, he was posted as 2IC 6 SIKH LI. He then commanded 5 SIKH LI from October 1964 to April 1968 in the Naushera-Jhangar Sector in 120 Infantry Brigade, part of 25 Infantry Division during which he was awarded the MVC for brilliant leadership at OP HILL. Post command, he was posted as Instructor Class 'A' at the Indian Military Academy (IMA) and later as General Staff Officer Grade 1 (GSO1). Appointed temporary Brigadier before the Bangladesh War in 1971, he commanded the FJ Sector, tasked to enrol, train, equip and arm nearly 1,500 Mukti Bahini guerrillas every month and direct their operational employment.

As a Lieutenant Colonel Sant Singh, went on to command the 5 SIKH LI from 1964-68. It was during his command that in 1965, against all possible odds, the battalion captured the most formidable, all-defying and heavily defended Chuh-i-Nar feature on Balnoi Ridge in the morning hours of 03 November 1965. Chuh-i-Nar, the most dominating feature, is located south-west of the Mendaha-Balnoi road in the Poonch sector. It was used as a border post by the Indian troops till 1956. Thereafter, it remained unoccupied. On 10 August 1965, it was discovered that the Pakistanis had not only occupied but also developed it into a strongly-defended area. An attempt was made to get the post vacated through the good offices of the UN observers as the ceasefire was in force since 22 September.

The feature dominated the LoC between Bhimber Gali, Mendhar and Balnoi and its occupation by the Pakistan army would result in total isolation of Balnoi from Mendhar and Krishna Ghati. Therefore, Chuh-i-Nar had to be captured at any cost. Since this would be a major ceasefire violation, there was the risk of restarting the war. But seeing the importance of the feature, the recourse to war was considered acceptable. Attempts by earlier two battalions of Poonch-based 93 Brigade to dislodge the enemy from Chuh-i-Nar had not succeeded. The attacks and counter-attacks, partial successes and failures commenced in early October 1965 and continued for over a month, with the casualties mounting and no end result. Finally, in the first week of November, the seemingly impossible task of capturing Chuh-i-Nar was handed down to 5 SIKH LI.

On 02 November, on receiving the 10th Guru's holy verse "Nischay Kar Apni Jeet Karoon" from Lieutenant General Harbaksh Singh, the Army Commander, the battalion commenced advance to the Forming Up Place (FUP) with its Commanding Officer, Lt Col Sant Singh, in the lead. Under the dynamic leadership of their CO, famous for leading the battalion always from the front during attacks, the Panjvin (5th) did what the Sikh Light Infantry is known for: 'fateh' at any cost. The Indian post on the Balnoi Ridge, occupied by Pakistanis and named Chuh-i-Nar, was recaptured by 5 SIKH LI and the feature was named 'OP Hill'.

During the Bangladesh Liberation War, Brigadier Sant Singh's yeoman efforts for creating the Mukti Bahini, will be long remembered. 'Op Searchlight' was a genocide perpetrated by the West Pakistanis against their own citizens accounting for three million Bangladeshis dead and two lakh women raped, as per a 2019 UN General Assembly statement by the Bangladesh Prime Minister. The carnage reached its climax in mid-May 1971. As Commander FJ Sector, Sant was called to Headquarters (HQ) Eastern Command on 03 May 1971, and briefed about the need to create a cohesive Bangladeshi force to defeat the Pakistan Army in concert with India's Armed Forces.

He identified Tura in Meghalaya to set up training camps alongside the Border Security Force (BSF); thereby forming the nucleus of the "Mukti Bahini" or Liberation Army. He worked out a practical syllabus of four weeks which converted the inexperienced but passionate Bangladeshis into a force the Pakistanis came to dread. They made up equipment deficiencies with their infectious patriotism. Sant divided the Mukti Bahini training into three linked parts; Small arms, field craft and explosives training; Civil administration imperatives for liberated zones and Communication training using combat radio.

Mid-November 1971 onwards, the Mukti Bahini guerrillas carried out sabotage activities on Pakistani lines of communication, blasting bridges/culverts, uprooting railway tracks, thereby forcing the Pakistanis to their increasingly cut-off bases, particularly in the Mymensingh area. For the Indian Air Force (IAF), Sant managed detailed intelligence information about Pakistani air bases, formation's/units/weapon identification, infrastructure, topography and terrain details. The Dhaka air bases' technical information was of great operational use for the HQ Eastern Army and Air Commands. Sant shared the privations of his men in FJ Sector, living and operating from a small tent in Tura.

When war broke out on 03 December, this amazingly gifted officer commanding an Ad Hoc Sector did operational wonders with improvisation and tactical acumen. He had just one regular infantry battalion besides the Mukti Bahini and BSF but crossed three rivers, despite their bridges being blasted, to capture Mymensingh, thus, helping to disintegrate the enemy 93 Infantry Brigade as a fighting entity in concert with own 95 Infantry Brigade.

> During the Bangladesh Liberation War, Brigadier Sant Singh's yeoman efforts for creating the Mukti Bahini, will be long remembered. 'Op Searchlight' was a genocide perpetrated by the West Pakistanis against their own citizens accounting for three million Bangladeshis dead as per a 2019 UN General Assembly statement by the Bangladesh Prime Minister.

Brig Sant Singh (then Lt Col) receives the MVC from former President of India, Dr S Radhakrishnan, after the Indo-Pak War 1965.

Seeing an opportunity, Brigadier Sant advanced to Madhupur, 50 km south of Mymensingh, sensing that fellow formation, 95 Infantry Brigade Group was held up at Jamalpur. With no transport allotted, Sant improvised with local resources, himself using a bicycle to exercise command. Brigadier Sant Singh, MVC, while commanding an Eastern Front sector, achieved outstanding success with a mixed force, moving 38 miles (60.8 km) almost entirely on foot, to secure Mymensingh and Madhupur in eight days. Despite intense opposition from the enemy, he cleared highly defended positions at several points during the advance. Brig Sant Singh personally led and supervised the men throughout these operations, exposing himself to enemy MMG fire and shelling. His personal heroism, leadership, efficient handling of meagre resources, daring, improvisation, and maximal use of local resources were responsible for the successful and swift advance against a considerably greater adversary in well-prepared defensive positions. Throughout, Brigadier Sant Singh exhibited remarkable valour and inspired leadership in keeping with the Army's greatest traditions.

He was awarded a second MVC for the capture of Mymensingh and Madhupur. In 1972, Sant became a substantive Brigadier, commanding 68 Infantry Brigade as part of 15 Corps. Post retirement in 1973, he was seconded to the BSF and had several tenures as Deputy Inspector General (DIG). In 1984, Brigadier Sant Singh Sant, settled down in Chandigarh. He and likeminded veterans set up an The All-India Association of gallantry awardees Non-Governmental Organisation called 'The War Decorated of India in which he served three tenures as President. He was also President of the Indian Ex-Services League, Chandigarh, from 1987 onward, besides holding eminent civic positions. Serving the ex-servicemen was his lifelong passion, committing his time, money and life towards promoting their cause and pushing their cases forward above all else.

He held that honesty, integrity, loyalty, compassion and trust were non-negotiable values; showing the right way himself. A lifelong teetotaler, he never got visibly angry but ensured his feelings were conveyed without abuse or recrimination. He had a fabulous memory for the faces and incidents he encountered in the wars. A deeply religious man, "Deh Shiva Varmohe" and "Jo Bole So Nihal" were his favourite quotes as he lived his life like the saint-soldier that he was in word and deed.He lived up to the SIKH LI Regimental motto of'Deg Tegh Fateh', meaning prosperity in peace and victory in war.

writetoarbit@rashtradoot.com

Brigadier Sant Singh.

The Bar to MVC from President VV Giri after the 1971 war.

#AROUND-D-WORLD

Most Beautiful Hiking Trails

Hiking these beautiful trails can turn out to be one of the most exciting moments a person will ever have.

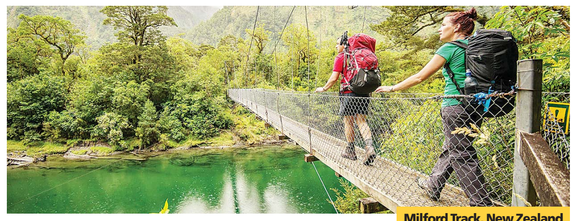

Milford Track, New Zealand

One of the best ways to enjoy nature is by taking a hike and there are plenty of hiking trails around the world that have been created to meet the needs of different adventurers. Whether one seeks extreme difficulty or extremely long distance, there are trails that would fit into every adventurer's bucket list, including those seeking scenery.

For adventurers that fall into the category of those seeking scenery, here are some of the world's most beautiful hiking trails that are worth exploring in 2023.

The Inca Trail, Peru

The Inca Trail appeals to the world with many attributes. It is historic, thrilling, and also incredibly beautiful. The trail leads hikers through Andean mountain paths all the way to Machu Picchu - the world-famous Inca site that has become the most popular creation of the Inca Empire. The Inca Trail is considered difficult because of the elevation gain, and distance hikers have to cover. It takes between 3 and 4 days to complete this hike, but despite the difficulty, every step taken here is worth it, as there are plenty of interesting things to see along the way.

Kalalau Trail, Hawaii, United States

Many people skip the beauty of Kalalau Trail and focus more on the difficulty. But this trail, despite being one of the most difficult and dangerous hikes in the US, still comes with plenty of scenery. Located in Kauai, this thrilling 11-mile trail takes one through the incredible Napali Coast, where there will be sights of beautiful beaches, dense forest areas, waterfalls, and stunning cliffs.

For most of the hike, there will be incredible views of the coast which means plenty of opportunities for nature photography.

The Narrows, Utah, United States

The Narrows is a unique 2-mile round trip hike in Utah's Zion National Park that takes hikers through a beautiful canyon. Besides the incredible canyon views, one other unique thing about the narrows is that hikers will be ankle-deep, knee-deep, and sometimes shoulder-deep in the Virgin River while walking the distance. This makes the hike both beautiful and refreshing.

Rio Celeste Hike, Costa Rica

Costa Rica is an amazing place for all things adventures, from white-water rafting to surfing. It is also a great place for hiking, and although there are plenty of trails in the country, Rio Celeste Hike is absolutely unique and beautiful. This hike is a mere 2 miles long, but it is exciting as it leads to the Rio Celeste Waterfall, which is characterized by a charming blue colour. The surrounding dense forest and the cool, fresh air and scenery it brings also combine to make this experience unforgettable.

Samaria Gorge, Greece

The trail at Samaria Gorge stretches for 10 miles through the canyon and graces hikers with majestic views of a scenic river and towering rocks carpeted with plants and flowers. Being one of the largest in Europe, this gorge is a sight to behold, and hiking it is an opportunity to be amid millions of years of geological history.

One can find this hike on the Island of Crete, and spring is one of the best times to hike through the gorge as the flowers and plants are more beautiful during this period.

Besides the incredible views, doing this hike is an opportunity to ponder on the interesting myths associated with Crete, including - King Minos and the Minotaur and the birth of Apollo and Artemis.

Skyline Trail, Nova Scotia

Canada has some awe-inspiring trails, but Skyline Trail is one of the most beautiful. This coastal hike located in Cape Breton Highlands National Park stretches for 4 miles on a cliff and overlooks some of the area's spectacular scenery. Throughout the adventures, hikers can expect to the presented with mesmerizing views of the ocean and mountains.

Great Ocean Walk, Australia

The Great Ocean Road is a highly sought-after attraction in Australia, and one of the best ways to enjoy it is by hiking along its 60 miles path. Such a long distance requires that one spends between 6 and 8 days on the adventure as there are plenty of things to see and do.

On the Great Ocean Walk, hikers will be taken through dense forest areas and presented with incredible uninterrupted views of the ocean and the cliffs. This hike is an opportunity to see the popular Twelve Apostles and a wide variety of wildlife, including birds and reptiles.

THE WALL

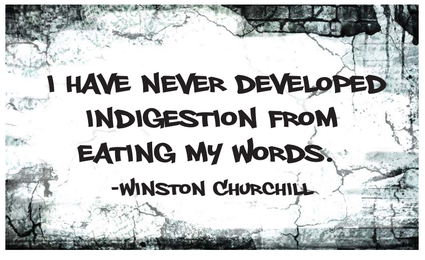

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

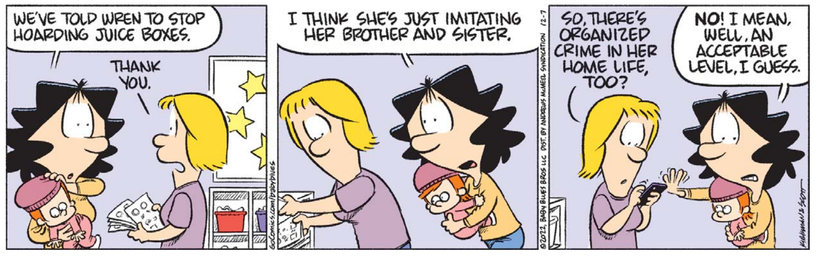

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

ए.टी.एम. मशीन को पिकअप से बांध उखाड़ कर ले गये बदमाश, पुलिस ने तीन को दबोचा

इस वारदात को सात बदमाशों द्वारा मात्र 10 मिनट में अंजाम दिया गया था

सिकंदरा/जयपुर, (निस)। दौसा ज़िले के थाना सिकंदरा की स्पेशल टीम ने जयपुर ग्रामीण जिले के बगरू स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम मशीन को पिकअप से बांध उखाड़ कर ले जाने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को 3 घंटे के अंदर नाकाबंदी कर पकड़ लिया। बदमाशों के पास मिली फर्जी नंबर प्लेट लगी पिकअप से एटीएम मशीन, घटना में प्रयुक्त औजार और 5 लीटर हथकढ़ शराब जप्त की गई है। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने इस कार्रवाई के लिए दौसा एसपी संजीव नैन कार्यवाही में शामिल टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी है। वहीं बालाहेडी, मौजपुर व बनोखर एटीएम लूट की वारदातों का भी खुलासा हुआ है।

दौसा एसपी संजीव नैन ने बताया कि बीती रात नकाबपोश बदमाश थाना बगरू क्षेत्र स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम मशीन को रस्सी के साथ पिकअप से बांध उखाड़ कर भाग गए थे। उनकी हरकतें सीसीटीवी कैमरे में रेकॉर्ड हो गई। इस वारदात को 7 बदमाशों द्वारा मात्र 10 मिनट में अंजाम दिया गया था। रेन्ज आईजी दत्ता ने किया दौसा पुलिस को अलर्ट बदमाशों की मूवमेंट दौसा की तरफ आने पर आईजी उमेश दत्ता के निर्देशन एवं सीओ दीपक मीणा के सुपरविजन तथा थानाधिकारी मनोहर लाल के नेतृत्व में थाना सिकंदरा से एक विशेष टीम गठित कर सिकंदरा चौराहे पर नाकाबंदी की गई।

पुलिस ने एटीएम, घटना में प्रयुक्त औजार सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- बदमाशों के पास मिली फर्जी नंबर प्लेट लगी पिकअप से एटीएम मशीन, घटना में प्रयुक्त औजार और पांच लीटर हथकढ़ शराब जब्त की
- बालाहेडी, मौजपुर व बनोखर एटीएम लूट की वारदातों का भी हुआ खुलासा

थानाधिकारी मनोहर लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सिकंदरा चौराहे पर नाकाबंदी में दौसा की तरफ से तेज गति से आ रही संदिग्ध पिकअप को घेरकर रुकवाया गया। फर्जी नंबर प्लेट लगी पिकअप से बैंक ऑफ बड़ौदा की एटीएम मशीन घटना में प्रयुक्त दो सब्बल, एक रस्सा, एटीएम को ढकने में उपयोग ली गई रजाई तथा पिकअप के अंदर से 5 लीटर हथकढ़ शराब मिली। पुलिस ने पिकअप सवार बदमाश लोकेंद्र सिंह राजपूत पुत्र भूपेंद्र उर्फ भागीरथ (27) निवासी खड़गपुर थाना रैणी जिला अलवर, गणेश चौधरी पुत्र रामरतन (28) निवासी चोरू थाना फागी जयपुर ग्रामीण एवं हितेश सैनी पुत्र गिरधारी लाल (20) निवासी बध का बास थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर को गिरफ्तार किया है। गणेश चौधरी के विरुद्ध पूर्व में वाहन चोरी व अन्य चोरी के करीब 20 मुकदमे दर्ज है। लोकेंद्र सिंह राजपूत थाना रैणी का हिस्ट्रीशीटर है, इसके विरुद्ध वाहन व अन्य चोरी के 22 प्रकरण दर्ज हुए हैं।

पोक्सो के आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा में किया आत्महत्या का प्रयास

युवक ने शौचालय में किसी नुकीली वस्तु से स्वयं के गले पर चोटे पहुंचाई

बांसवाड़ा, (निसं)। पोक्सो के आरोपी युवक ने पुलिस अभिरक्षा में आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने तत्काल घायल युवक को चिकित्सालय पहुंचाया जहां टांके लेने के कुछ घंटों बाद उसे छुट्टी दे दी गयी।

पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि थाना राजतालाब पुलिस ने पोक्सो एक्ट में विमल पुत्र गणेश आमलिया उम्र 25 वर्ष निवासी लोधा को गिरफ्तार किया था। 31 जनवरी से वह पुलिस रिमांड पर था। सुबह युवक ने शौचालय में किसी नुकीली वस्तु से स्वयं के गले पर चोटे पहुंचा कर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने उसे तत्काल महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया।

- पुलिस ने तत्काल घायल युवक को चिकित्सालय पहुंचाया

जहां युवक के गले पर टांके लिये गये और तबियत सामान्य होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया। बाद में पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड़ चिकित्सालय पहुंचे और घटना की जानकारी ली। आत्महत्या का प्रयास करने वाले युवक को थाने में लाया गया और बाद में उसे न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिये। राठौड़ ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध अभिरक्षा में आत्महत्या का प्रयास करने पर थानाधिकारी ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसके अनुसंधान का जिम्मा कोतवाली थानाधिकारी को दिया गया है।

स्वयं को चोट पहुंचाकर आत्महत्या करने के प्रयास करने के मामले की जांच वृत्ताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ कर रहे हैं। इधर घायल युवक के परिजनों ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं दी गयी वे तो अपने पुत्र से मिलने के लिये राजतालाब थाने पर आये थे तब उन्हें इसकी जानकारी मिली।

पति की मौत को लेकर पत्नी पर ही हत्या का आरोप लगाया

हिण्डौन सिटी में लोगों ने किया थाने का घेराव, गिरफ्तारी की रखी मांग

हिण्डौनसिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में 24 जनवरी को खेम सिंह की संदिग्ध मौत को लेकर गुरुवार को थाना परिसर के बाहर वार्डवासियों ने हंगामा कर दिया। इस दौरान थाने में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष पहुंचे और मृतक की पत्नी और एक अन्य व्यक्ति पर ही हत्या का आरोप लगाकर गिरफ्तारी की मांग की है। खेमसिंह की मौत के बाद उसकी पत्नी सावित्री ने थाने में मामला दर्ज कराया था। जबकि मृतक के सगे भाई गोपाल, विजय महावर समेत सैकड़ों महिलाओं ने मृतक की पत्नी और एक अन्य संदिग्ध पर ही हत्या का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इस दौरान प्रदर्शन कर रही महिलाएं अपने साथ मृतक की पत्नी और उसका नाबालिग बेटी को साथ लेकर थाने पहुंची। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे वार्डवासियों ने मृतक पत्नी को पुलिस को सौंप दिया। थाने के मुख्य प्रवेश द्वार को घेरकर लोगों ने कई घंटों तक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुखदेवपुरा कॉलोनी से गोपाल महावर, सुनीता महावर, विजय, राजू, पारस, पुष्पा समेत कई लोग मौजूद रहे।

- मृतक की पत्नी और बेटी को साथ लेकर थाने पहुंची महिलाएं

थाना प्रभारी रामरूप मीना ने बताया पोस्टमार्टम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगा। पुलिस ने मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की है। पुलिस ने मामले में संदिग्ध महिला से भी पूछताछ की है। प्रदर्शनकारियों के साथ थाना प्रभारी रामरूप मीना ने समझाइश कर बताया कि मामले में किसी भी निर्दोष को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। इसके बाद महिलाएं वापस लौट गई।

तीन बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं.)। सुखेर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान कार में सवार तीन बदमाशों से दो पिस्टल, एक 12 बोर मय 14 जिंदा कारतूस जब्त कर तीनों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधधीक्षक चन्द्रशील ठाकुर, सहायक पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में गठित दल ने तलाशी अभियान के दौरान मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर अमरख महादेव के आगे फूलो की घाटी रोड़ पर संदिग्ध कार की तलाशी ली। जिसमें दलपतसिंह पुत्र रणसिंह निवासी बडी हॉस्पीटल के पिछे अम्बामाता, अनिल पुत्र किशनलाल निवासी सेमटाल गोगुन्दा तथा भंवरसिंह पुत्र देवीसिंह निवासी निकोर सायरा बैठे थे।

- दो पिस्टल, एक 12 बोर मय 14 जिंदा कारतूस जब्त

इस पर तलाशी ली तो कार में बैठे आरोपियों के कब्जे से एक 12 बोर बंदूक, मय 5 जिंदा कारतूस, दो पिस्टल मय 9 जिंदा कारतूस मिले। इस पुलिस ने तीनो को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से हथियार मय कार जब्त कर प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरू की।

जे.ई.ई.-मेन-2023-एन.आई.टी. अलॉटमैंट में हजारों स्टूडेंट्स की सीटें हो सकती है निरस्त!

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की आयोजक संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा की गई एक छोटी सी गलती हजारों स्टूडेंट्स पर भारी पड़ने वाली है। इस समस्या से हजारों स्टूडेंट्स का सामना काउंसलिंग के दौरान एनआईटी के लिए होने वाली सीट आवंटन में होगा। यह गलती जेईई-मेन के आवेदन के दौरान पूछे गए स्टेट ऑफ इलेजिब्लिटी की जगह स्टेट ऑफ रेजीडेंस से जुड़ी हुई है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि एनटीए द्वारा जेईई-मेन के लिए इस वर्ष हुई आवेदन प्रक्रिया में एक बड़ी गलती की गई। आवेदन के दौरान स्टेट ऑफ इलेजिब्लिटी की जगह स्टेट ऑफ रेजीडेंस पूछा गया। इसमें स्टूडेंट्स ने उस स्टेट का नाम दिया, जिस स्टेट के वे निवासी हैं, जबकि एनटीए को इस कॉलम में उस स्टेट की डिटेल पूछनी थी, जिस स्टेट से स्टूडेंट्स ने अपनी 12वीं की परीक्षा दी है या देने वाले हैं, क्योंकि इस जानकारी के आधार पर ही स्टूडेंट्स को उस विशेष स्टेट की एनआईटी में होम स्टेट कोटे 50 प्रतिशत सीटों पर एडमिशन में वरीयता दी जाती है। देश के 32 एनआईटी में करीब 26 हजार सीटें हैं, उनमें से 13 हजार सीटों पर प्रवेश होम स्टेट कोटे से दिया जाता है और शेष 13 हजार सीटों पर अदर स्टेट कोटे से एडमिशन दिया जाता है।

आहूजा ने बताया कि आवेदन के दौरान मांगें गए स्टेट ऑफ रेजीडेंस की जानकारी के आधार पर ही स्टूडेंट्स का जेईई मेन का एडमिट कार्ड जारी किया गया। इस कॉलम में भरे गए स्टेट ऑफ रेजीडेंस को स्टेट ऑफ इलेजिब्लिटी का स्टेट मान लिया गया। इस वजह से अब उन हजारों स्टूडेंट्स का भविष्य खतरे में आ गया है, जिन्होंने आवेदन के दौरान स्टेट ऑफ रेजीडेंस वाले कॉलम में अपना निवास का स्टेट भर दिया, जबकि उन्होंने 12वीं की परीक्षा अन्य किसी दूसरे राज्य से उत्तीर्ण की है या इसकी पढ़ाई कर रहे हैं।

बमों को सेना की टीम ने डिफ्यूज किया

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाना क्षेत्र में जनवरी माह में दो अलग-अलग स्थानों पर मिले जिंदा बमों को डिफ्यूज कर दिया गया। सेना की साधुवाली से पहुंची बम निरोधक टीम ने जैसे ही दोनों बमों को डेटोनेटर के जरिये ब्लास्ट करवाया तो हवा में कई फीट ऊंचा रेत का गुबार उठ गया। सिटी थाना के एसएचओ कृष्ण कुमार ने बताया कि 5 जनवरी को थाना क्षेत्र के राजपुरा पीपेरन गांव की रोही में किसान लालचंद पुत्र अंतराम स्वामी के खेत में बम मिला था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बम के चारों ओर मिट्टी के कट्टे लगवाकर उसे निगरानी में लिया था। इसके बाद 15 जनवरी को भी पुलिस को मानकसर क्षेत्र में एनएच-62 पर बने फ्लाईओवर के समीप झाड़ियों में बमनुमा वस्तु देखे जाने की ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली।

सांसद कस्वां ने लोकसभा में उठाया खरीफ फसल-2021 के बीमा क्लेम का मुद्दा

सादुलपुर, (निसं)। बजट सत्र दौरान सांसद राहुल कस्वां ने फसल बीमा योजना के अंतर्गत चूरू व हनुमानगढ जिले के नोहर, भादरा व रावतसर के खरीफ-2021 के बीमा क्लेम का मुद्दा उठाते हुए सम्पूर्ण तथ्यात्मक जानकारी सदन के साथ साझा की।

- सांसद कस्वां ने कहा कि बीमा कम्पनी की अपील पर राज्य सरकार की एसटीएसी कमेटी ने अलग- अलग जिलों में खरीफ 2021 फसल बीमा क्लेम में दोहरा मापदण्ड अपनाया है

सांसद कस्वां ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ-2021 के बीमा क्लेम में चूरू जिले के किसानों के साथ प्रदेश सरकार की नाक के नीचे घोर अन्याय हुआ है। बीमा कम्पनी की अपील पर राज्य सरकार की एसटीएसी कमेटी ने अलग- अलग जिलों में खरीफ 2021 फसल बीमा क्लेम में दोहरा मापदण्ड अपनाया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बारां व हनुमानगढ जिले का खरीफ-2021 का बीमा क्लेम (केस बाय केस) जहाँ क्रॉप कटिंग रिपोर्ट पर कृषि अधिकरियों के हस्ताक्षर थे, वहां क्रॉप कटिंग के आधार पर और अन्य जगहों पर क्रॉप कटिंग रिपोर्ट और सैटेलाईट आंकडों के अनुपात में दिया गया है। इसके उलट चूरू जिले में राज्य सरकार की एसटीएसी कमेटी ने एक तरफा फैसला लेते हुए सैटेलाईट आंकडों और क्रॉप कटिंग के अनुपात के आधार पर दिया गया। राज्य सरकार की एसटीएसी कमेटी के गलत फैसले के कारण किसानों हक मारा गया है।

सांसद कस्वां ने सदन के माध्यम से केन्द्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया कि चूरू संसदीय क्षेत्र के किसानों के साथ न्याय होना चाहिए। केन्द्र सरकार, राज्य की सरकार से संवाद कर चूरू जिले के सम्बन्ध में एसटीएसी कमेटी के निर्णय को रिव्यू करवाए।

इसके साथ ही सांसद कस्वां ने सदन के माध्यम से कृषि मंत्री से आग्रह किया कि संसदीय क्षेत्र के नोहर, भादरा व रावतसर में जहाँ आनुपातिक आधार पर फसल बीमा जारी हुआ है, उन पटवार मंडलों का डाटा सार्वजनिक किया जाये और राज्य सरकार की एसटीएसी कमेटी द्वारा आनुपातिक आधार पर जारी बीमा क्लेम के फैसले को रिव्यू करवाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की नियमावली के अनुसार ऊपर के लेवल यानि तहसील स्तर के क्रॉप कटिंग डाटा के अनुसार फसल बीमा जारी करवाया जाये।

तीन गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। यहां धीरे-धीरे अवैध हथियार की मंडी बनता जा रहा है। कुछ युवक बाहर से बड़ी संख्या में अवैध हथियार लाकर बीकानेर में बेच रहे हैं। कुछ रुपयों का फायदा कमाने के लिए इन हथियारों की सोशल मीडिया पर मार्केटिंग हो रही है। बीकानेर पुलिस ने इसी रिपोर्ट के आधार पर कुछ युवकों को दबोचा है, बीकानेर पुलिस अधीक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में ऐसे ही युवकों की धरपकड़ के लिए फिर से अभियान शुरू किया गया है। नयाशहर पुलिस और एसपी की डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि अनिल बिश्नोई नामक एक युवक को नामजद करते हुए मामला दर्ज किया है। पुलिस को शक है कि अनिल बिश्नोई ही बीकानेर में हथियारों की खरीद फरोख्त करता है। पुलिस ने जिन तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

कार-बस की भिड़ंत में मां-बेटे की मौत, तीन घायल

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर-जयपुर मार्ग पर कार और सवारी बस की आमने-सामने टक्कर में मां-बेटे की मौत हो गई। जबकि बेटे की पत्नी और बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पीबीएम अस्पताल के लिए रैफर किया गया है। यह हादसा श्रीडूंगरगढ़ के पास कीतासर में हुआ है। गुरूवार दोपहर बाद कितासर के पास बस व कार आमने सामने टकरा गई। कार में पांच जने सवार थे। इसमें राणासर गांव में वीरेंद्र उर्फ सुभाष हुड्डा अपनी मां परमेश्वरी, पत्नी सरस्वती और बेटा-बेटी के साथ थे। सरस्वती यहां एक सरकारी स्कूल में टीचर है।

हादसे में वीरेंद्र की कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वो और उसकी मां दोनों आगे बैठे थे, जिनकी मौके पर ही वीरेंद्र हुड्डा और परमेश्वरी की मौत हो गई। पत्नी और दो बच्चे पीछे बैठे थे, जो गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें तुरंत बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के लिए रवाना कर दिया गया है।

- घायलों को उपचार के लिए पी.बी.एम. अस्पताल भिजवाया

घटना की जानकारी मिलते ही आपणो गांव सेवा समिति के सदस्य मौके पर पहुंच गए। इन लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और पीबीएम अस्पताल के लिए भेज दिया। मृतकों को अब श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। हैड कांस्टेबल हवा सिंह सहित के आपणो गांव सेवा समिति के केशराराम गोदारा, विमल भाटी, विक्रम सिंह राठौड़ भी मौके पर पहुंचे। ये सवारी बस थी जो बीकानेर से नीम का थाना जा रही थी। वहीं कार बीकानेर से आ रही थी। कीतासर बस स्टैंड के पास ही ये हादसा हुआ। इससे पहले बुधवार को भी इसी मार्ग पर बस पलट गई थी, जिससे बस में सवार चार यात्रियों को चोट आई थी। तब घायलों को ज्यादा चोट नहीं लगी थी, लेकिन इस बार दो की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारियों की समझाइश के बाद धरना समाप्त

सपोटरा/करौली, (निसं)। गत 15 दिन पूर्व सपोटरा कस्बे में सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य के दौरान शिव मंदिर ढहने से महिला श्रद्धालु की मौत हो गई जिसको लेकर दूसरे दिन गुरुवार को सायंकाल अधिकारियों की समझाइश के बाद धरना समाप्त हो गया।

- मृतक के पुत्र ने ठेकेदार व मुनीम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की बात कही

जानकारी के अनुसार गत 17 जनवरी को सपोटरा उपखंड मुख्यालय पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से नाली खुदाई का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान शिव मंदिर का गुंबद ढहने से एक महिला की मौके पर ही मृत्यु हो गई वही एक महिला और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें से घायल महिला कांति देवी ने 15 दिन जयपुर एसएमएस अस्पताल में उपचार लेकर 16 वे दिन दम तोड़ दिया। कांति देवी का शव सपोटरा पहुंचते ही लोगों में शोक की लहर दौड़ गई और बुधवार को कस्बे के बाजार दिनभर बंद रहे और धरना दे रहे लोगों और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई जो बेनतीजा साबित हुई। गुरुवार को दूसरे दिन भी कस्बे के बाजार बंद रहे। धरना देकर बैठे जांगिड समाज के लोगों और भाजपा पदाधिकारियों सहित परिजनों के बीच करौली से अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जैफ सहित सपोटरा उपखंड का पुलिस और प्रशासन पहुंचा। जहां मृतक के पुत्र ने ठेकेदार और मुनीम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की बात कहते हुए कहा कि मुझे मुआवजा की राशि से कोई मतलब नहीं मुझे तो दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही चाहिए जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने समझाइश करते हुए कहा कि एक मुकदमे की दो एफआईआर नहीं हो सकती। उसी में इसे भी शामिल कर लिया जाएगा वही जांच पूरी तरह से निष्पक्ष होगी और दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से निर्धारित प्रावधान के दौरान मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिस पर परिवार जन और समाज सहित भाजपा के नेता मान गए। भाजपा जिलाध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने कहा कि मामले की पूरी तरह से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। धरना समाप्त होने के बाद मृतका कांति देवी के शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

दीवार गिरने से श्रमिक की मौत

नदबई, (निसं)। नदबई क्षेत्र के गांव बहरामदा में एक छप्परपोश मकान पर लगी टिनशेड को हटाने दौरान अचानक दीवार गिरने के चलते एक श्रमिक नीचे दब गया। समीपवर्ती लोगों ने घायल श्रमिक को सीएचसी पर भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने श्रमिक को मृत घोषित कर दिया।

घटना से गुस्साएं मृतक युवक के परिजन हत्या करने का आरोप लगाते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। सूचना पर थाना प्रभारी रामअवतार मीणा ने शव का पोस्टमार्टम कराते हुए मृतक युवक के परिजनों से समझाइश करने का प्रयास किया। लेकिन, मृतक के परिजन आरोपी गिरफ्तार करने की मांग करते हुए शव नहीं लेने की जिद पर अड़ गए। बाद में पुलिस सीओ नीतिराज सिंह के मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच करते हुए कार्रवाई करने के आश्वासन पर करीब चार घण्टे बाद परिजनों ने युवक का शव लिया। उधर, मामले में लालपुर निवासी मृतक युवक के बृजकिशोर जाटव पुत्र रमेश जाटव ने मजदूरी के पैसे मांगने पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए बहरामदा निवासी विजय सिंह के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस के अनुसार लालपुर निवासी मृतक युवक सतीश जाटव गांव बहरामदा में छप्पर पर लगी टिनशेड खोल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी की दीवार गिर गई। दीवान नीचे गिरने के चलते युवक घायल हो गया। बाद में युवक की मौत हो गई।

निलबंन आदेश रद्द करने की मांग को लेकर संयुक्त कर्मचारी संघ ने प्रदर्शन किया

सुजानगढ़, (निसं)। छात्र रज्जाक की आत्महत्या के मामले में राजकीय पी.सी.बी स्कूल के प्रधानाध्यापक, उप प्रधानाध्यापक व दो महिला व्याख्याओं को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा बिना जांच किये निलम्बन करने पर संयुक्त कर्मचारी संघ के बैनर तले गुरूवार शाम को शिक्षकों सहित अन्य कर्मचारियों ने उपखण्ड कार्यालय के सामने जबरदस्त प्रदर्शन किया।

एन.के.लोहिया स्टेडियम में एकत्रित हुए शिक्षकों व अन्य विभागों के प्रकरण की बिना जांच निलबंन आदेश की निंदा करते हुए उपखण्ड कार्यालय की और कूच किया। कूच के दौरान सदर थाने के सामने कर्मचारियों को डीवाईएसपी रामप्रताप विश्नोई व अन्य पुलिस बल ने कर्मचारियों को उपखण्ड कार्यालय की और रोकने का प्रयास किया। जिस पर शिक्षक नेता गुरूदेव गोदारा, रामचंद्र गोदारा, बनवारी कुल्हरी, भंवरलाल पाण्डर सहित महिला शिक्षकों ने पुलिस द्वारा रोकने पर विरोध जताते हुए पुलिसबल को धकेलते हुए उपखण्ड अधिकारी कार्यालय की और बढ गये। यहां पर सम्बोधित करते हुए व्याख्याता महावीर प्रजापत ने कहा कि जांच पूर्ण होने से पहले विभाग के अधिकारियों ने प्रेशर के कारण निलम्बन जैसा बडा कदम उठाकर शिक्षकों को दण्डित किया है। प्रजापत ने बहाली के आदेश नही आने तक संयुक्त कर्मचारी संघ का धरना उपखण्ड कार्यालय पर जारी रखने की चेतावनी दी। इसके बाद ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष जीवणराम नेहरा ने निलबंन आदेश की निंदा की। नेहरा ने कहा कि सभी विभागों के कर्मचारी एकजुट है। शिक्षकों की बहाली नही होने तक आंदोलन जारी रहेगा। वंही दूसरी और मृतक छात्र के परिजनों व अल्पसंख्यक समाज के लोगों का भी उपखण्ड पर बर्खास्त करने व गिरफ्तार करने की मांग को लेकर धरना जारी रहा।

संयुक्त कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर उपखण्ड कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

- छात्र रज्जाक की आत्महत्या के मामले में प्रधानाध्यापक, उप प्रधानाध्यापक व दो महिला व्याख्याओं को बिना जांच किये निलम्बन करने का मामला

शिक्षकों के समर्थन संयुक्त कर्मचारी संघ के बैनर तले बनी संघर्ष समिति के 15 सदस्यों द्वारा उपखण्ड अधिकारी को शिक्षकों को बहाल करने का ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही व्याख्याता कुसूम शर्मा ने कहा कि इस प्रकरण में मृतक छात्र रज्जाक के भी स्कूल रिकॉर्ड की जांच व मृतक छात्र द्वारा लिखे गये सुसाइड नोट की एफएसल जांच करवाने की मांग की। गुरूदेव गोदारा ने उपखण्ड अधिकारी को चेतावनी देते हुये कहा कि अगर शिक्षकों को अगर बहाल नही किया गया तो राजस्थान की समस्त स्कूलें बंद करवायी जायेगी।

नर्सेज यूनियन के जिलाध्यक्ष राजेश गौड ने कहा कि कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय को बर्दाश्त नही किया जायेगा। शिक्षकों के समर्थन में जिला स्तर पर आंदोलन होगा। धर्मसिंह मीणा ने कहा कि शिक्षकों का काम बच्चों को अनुशासित करने का है। शिक्षक समाज के आदर्श होते है। और उन्हें दबाव में आकर इस तरह दण्डित करना अन्याय है।

इस मौके पर निलम्बित शिक्षकों के समर्थन में आये कर्मचारियों ने सुसाइड करने वाले छात्र रज्जाक को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। शिक्षकों ने कहा कि अगर जांच में स्कूल के शिक्षक दोषी पाये जाते है, तो कर्मचारी यूनियन का पक्ष नही लेगी। लेकिन बिना जांच संस्पेड करना संवैधानिक अधिकार नही है।

केंद्रीय बजट में तमाम वर्गों का पर ध्यान दिया गया : डॉ.पूनियां

जयपुर। केन्द्रीय बजट 2023-2024 को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने विधानसभा गेट के पास पर स्थित मीडिया पोडियम पर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। सतीश पूनियां ने कहा कि, देश और दुनिया में जब

- **'केन्द्र की मोदी सरकार ने बजट में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिये बड़े प्रावधान किये'**
- **'राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत 47 लाख युवाओं को दक्ष किया जायेगा'**

विधानसभा गेट के पास भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने प्रेस को संबोधित किया।

अर्थव्यवस्था की चर्चा होती है, दुनिया के तमाम देश जिनकी अलग-अलग श्रेणियां हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन में भारत दुनिया का प्रोग्रेस प्वाइंट बना। आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है, 563 लाख करोड़ के विदेश मुद्रा बाजार के कारण इस समय विदेशी मुद्रा के मामले में चौथा नंबर का देश भारत बना है। देश में बुनियादी विकास के लिये बहुत सारी कहीं जाती थी, लेकिन यहां सामान्य इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर जो बाकी बुनियादी सुविधाएं थीं, उस पर ध्यान कम होता था, राजनीति स्लोगन से चलती थी या इमोशन से, लेकिन 2014 से 2023 के इस कालखंड में हमने देखा कि किस तरीके से अर्थव्यवस्था आम आदमी की पहुंच में आयी है।

उन्होंने कहा कि 1.25 लाख करोड़ का बजट जो किसानों के कल्याण के लिये समर्पित हुआ, इसी तरीके से 2.50 लाख करोड़ का बजट जो देश की लाइफलाइन रेलवे, उसके लिये प्रावधान करना, यह अपने आपमें मायने रखता है। देश के 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन की योजना यथावत रहेगी। मोदी सरकार के बजट में जनजाति के लिए 15 हजार करोड़ का प्रावधान है, जनजाति के स्पेसिपिक ऐसे सेगमेंट हैं जिनमें पोषण का, स्वास्थ्य का, शिक्षा का, बुनियादी विकास की इन सब चीजों की आवश्यकता है। एकलव्य स्कूल, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसमें देश के जनजाति के बच्चों को पढ़ने और आवास की सुविधा मिलती है, जिसमें 38 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती के रोजगार का सृजन होगा। एक जो बड़ी बात है वह है एमएसएमई, सब जानते हैं कि कोरोना के कालखण्ड में सबसे ज्यादा कोई प्रभावित हुआ था वह एमएसएमई हुआ था, एमएसएमई को सहूलियत देने के लिये 9 लाख करोड की क्रेडिट गारंटी और 2 लाख करोड़ की एक्सट्रा कोलेट्रल फ्री क्रेडिट, यह भारत की मोदी सरकार ने प्रावधान किया है। एक और बड़ी बात है कि, राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत 47 लाख युवाओं को दक्ष किया जायेगा, रोजागार की दिशा में उनको प्रेरित किया जायेगा। हरित हाइड्रोजन को लेकर 35 हजार करोड़ रुपये प्रावधान हुआ है, देश में 50 लाख टन उसका उत्पादन हो, बजट में इस बात का प्रावधान है। मोटे तौर पर ऐसी योजनाएं हैं, जिससे आम व्यक्ति का जीवन बदला, मध्यम वर्ग का बदला और कुछ ऐसी चीजें जिससे देश में सुरक्षा हो, स्वास्थ्य हो, चाहे शिक्षा हो, उन मानकों पर देश विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा हो, ऐसा इस बजट का भाव दिखता है। सभी तबकों का ध्यान रखा, खासतौर पर देश आत्मनिर्भर कैसे बने, जिसमें दलितों, वंचितों, महिलाओं, आम व्यक्ति को इस कल्याणकारी बजट में विशेष तवज्जो दी गई है।

'जन आक्रोश यात्रा की सफलता से पूरी कांग्रेस सरकार बौखलाई हुई है'

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जन आक्रोश देखना है तो राजस्थान के गांवों, कस्बों और लोगों के बीच जाइये, जो आप, आपकी कांग्रेस सरकार के मंत्री और विधायक पिछले 4 वर्षों से जनता के पास जा नहीं रहे हैं, जिसकी वजह किसानों और युवाओं से जो वादे आपने किये थे, वो पूरे नहीं किये, जिससे प्रदेश की जनता आक्रोशित है, जिसकी वजह कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियां और वादाखिलाफी है, राजस्थान के लोगों के आक्रोश का सामना करने की आपकी सरकार में हिम्मत नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की जन आक्रोश यात्रा में पूरे राजस्थान में जनता का आक्रोश मुखरता से दिखाई दिया कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ, सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर भाजपा ने जन आक्रोश यात्रा व जनसभाओं के माध्यम से जनता की आवाज को ताकत देने का काम किया, जिस आवाज को पिछले 4 वर्षों से कांग्रेस सरकार दबा रही है। भाजपा की जन आक्रोश यात्रा की सफलता और इस यात्रा के माध्यम से प्रदेश की जनता के सभी जनहित के मुद्दों को उठाने से मुख्यमंत्री और पूरी कांग्रेस सरकार बौखलाई हुई है, युवाओं, किसानों और माता-बहनों के सवालों के जवाब इनके पास नहीं है और जनता के सामने जाने की भी इनकी हिम्मत नहीं है, क्योंकि सिर्फ झूठे वादे किये, किसानों-युवाओं के साथ वादाखिलाफी की और प्रदेश को अराजकता की ओर धकेल दिया, यह कांग्रेस सरकार के शासन की हकीकत है।

प्रदेश का बजट 10 फरवरी को

जयपुर, (वि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस सरकार का आखिरी बजट 19 फरवरी को पेश करेंगे। इससे पहले गहलोत ने 8 फरवरी को बजट पेश करने की घोषणा की थी।

विधानसभा में कार्यसलाहकार समिति की बैठक में 10 से 16 फरवरी तक लिये जाने वाले कार्य का बंटवारा किया गया। इसके अनुसार 10 फरवरी को बजट पेश किया जायेगा। 11 व 12 को अवकाश रहेगा। 13, 14 व 15 को आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2023-24 पर सामान्य वाद-विवाद होगा। 16 फरवरी को अनुपूरक अनुदान की मांगें वर्ष 2022-23 का उपस्थापन होगा। अनुपूरक अनुदान की मांगें वर्ष 2022-23 पर मुखबंद का प्रयोग किया जाकर मतदान, पारण और तत्संबंधी विनियोग विधेयक, 2023 का पुर:स्थापन और उस पर विचार एवं पारण किया जायेगा। वहीं आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2023-24 पर अग्रेतर सामान्य वाद-विवाद एवं राज्य सरकार की ओर से उत्तर दिया जायेगा।

अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं करने पर नोटिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में एनजीओ के जरिए संविदा पर कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर को अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव व निदेशक और सीएमएचओ जयपुर-प्रथम व द्वितीय सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने उनसे पूछा है कि क्यों ना उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश नरेन्द्र रैगर व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि चिकित्सा विभाग हाल ही में नर्सिंग अधिकारी की भर्ती निकाली है। इसमें चिकित्सा विभाग की विभिन्न योजनाओं में संविदा पर काम करने वाले नर्सिंग ऑफिसर को एक साल के लिए दस अंक व तीन साल के अधिकतम तीस बोनस अंक का लाभ दिया जा रहा है। प्रार्थी भी एनजीओ के जरिए काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें चिकित्सा अधिकारियों ने अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किया। जिस पर हाईकोर्ट ने 19 दिसंबर 2022 को उनकी याचिका पर विभाग को उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश दिए थे, लेकिन अदालती आदेश के बाद भी उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए। ऐसे में अदालती आदेश की पालना कराई जाए और दोषी अफसरों को अवमानना के लिए दंडित किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

'एक भी स्मार्ट फोन चिरंजीवी लाभार्थियों को नहीं दिया गया'

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक कालीचरण सराफ ने चिरंजीवी लाभार्थियों को स्मार्ट फोन दिये जाने का माममला उठाया। इस ना सरकार की ओर से मंत्री बी.डी.कल्ला ने कहा कि अभी तक एक भी लाभार्थी को स्मार्ट फोन नहीं दिया गया है।

- **विधानसभा में मंत्री बी.डी.कल्ला ने विधायक कालीचरण सराफ के प्रश्न के जवाब में यह माना**

उन्होंने कहा कि महिलाओं को मुफ्त स्मार्ट फोन देने की योजना बंद नहीं की है, यह अंडर प्रोसेस है। राजस्थान सरकार ने 2022 के बजट में मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना शुरू करने की घोषणा की है। इसमें लगभग एक करोड़ 33 लाख चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को तीन साल के इंटरनेट एक्सेस के साथ मुफ्त स्मार्ट फोन दिए जाने हैं। कल्ला ने कहा कि मुफ्त स्मार्टफोन योजना के लिए बजट में पहले 1200 करोड़ और फिर 3400 करोड़ का प्रावधान किया गया। अभी भी 2600 करोड़ का बजट प्रावधान किया हुआ है। इसका काम प्रक्रिया में है।

इस पर नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले बजट की घोषणा का अब तक अता-पता नहीं है। सरकार की मंशा क्या है? इस पर मंत्री कल्ला ने कहा कि योजना बंद नहीं की है। प्रक्रिया में समय लगता है। अभी इंटरनेशनल बाजार में सेमीकंडक्टर की कमी चल रही है। अभी केंद्र सरकार ने भी मोबाइल के टैक्स में बदलाव किया है।

दुष्कर्म करने वाले को सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त संजय कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 24 वर्षीय इस अभियुक्त पर तीन लाख एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

इण्डियन ओवरसीज बैंक

क्षेत्रीय कार्यालय, रिद्धी टावर, एस-बी 57, प्रथम तल, बापू नगर, टोंक रोड, जयपुर- 302015
फोन: 0141-4032705 E-Mail : 2009rogad@iob.in

इण्डियन ओवरसीज बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा बैंक के स्वामित्त्व वाले वाहन मारुति स्विफ्ट डिज़ायर वी एक्स आई (2011) और मारुति ऑल्टो के-10 (2012) हेतु बंद लिफाफे में बोली आमंत्रित की जाती है । बोली जमा कराने की अंतिम तिथि 13.02.2023 को 14:30 बजे तक
अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट विजिट करें : www.iob.in

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका, सूरतगढ
क्रमांक-5273 **लोक सूचना** दिनांक- 02.02.2023

श्री रामप्रसाद पुत्र श्री गोरीशंकर जाति अग्रवाल निवासी सूरतगढ की नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र
तह. सूरतगढ जिला श्री गंगानगर	कस्बा सूरतगढ	सूरतगढ के चक 37 पीबीएन के खाता सं. 54/50 प.नं.34/379 (26) किला नं.1 2, ,9, 10, 11,12,19, 20, 21 22 व प.नं. 34/380 (39) किला नं. 1/1, 1/4, 2/1, 2/2	कुल 1.9545 हेक्टेयर यानि 19545 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02.02.2023 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी, नगर पालिका सूरतगढ

कार्यालय तहसीलदार शाहपुरा (जयपुर)
क्रमांक-भू.अ./2023/418 **आम सूचना** दिनांक- 02.02.2023

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम शिवसिंहपुरा के खातेदार गोपाल पुत्र नाथू जाति ब्राह्मण के राजस्व रिकार्ड ग्राम शिवसिंहपुरा जमाबन्दी सम्वत 2074-77 के खाता सं. 184 पर खसरा नम्बर 565 संहित किता 7 कुल रकबा 2.97 हैक्टे. में हिस्सा 1/3 खातेदारी दर्ज रिकार्ड है। गोपाल उर्फ रामगोपाल पुत्र स्व. श्री जानकीलाल दत्तकपुत्र स्व. श्री नाथूलाल का स्वर्गवास दिनांक 25.10.2001 को हो चुका है। धवल कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री रामगोपाल जाति ब्राह्मण ने उक्त भूमि का स्वयं के शपथपत्र व मृत्यु प्रमाणपत्र की प्रति के आधार पर नामान्तरतकरण दर्ज करने का प्रार्थना पत्र पेश किया है। जिसमें गोपाल उर्फ रामगोपाल के वारिसान में गीतादेवी पत्नि गोपाल, धवल कुमार शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा पि. गोपाल उर्फ रामगोपाल, मीनादेवी पुत्री गोपाल उर्फ रामगोपाल है। उक्त प्रकरण में वारिसान के नामान्तरकरण का निस्तारण अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा किया जाना है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त वारिसान बाबत किसी भी प्रकार की आपत्ती हो तो वह दिनांक 16.02.2023 तक स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा जरिये अभिभाषक आपत्ती व साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है, उक्त दिवस के बाद की गई आपत्ती मान्य नहीं होगी। आत दिनांक 01.02.2023 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय मोहर से सार्वजनिक सूचना जारी की गई।

तहसीलदार (भू.अ.) तहसील शाहपुरा (जयपुर)

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
भण्डार विभाग ई-प्राक्योरमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या: एस/2023/04 **दिनांक: 01.02.2023**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प.रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर-302017 निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदायें www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जायेंगी।

क्र.सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1.	30232707	हैड स्टॉक कम्पलीट	48	नग	20-02-2023
2.	30223076ए	पीओएच किट ऑफ़ ब्रेक सिलिंडर	1774	सैट	21-02-2023
3.	37231603	फेस प्लेट फॉर बफर प्लंजर	2205	नग	28-02-2023
4.	30223388डी	कास्ट स्टील बोल्स्टर	46	नग	28-02-2023

संशोधन

क्र. सं.	निविदा सं.	निविदा सूचना संख्या	अल्प डिस्क्रिप्शन	अमेंडमेंट इन टेंडर क्लोजिंग डेट & मात्रा	
				एक्सटेन्डिंग डेट & मात्रा	रिवाइज्ड डेट & मात्रा
1	30221963B	एस/2023/03 दि. 25.01.2023	पीओएच किट फॉर किओ टाइप डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व	1963 सैट	1956 सैट
2	30222189	एस/2023/01 दि.10.01.2023	पैड फॉर सेकेंडरी सस्पेंशन	30.01.2023	08.02.2023
3	63STRENG04	एस/2022/36 दि. 27.12.2022	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेनूफैक्चर & सप्लाई ऑफ़ स्पेशल लाइन रिलपर्स	23.01.2023	13.02.2023

अमेंडमेंट इन आइटम डिमांड		एक्सटेन्डिंग टेंडर मात्रा	निविदा डॉक्यूमेंट	अमेंडमेंट आइटम डिस्क्रिप्शन, निविदा कंडीशन कन्साइनी नाम
एक्सटेन्डिंग आइटम डिमांड	रिवाइज्ड आइटम डिमांड	चेंज इन एक्सटेन्डिंग आइटम डिमांड मात्रा	स्पेशल कंडीशन ऑफ़ कॉन्ट्रैक्ट फॉर आरजीसी इज डिलीटेड मॉडिफाइड	माइनर चेंज इन आइटम डिस्क्रिप्शन एंड निविदा कंडीशंस, सम निविदा कंडीशंस इस एडेड/ डिलेटेड. कन्साइनी नाम इज रिवाइज्ड
01	24		स्पेशल कंडीशन ऑफ़ कॉन्ट्रैक्ट इज एडेड	

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण/ स्पेसिफिकेसन/ बयाना राशि/ निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्टर्ड करें। (2) 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जायें।

116-AC/23

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

डॉ.अशोक सिंह निदेशक होंगे

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजीव जैन के निर्देशों से राजस्थान विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के वरिष्ठ शिक्षक, डॉ.अशोक सिंह को राजस्थान विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान शोध केन्द्र के निदेशक पद पर पुन: एक वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. अशोक सिंह विगत 2 वर्ष से सामाजिक विज्ञान शोध केन्द्र के निदेशक पद पर कार्य कर रहे हैं व लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष के रुप में भी कार्य कर चुके हैं।

आदिवासी क्षेत्र के लोगों के उन्नयन के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए विभिन्न विभागों के स्तर पर समन्वित ढंग से प्रयास किए जाएं।

राज्यपाल मिश्र गुरुवार को राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र विकास योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के लोगों को गरीबी और अभावों से मुक्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए संकल्पित होकर कार्य करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में पर्यटन की विपुल संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर्यटन स्थलों का विकास कर उनके बारे में पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए तो यहां घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवक बढ़ेगी जिससे स्थानीय लोगों की आय और जीवन स्तर में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 90 प्रतिशत परिवारों को कवर किया गया है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के जिन परिवारों का अब तक भी योजना में पंजीकरण नहीं हो पाया है, उन्हें भी शीघ्र पंजीकृत कर योजना के दायरे में लाया जाए।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में अनुसूचित क्षेत्र विकास योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, भूजल एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा नियमित मॉनिटरिंग से जनजातीय क्षेत्र में विकास की गति को नए आयाम मिले हैं।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)
फोन नं. 01427-220054 E-mail: dausa.jaipur@yahoo.com
क्रमांक- न.पा.दौ/भूमि/90-ए/15009 दिनांक-02.02.2023

प्रारूप-13
नियम 13 (2) देखिए

क्रमांक-15010-15011 दिनांक-2/2/2023

लोक सूचना

अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में यह लाया गया है कि खसरा नम्बर 404/176 रकबा 0.73 हैक्टेयर ग्राम बीचलवास तहसील दौसा जिला दौसा में स्थित भूमि या उसके भाग का गैर-कृषिक आवासीय प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/ किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजथान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी हैं।

अतः उक्त भूमि हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बताये कि क्यों न उक्त भूमि के उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यो न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सकें।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2023 (वर्ष) के फरवरी (मास) के 02वे दिन को जारी की जाती है।

प्राधिकरण अधिकारी एवं आयुक्त
नगर परिषद दौसा

जी क्लब फायरिंग मामले में गैंगस्टर रितिक बॉक्सर की बहन लवीना सहित छह लोग गिरफ्तार

लवीना मोबाइल फोन से सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम और फेसबुक चलाने में सहयोग करने के साथ ही लोगों को डराने धमकाने से मिलने वाले रुपयों का खुद ही उपयोग करती है

जयपुर,(कासं)। राजधानी की जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने जी क्लब में फायरिंग करने वाले बदमाशों का सहयोग करने वाले होटल कृष्णा प्राईड के संचालक और दो महिला सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। इनमें गैंगस्टर रितिक बॉक्सर की बहन भी शामिल है। वह गैंग की ओर से मोबाइल फोन से सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम और फेसबुक चलाने में सहयोग करती है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि 28 और 29 जनवरी की रात को जवाहर सर्किल के जी क्लब होटल डेज के मालिक पर हुई थी। इस मामले में अपराधियों का सहयोग करने पर रामचन्द्र सिंह (27) निवासी निमाद वापा गांव मौलासर नागौर हाल उदय नगर बी मानसरोवर, रोहन पासवान (24) निवासी चाणक्यपुरी निवारू रोड झोटवाड़ा, रविन्द्र सिंह (29) निवासी ओम वाटिका अपार्टमेंट ए ब्लॉक शेखावत मार्ग निवारू रोड झोटवाड़ा, हरी भजन (24) निवासी खारिया खंगार बुरूंदा जोधपुर, अनिता मेघवाल (23) निवासी नयापुरा-चौखा मंडोर जोधपुर, और लवीना ठाकुरवानी (24) निवासी डी-62 झालाना डूंगरी गांधी नगर जवाहर नगर को गिरफ्तार किया गया है।

- **गिरफ्तार आरोपियों में मानसरोवर स्थित होटल कृष्णा प्राईड के संचालक और रितिक बॉक्सर के साथी उम्मेद सिंह उर्फ फौजी भगौड़ा की महिला मित्र सहित पांच लोग भी शामिल।**
- **इन लोगों ने तीनों शूटर्स के जयपुर में रंगदारी वसूलने के लिए आने की जानकारी होते हुए भी उन्हें यहां बिना आईडी और वेरिफिकेशन के होटल में ठहराने और रुपए की व्यवस्था की थी।**

पुलिस कमिश्नर ने श्रीवास्तव ने बताया कि लवीना गैंगेस्टर रितिक बॉक्सर की बहन है। वह उसके अपराध में सक्रिय सहयोग करते हुए स्वयं के मोबाइल फोन से सोशल मीडिया अकाउंट, इंस्टाग्राम व फेसबुक संचालन में सहयोग करती है। वह सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर रंगदारी के लिए डराने धमकाने से मिलने वाले रुपयों का खुद ही उपयोग करती हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मानसरोवर में स्थित होटल कृष्णा प्राईड के संचालक रामचन्द्र सिंह ने वारदात करने के लिए 28 जनवरी को शूटर प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा, भूपेन्द्र गुर्जर उर्फ थापा, बाल अपचारी और ऋषभ उर्फ यश चन्द रजवार के होटल में ठहरने के रितिक बॉक्सर के अनुसार फायरिंग की प्लानिंग की। होटल संचालक ने इसके लिए स्थान उपलब्ध करवाया। उसने आरोपियों की मौजूदगी छिपाने के लिए बिना आईडी और वेरीफिकेशन के उन्हें होटल में ठहराया। होटल संचालक रामचन्द्र सिंह को उसके परिचित रोहन पासवान ने फोन कर बदमाशों को बिना आईडी रूकवाने के लिए कहा था। रितिक बॉक्सर के सीधे सम्पर्क रहने वाले उसके साथी उम्मेद सिंह उर्फ फौजी भगौड़ा ने रोहन को बताया कि यह लोग जयपुर में रंगदारी वसूलने के लिए आए है। उन्हें सभी सहायता उपलब्ध करवा देना। रोहन द्वारा अपने साथी जिम ट्रेनर रविंद्र सिंह के कहने पर शूटर्स को होटल में बिना आईडी रूकवाने का इंतजाम करवाया। इसके एवज में रविन्द्र सिंह को 16 हजार उम्मेद सिंह के द्वारा हरिभजन और अनिता मेघवाल के खातों के जरिए भिजवाए थे। शूटर्स को होटल में रूकवाने की व्यवस्था और वहां पर भुगतान करने का पूरा काम रविन्द्र ने ही किया। आरोपी हरि भजन द्वारा उम्मेद सिंह से 49 हजार 500 रुपए अपने खाते में जमा करवाए। अनिता मेघवाल उम्मेद सिंह की महिला मित्र है। अनिता ने उम्मेद सिंह के कहने पर बदमाशों के होटल में ठहरने के लिए रविन्द्र सिंह को रुपयों की व्यवस्था करवाई। यह जानते हुए कि ये लोग जयपुर में रंगदारी वसूलने के लिए आए है। इसके बावजूद भी सभी ने इनका सहयोग किया।

घायल बाल अपचारी को डिस्चार्ज किया

उधर तीनों शूटर्स को गिरफ्तार कर आगरा से जयपुर लाने के दौरान खोह नागोरियान इलाके में पुलिस पर हमला कर भागने के प्रयास में गोली लगने से घायल हुए दो आरोपी प्रदीप शुक्ला और ऋषभ का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं तीसरे बदमाश बाल अपचारी की हालात में काफी सुधार होने पर बुधवार दोपहर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उसने पुलिस की भारी सुरक्षा में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बाल सुधार गृह में रखा गया है। पुलिस उससे पूछताछ करने में जुटी हुई है।

कार्यालय नगर परिषद सवाई माधोपुर राज.
क्रमांक-न.प.स.मा./भू.रू.शा/2022-23/19443 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-01.02.2023

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदकों ने पट्टा बाबत/पट्टा एकीकरण/पट्टा उपविभाजन/पट्टा हस्तानान्तरण/ भवन निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	पत्रावली विषय	भूखंड सं.	स्कीम/ कॉलोनी का नाम	खसरा नं.	राजस्व ग्राम	साईज/वर्गगज/ वर्गमीटर
1	श्री आशाराम मीना पुत्र श्री रामस्वरूप मीना नि. आदलवाडा कलॉ, त. चौथ का बरवाडा जि. सवाई माधोपुर	भवन निर्माण स्वीकृति हेतु	-	अम्बेडकर नगर आवासीय योजना	72	खेरदा	25' X 50' = 138.56 वर्गगज
2	श्री अशोक कुमार शर्मा पुत्र श्री गोपी बल्लभ शर्मा नि. फलोदी हाल नि. ब्रह्मपुरी कॉलोनी, बजरिया स.मा.	नाम हस्तान्तरण/ भवन निर्माण स्वीकृति	60	ब्रह्मपुरी रेल्वे कॉलोनी आवासीय योजना	82, 83, 85 86, 93, 94	आलनपुर	25' X 49' = 136.60 वर्गगज
3	श्री चन्द्रभान सिंह पुत्र श्री राघव सिंह नि. मकान नं. एलआजी 1/27 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सवाई माधोपुर	भवन निर्माण स्वीकृति हेतु।	-	हाउसिंह बोर्ड कॉलोनी स.मा.	-	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स.मा.	5.25' X 11.25'' = 59.06 वर्गगज
4	श्रीमती सुधारानी जैन पत्नी श्री सुभाष चन्द जैन नि. गौतम कॉलोनी, वजरिया सवाई माधोपुर	भवन निर्माण स्वीकृति हेतु।	86	जयन्ती मार्केट आवासीय योजना	801	आलनपुर	12.6' X 25' = 34.72 वर्गगज
5	श्री सुनील शर्मा पुत्र स्व.श्री महेश नारायण शर्मा नि. साकेत नगर, शक्ति मार्केट के पास, नई अनाज मण्डी रोड, आलनपुर सवाई माधोपुर	नाम हस्तान्तरण/ भवन निर्माण स्वीकृति हेतु।	4	आवासीय योजना	1413	आलनपुर	25' X 64' = 177.77 वर्गगज
6	श्री शंकरलाल शर्मा पुत्र स्व. श्री सीताराम शर्मा नि. बजरिया त. व जि. सवाई माधोपुर	पट्टा उपविभाजन/ नाम हस्तान्तरण/ भवन निर्माण स्वीकृति हेतु	7	आवासीय योजना	578/1803	आलनपुर	30' X 40' = 133.33 वर्गगज
7	श्री विशाल शर्मा पुत्र श्री शंकरलाल शर्मा नि. बजरिया त. व जि. सवाई माधोपुर	पट्टा उपविभाजन/ नाम हस्तान्तरण/ भवन निर्माण स्वीकृति हेतु	6	आवासीय योजना	578/1803	आलनपुर	30' X 40' = 133.33 वर्गगज

अगर किसी का इस विषय में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय सबूत के जो इस मामले से संबंधित है इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा उक्त अवधि के समाप्ति के पश्चात कोई आपत्ति अगीकार नहीं होगी। उक्त सूचना आज दिनांक.....को मेरे हस्ताक्षर व मण्डल की मुहर द्वारा जारी की गई। आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

संक्षिप्त

प्रधान को धमकी देने वाला गिरफ्तार

बौंली, (निसं)। पंचायत समिति बौंली के प्रधान कृष्ण पोसवाल को मोबाइल से जान से मारने की धमकी देकर भारी रकम मांगने के आरोपी अविनाश उर्फ राजू पंडित निवासी लोरवाडा सूरवाल को बौंली पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। सर्किल इंस्पेक्टर कुसुमलता मीणा ने बताया कि बौंली पंचायत समिति प्रधान कृष्ण पोसवाल ने बौंली थाने में मुकदमा नंबर 16 / 023 दर्ज करा कर अवगत कराया था कि मुझे अविनाश उर्फ राजू पंडित ने जान से मारने की धमकी देकर भारी रकम देने की मांग की है। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अविनाश उर्फ राजू पंडित को 1 फरवरी बुधवार को जयपुर से गिरफ्तार किया है एवं इस मामले में अनुसंधान जारी है।

वार्षिकोत्सव में प्रतिभाओं का सम्मान

निवाई, (निसं)। राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय राहोली में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई एवं विभिन्न प्रकार की प्रेरणादायक एवं देश भक्ति से ओत प्रोत झांकियां सजाई गई। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा विद्यालय की प्रतिभावान बालिकाओं को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का माला पहनाकर व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

लापता हुए बच्चे को परिजनों को सौंपा

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में शहर के मेहन्दी बाग निवासी श्याम साहू का पुत्र लापता होने के बाद परिजनों सहित पुलिस में हलचल मच गई। श्याम पुत्र द्वारका साहू (37) ने कोतवाली में रिपोर्ट कर बताया कि उसका बच्चा तनिश पुत्र श्याम साहू (13) वर्ष निवासी मैहन्दी बाग ऋषि किड्स स्कूल में कक्षा 7 का छात्र है, जो सुबह होमवर्क की कापी लेने गया था लेकिन अभी तक भी घर नहीं लौटा है। पुलिस ने बड़ी मेहनत के बाद बालक को तलाश कर परिजनों को सौंप दिया है।

स्वतंत्रता सेनानी की पुण्यतिथि मनाई

श्रीमाधोपुर, (निसं)। स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय बाबूराम सैनी की तीसरी पुण्यतिथि गुरुवार को पुष्प चढ़ाकर मनाई गई। इस अवसर पर सैनी कृषि फार्म हाउस पुष्प नगर श्रीमाधोपुर पर उपस्थित हरिशंकर ,उदयशंकर ,कैलाश सैनी, दिनेश सैनी, हेमंत सैनी आदि ने बताया की आगे भी हर साल पुण्यतिथि मनाई जाएगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 64, मां भवानी नगर विस्तार आगरा रोड, जयपुर के मूल कागजात, आवंटन पत्र, साईट प्लान तथा रसीद कहीं गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। रामकुमार खुराना, 67, गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर। मोबाईल-9929606010

मेरे अम्बेडकर नगर करतारपुरा बी-30, के मुल बटवारा नामा व बकसीस नामा जो कि मेरे पति स्व. श्रीनारायण के नाम से थे विधान सभा से जेडीए ऑफिस के बीच गिर गये, मिलने पर सूचित करें। छोटा देवी-9352388555

नाम परिवर्तन

मैंने अपनी पुत्री का नाम लोविश्का वशिष्ठा से बदलकर लावण्या वशिष्ठ पुत्री भास्कर वशिष्ठ रख लिया है भविष्य में इसे इसी नाम से जाना जावें। निवासी ई-351, बैंक कॉलोनी, गर्वमेंट स्कूल के पास, मुरलीपुरा, जयपुर

In Army Service record my son's name Kendre Prathik Ganesh is wrongly recorded. Correct is Pratik Ganesh Kendre. In Future known as Pratik Ganesh Kendre S/o Army No. 15170083P L/Hav. Kendre Ganesh Rao R/o Vill-Malihapparga, Jalkot, Latur, Maharashtra-413532

I Shobha Devi W/o No. D13874645 Ex Rect. Rajinder Singh R/o 16, Kailash Nagar, Jhotwara, Jaipur Rajasthan 302012, In Service record my Name Sahbo is wrongly recorded. Correct is Shobha Devi Vide affidavit dated 31.01.2023 Jaipur Court.

गांव सरूण्ड में एक माह से पेयजल की किल्लत

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत सरुण्ड में ग्रामीणों को विगत एक माह से पेयजल की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

जहां पर पेयजल के लिए पानी की टंकी बनी हुई है लेकिन नलकूप का जल स्तर गहरा होने से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जलदाय विभाग व सरपंच को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी लापरवाही के चलते पानी की सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीण लोकेश सिंह तंवर, समाजसेवी रामनारायण विजयवर्गीय, विकास सिंह आदि ने बताया कि पिछले एक माह से गांव में पेयजल की समस्या चल रही है, लेकिन ना तो जलदाय विभाग ध्यान दे रहा है एवं ना ही ग्राम पंचायत ध्यान दे रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि मजबूरी में पानी का टैंकर मंगवाना पड़ रहा है, ऐसे में आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है।

पेयजल के लिए टैंकर के पीछे महिलाओं की लाइन लग गई।

- जलदाय विभाग व सरपंच को अवगत करवाने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई
- नलकूप का जल स्तर गहरा होने से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है

इसके अलावा लोगों को करीब एक किलोमीटर दूर मन्दिर की टंकी से पानी लाना पडता है। इस सम्बंध में जलदाय विभाग जेईएन दयाराम जाट का कहना है कि सरुण्ड में नलकूप का जल स्तर गहरा हो जाने से समस्या बनी हुई है। पुराने नलकूप को ओर गहरा करवा दिया गया है एवं नया नलकूप भी करवाया गया है। जल्द ही इनमें मोटर डलवाकर पेयजल व्यवस्था सुचारू करवाई जाएगी।

जल बचाओ की शपथ दिलाई

पावटा, (निसं)। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर विगत 148 दिनों से चल रही पानी, किसानी, जवानी संवेदना यात्रा प्रभाती देवी प्रभु दयाल अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भौनावास पावटा पहुंची। समस्त शिक्षकों विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने मिलकर टीम यात्रा का अभिनंदन कर यात्रा के विवरण को जाना व समझा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किशनलाल यादव गुरुजी ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को प्रकृति के साथ सॉफ्ट कॉर्नर रखना चाहिए। जीवन में छोटे-छोटे सुधार करने पर ही चरित्र व अनुशासन सीख सकते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष रामेश्वर बाजिया रिटायर्ड सीआई ने कहा कि हमें भौनावास के सभी प्राकृतिक जल स्त्रोतों को ढूंढ कर उनके संरक्षण के लिए काम करना होगा। इस दौरान सभी विद्यार्थियों ने रैली निकालते हुए नारे लगाते हुए जन जागरूकता पैदा की। इस यात्रा कार्यक्रम में स्कूल प्रभारी मुकेश यादव, उदय सिंह बाजिया, धीरज सिंह शेखावत, संतोष शर्मा अमर सिंह मीणा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सार-समाचार

नेहरू पार्क में सौ फीट ऊंचा झंडा फहराया

टोंक, (निसं)। शहर के नेहरू पार्क में सौ फीट का ऊंचे झंडे का शुभारंभ सभापति अली अहमद द्वारा फीता काट कर किया गया। सभापति अली अहमद ने इस मौके पर सभी टोंक वासियों को मुबारकबाद देते हुये कहा कि यह शहर वासियों के लिए बड़ी सौगात है। इसके लिए टोंक विधायक सचिन पायलट का भी उन्होंने धन्यवाद दिया। सभापति ने कहा कि पार्क में आने वाले लोगों को इसे देखकर देशभक्ति व राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी साथ ही तिरंगे झंडे को देखकर लोगों के मन में अपने देश के लिए कुछ कर गुजारने का जज्बा पैदा होगा। इस दौरान उप-सभापति बजरंगलाल वर्मा, हाजी शब्बीर अहमद, राहुल सैनी, अकील अहमद, मो. युसुफउद्दिन, रमेश महावर, अब्दुल मुजीब, हकीकत हसन, अमर सौदा, मो. यासीन, विकास लोदी, हरेंद्र सिंह, कजोड मल बैरवा सहित फिरोज नागौरी, मुजाहिद, सै. महमूद शाह, सलीमुद्दीन खां एवं दिनेश चौरासिया आदि मौजूद रहे।

गरीब बच्चों को स्वेटर बांटे

लवाण, (निसं)। क्षेत्र के खानवास पीईईओ के अधीनस्थ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जगसहायपुरा में गुरुवार को स्वेटर वितरित किये गए। इन स्वेटरों का वितरण स्थानीय विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका मंजू सैनी व उनके पति रतन लाल सैनी द्वारा अपने बच्चे के जन्मदिवस के उपलक्ष पर किया गया। स्कूल में स्थानीय विद्यालय में अध्ययनरत 75 बच्चों को सर्दी में राहत प्रदान करने के लिए स्वेटर वितरित कर जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नन्दाराम मीना ने कहा कि पुण्य की जड सदा ही हरी रहती है। हर व्यक्ति को समय-समय पर ऐसे पुण्य तथा परोपकार के कार्य करते रहना चाहिए। इसके साथ ही प्रधानाचार्य ने दोनों पति-पत्नियों का माला साफा व शॉल ओढाकर के सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य सीताराम मीणा, स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामावतार, देशराज कसाना, सरोज कुमारी जाट आदि मौजूद थे।

श्याम चौधरी का स्वागत किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर की ग्राम पंचायत महरौली में भगुका वाली ढाणी में माधु सैनी के घर श्याम चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा सीकर के पहुंचने पर गुरुवार को ढाणी निवासियों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर गोपाल कुमावत,गोपाल सैनी, सिंधु दयाल सैनी, माधु सैनी, गिरधारी सैनी ,हनुमान , मदन ,सुवालाल सैनी ,कालू , तेजपाल , व बडे बुजुर्गों, युवा साथी व मातृशक्ति उपस्थित रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम चौधरी ने कार्यक्रम में आए हुए ढाणी वासियों ,ग्राम वासियों, माताओं बहनों बडे बुजुर्गों का तहे दिल से मान सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त किया।

पंचायत समिति के कार्मिक अवकाश पर

सांभरझील, (निसं)। पंचायत समिति क्षेत्र के सभी मंत्रालयिक कार्मिक शुक्रवार को सामूहिक अवकाश पर रहेंगें। इस आशय की सूचना के लिए संघ की तरफ से विकास अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा गया। कार्मिकों ने बताया कि राजस्थान राज्य मंत्रालय कर्मचारी महासंघ के आ ान पर पंचायती राज कर्मचारी संगठन द्वारा समर्थन देने के लिए 3 फरवरी को जयपुर में बजट से पूर्व ध्यान आकर्षित करवाने के लिए रैली में शामिल होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राम विकास अधिकारी रूप नारायण कुमावत, कार्मिक बाबूलाल मीणा ओम प्रकाश माली आदि की उपस्थिति रही।

विश्व आद्रता दिवस पर छात्रों को जागरूक किया

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र के किसानों की लाइफ लाइन माने जाने वाले मोरेल बांध को जल्द ही पर्यटन हब के रूप में विकसित किए जाने की ओर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

- वन विभाग द्वारा मोरेल बांध पर आयोजित जन जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया

विश्व वैटलैंड दिवस यानी विश्व आद्रता दिवस पर गुरुवार को वन विभाग द्वारा मोरेल बांध पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों, वन विभाग के कर्मचारी जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय के प्रोफेसर व पक्षी विशेषज्ञ डॉ. सुभाष पहाड़िया ने कहा कि वेटलैंड की पुनर्बहाली का यह सही समय है की हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए व्यक्तिश प्रयास करने होंगे। वेटलैंड लगातार खत्म होते जारहे है।

जैवविविधता को बचाने के लिए वेटलैंड को बाचाना आवश्यक हो गया है। उपवन सरक्षक केतन कुमार ने विद्यार्थियों को वेटलैंड की उपयोगिता संरक्षण हेतु की जानकारी प्रदान की गई। उपखंड अधिकारी लालसोट ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु अपनी भूमिका तथा अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों हेतु क्विज प्रतियोगिता रखी गई। जिसमे प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले स्कूली छात्र छात्राओं को पारितोषिक दिया गया। पक्षी विशेषज्ञ डॉ सुभाष पहाड़िया के द्वारा विद्यार्थियों व उपस्थित लोगों को पक्षी अवलोकन करवाया व उनकी जानकारी दी गई।

पेंशनरों को सम्मानित किया

पावटा, (निसं)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा देश भर में सभी शाखाओं में पेंशन सम्मान समारोह के तहत पावटा शाखा परिसर में गुरुवार को बैंक द्वारा पेंशनरों का क्षेत्रीय कार्यालय मुख्य प्रबंधक राकेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य व पेंशनर समाज अध्यक्ष कैलाशचंद यादव व ओमप्रकाश सेन, प्रभातीलाल सराधना, मलखान सिंह, कैप्टन मनोहर सिंह आर्य, महेंद्र गोयल, बिमल गर्ग, एडवोकेट कुलदीप पटेल, विजय कुमार अग्रवाल, सरदारमल, ओमप्रकाश स्वामी, रामनिवास स्वामी, ओमप्रकाश सैनी सहित पेंशनरों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित पेंशनरों को बैंक द्वारा सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए पेंशनर समाज अध्यक्ष कैलाश चंद यादव ने समारोह की प्रशंसा करते हुए कहा कि बुजुर्गों का सम्मान करना न सिर्फ भारतीय संस्कृति में है बल्कि आगे आने वाले पीढी के लिए एक सीख है। इस कार्य के लिए उन्होंने शाखा प्रबंधक आशीष मीणा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सेंट्रल बैंक शाखा पावटा प्रबंधक आशीष मीणा ने बताया कि 444 दिन में एफडी पर सुपर सीनियर सिटीजन को 8.60 प्रतिशत व सीनियर सिटीजन को 8.10 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। वर्तमान समय में सेंट्रल बैंक अन्य बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा ब्याज दे रहा है। सेंट्रल बैंक शाखा में मात्र 20 या 436 रुपए के सालाना प्रीमियम में 2 लाख बीमा सुविधा देने का अभियान चल रहा है। इसके अलावा बचत खाते में चालू खाते खुलवाने का अभियान भी चलाया जा रहा है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय मुख्य प्रबंधक राकेश शर्मा (बाएं) ने पेंशनरों को सम्मानित किया।

धर्मदासपुरी कॉलोनी वासियों का धरना समाप्त

चाकसू, (निसं)। पट्टे वितरण को लेकर कस्बे के नगर पालिका गेट पर पिछले तीन दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे धर्मदासपुरी कॉलोनी निवासियों ने विधायक वेद प्रकाश सोलंकी के 8 फरवरी को पट्टे मिलने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया है।

गौरतलब है कि वार्ड 15 महिला पार्षद किरण सांवरिया एवं पूर्व पार्षद पवन सांवरिया के नेतृत्व में कॉलोनी के लोग पट्टा देने की मांग को लेकर 3 दिन से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे थे। मामला संज्ञान में आने के बाद जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने पालिका अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार मीणा को तलब किया।

इसके बाद बुधवार को मामले को लेकर विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार रिणवा, तहसीलदार अजीत कुमार बुंदेला एवं पुलिस अधिकारियों के साथ धर्मदासपुरी कॉलोनी पहुंचे और मौके का जायजा लिया। मामला दो समुदायों में चल रहा था और इसे लेकर पालिका के 8 पार्षदों पालिका प्रशासन को अनापत्ति भी दी बताएं मामले को लेकर विधायक सोलंकी ने दोनों पक्षों की समझाइश कर आम रास्ते,पार्क जिन आवेदकों के पैसे जमा है उनका पट्टा, नवीन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने सहित अन्य मामलों की सहमति बनाई इसके बाद शाम को 8 फरवरी को पट्टे देने का आश्वासन दे धरना समाप्त करवाया।

फल-सब्जी मंडी में भूखंड आवंटन हेतु लॉटरी निकाली

कोटपूतली, (निसं)। बानसूर रोड स्थित फल-सब्जी मंडी में द्वितीय चरण के भूखंड आवंटन हेतु गुरुवार को मंडी कार्यालय में लॉटरी निकाली गई।

जिसमें कृषक महिला विभिन्न वर्गो के लिए 8 भूखंड, पैक हाउस, ग्रामीण गोदाम व वन उपज के 1-1 भूखंड के लिए लॉटरी निकाली गई। उल्लेखनीय है कि फल-सब्जी मंडी में 42 भूखंडों का आवंटन विभिन्न श्रेणियों के लिए किया जाना था। जिसके लिए निर्धारित समय तक 327 आवेदकों ने अपने आवेदन जमा कराए थे। मंडी सचिव प्रीति शर्मा ने बताया कि सामान्य महिला वर्ग के लिए खुलने वाली लॉटरियों में चांवली देवी, मनोहरी देवी, मिश्रो देवी, कलावती देवी, भौती देवी व भंवरी देवी शामिल है। अनुसूचित जनजाति महिला वर्ग में मीना देवी, अनुसूचित जाति महिला वर्ग में सुमन देवी, पैक हाउस वर्ग में मूलचंद सैनी, ग्रामीण गोदाम में पूरणमल सैनी व वन उपज वर्ग में कैलाश चंद जाट शामिल है। मंडी सचिव शर्मा ने बताया कि शेष रहे भूखंडो का आवंटन आगामी बैठक में किया जाएगा।

नव मतदाताओं को प्रेरित किया

राजगढ़, (निसं)। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से गुरुवार को मंडल थाना राजाजी में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नव मतदाता अभियान में शिविर लगा छात्राओं को जागरूक एवं मतदान के प्रति प्रेरित किया।महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुनीता सैनी के नेतृत्व में छात्राओं को आईडी के लिए मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

राजस्थान सरकार
न्यायालय उप तहीलदार, बगरू जिला-जयपुर (राज.)
क्रमांक भू.अ./023/168 दिनांक-02.02.2023
विज्ञप्ति सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कलवाडा के खसरा नम्बर 1019, 1020 कुल किता 2 कुल रकबा 21.8900 हैक्टेयर में हिस्सा 1/4 में मृतक खातेदार गणपत सिंह पुत्र ठाकुर जयसिंह जाति राजपूत सा. ग्राम कलवाडा तह. सांगानेर का वसीयत का नामान्तरण भू-राजस्व एक्ट की धारा 135(2) में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति या सम्बन्धित को इस वसीयत के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के सात दिवस के मियाद अन्दर इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा।
उप तहसीलदार, बगरू जिला-जयपुर

दो दिवसीय वार्षिक माघ मेला छह फरवरी से

खैरथल, (निसं)। समीपवर्ती गांव इस्माइलपुर में स्वामी बाधूराम दरबार में वार्षिक माघ का दो दिवसीय मेला छह फरवरी को प्रारंभ होगा।

दरबार के प्रमुख सेवादार घनश्याम सरपंच ने बताया कि दरबार के गादेश्वर संत शिरोमणि स्वामी कल्याण सांई की अगुवाई में भरने वाले इस मेले में छह फरवरी को सुबह 10 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद दोनों दिन अनवरत भंडारा और सत्संग व भजन कीर्तन जारी रहेगा। जबकि दूसरे दिन 7 फरवरी को सुबह 11 बजे पल्लव एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। मेले में आने वाले लोगों के लिए खैरथल के झूलेलाल मंदिर पर निशुल्क बस सेवा उपलब्ध रहेगी। गौरतलब है कि इस मेले में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली व यूपी आदि स्थानों से बडी संख्या में अनुयाई व श्रद्धालु शामिल होने आते हैं जिन्हें रिसीव करने के लिए रेलवे स्टेशन पर सेवादार वाहनों सहित मौजूद रहते हैं।

उपखण्ड अधिकारी ने औचक निरीक्षण किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण ने गुरुवार को कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया।

अस्पताल प्रभारी डॉ. महेन्द्र यादव को अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, पार्किंग व्यवस्था, फायर उपकरणों एवं चिकित्सा सेवाओं को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया। चिरंजीवी योजना, दवा वितरण केन्द्र सहित अस्पताल में चल रहे भवन कार्यों का निरीक्षण कर अस्पताल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित चांद देवी सहरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय व संस्कृत विद्यालय का निरीक्षण किया व राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजना बाल गोपाल योजना के प्रभावी निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग हेतु राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य को निर्देशित किया। साथ ही ग्राम पंचायत के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर संचालित ई मित्र सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। ई मित्र सेवा केन्द्र मंगलम कंप्यूटर पर निरीक्षण के दौरान राज्य सरकार के द्वारा निर्धारित शुल्क से ज्यादा लेने पर सात दिन के लिए सेवा को निलंबित करने के आदेश दिये।

राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:- 15085 जाहिर आम सूचना दिनांक: 2/2/23
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास संख्या 70/108 (EWS) (एरिया 36.00 वर्गमीटर) का आवंटन श्री प्रभाती लाल मीणा पुत्र श्री सुजीलाल मीणा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 888 दिनांक 22.11.1993 के द्वारा जारी किया गया था। श्री प्रभाती लाल मीणा द्वारा श्री जगदीश छीपा पुत्र श्री लड्डूलाल छीपा को दिनांक 07.04.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री जगदीश छीपा के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री प्रभाती लाल मीणा के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक, सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहाँ दिनांक 07.04.2007 को पंजीकृत करवाये गये। श्री जगदीश छीपा द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास को श्रीमती रतन देवी पत्नी स्व. श्री लाडूलाल जैन को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 01.08.2007 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती रतन देवी द्वारा उक्त आवास को श्रीमती सन्तोष जैन पत्नी श्री पवन जैन को वसीयत नामा कर इनके पक्ष में वसीयत नामा पत्र दिनांक 31.12.2007 कुमार को उप पंजीयक - जयपुर- अष्टम में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती रतन देवी का देहान्त दिनांक 25.01.2010 को होने के पश्चात पंजीकृत वसीयत के आधार पर श्रीमती सन्तोष जैन द्वारा उक्त आवास को श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री सज्जन सिंह को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 11.04.2011 को उप पंजीयक- जयपुर - अष्टम में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती राजकुमारी द्वारा उक्त आवास को सुश्री ज्योति राठौड पुत्री श्री सज्जन सिंह को उपहार कर इनके पक्ष में उपहार पत्र दिनांक 09.10.2021 को सब रजिस्ट्रार जयपुर- पंचम में पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, सुश्री ज्योति राठौड पुत्री श्री सज्जन सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। सम्पदा प्रबन्धक, वृत प्रथम, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 12/2023
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीमती लूसी थामस पत्नी स्व. श्री थामस कलापुराकल निवासी प्लाट नं. एफ-144, राम नगर विस्तार, सोडाला, सांगानेर रोड के पास, श्याम नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत जेकेआईएलएस फाउण्डेशन, प्लाट नं. एफ-144, राम नगर विस्तार, सोडाला, सांगानेर रोड के पास, श्याम नगर, जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.01.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 31.03.2023
मोहर अदालत
रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

सेवानिवृत पांच बी.एस.एफ. के जवानों का सर्व समाज ने स्वागत किया

मालपुरा, (निसं)। दिल में देशभक्ति का जज्बा लिये 21 वर्ष 1 माह व 22 दिन बॉर्डर सिक्योरिटी फॉर्स में कार्यरत रहते हुए भारत मां की सेवा कर सेवानिवृत हो गुरुवार को मालपुरा लौटे पांच बीएसएफ के जवानों के स्वागत में लोगों में होड सी मच गई।

- सौ से अधिक स्थानों पर स्वागत कर पहनाई राजस्थानी पगड़ी

हाथों में तिरंगा व राजस्थानी पगड़ी एवं माला ले हजारों की भीड़ जवानों के स्वागत के लिए शहर की सीमा फलौदी बालाजी पहुंची। बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा अर्चना के पश्चात खुली जीप में सवार पांचों जवानों के साथ शुरू हुआ जूलूस शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरा। पूर्व सैनिक आदर्श कल्याण संस्थान सहित विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल, विप्र फाउण्डेशन, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ सहित कई सामाजिक व समाजसेवी संगठनों के साथ-साथ सर्व समाज के लोगों ने बीएसएफ के जवानों का सौ से अधिक स्थानों पर पुष्पवर्षा से स्वागत कर वंदे मातरम व भारत माता की जय के नारे लगा 111 राजस्थानी पगड़ियां पहना ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

सेवानिवृत हो मालपुरा लौटे पांच बीएसएफ के जवानों का खुली गाड़ी में जुलूस निकाला।

मालपुरा निवासी भारतीय सेना के जवान राजाराम शर्मा, अजमेरो की ढाणी निवासी अम्बालाल सैनी, डिग्गी नुक्कड निवासी रामकुमार जाट, गनवर निवासी रामकिशोर पांडेय व सुरसागर निवासी चिरंजीलाल शर्मा बीएसएफ में हवलदार के पद पर कार्यरत रहते हुए अपने परिवार से ज्यादा भारत माता की सेवा को सर्वोपरि मान अपनी राजकीय सेवा पूर्ण कर लौटने पर स्वागत में बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही। मुस्लिम समाज के पूर्व सैनिकों सहित युवाओं ने भी जवानों को पगड़ी पहना स्वागत किया।

एक्सप्रेस-वे लोकार्पण की तैयारी बैठक

लालसोट, (निसं)। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की शहर की बड़ाया धर्मशाला में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। इस तैयारी बैठक के दौरान भाजपाइयों ने सर्वसम्मति से पीएम की सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई निर्णय लिए। बैठक में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित 12 फरवरी को दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे का उद्घाटन समारोह आयोजित होना है। जिसको लेकर प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर बूथ स्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है। अधिक से अधिक संख्या में लोगों को प्रधानमंत्री की सभा स्थल तक पहुंचाने और वापिसी की व्यवस्था सुव्यस्थित तरीके से वाहनों की भी व्यवस्था की जायेगी। भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में आव्हान करते हुए कहा कि दौसा जिले की सभी विधानसभाओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या लालसोट विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की होनी चाहिए।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड) झुन्झुनू।
वादी- लक्ष्मणसिंह विरूद्ध मदन सिंह वगैरह
दावा स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 36/2016 (बी.टी. 150/2019 सी.आई.सं. नं. 159/2019)
प्रेषित
मदन सिंह पुत्र स्व. किशन सिंह जाति राजपूत निवासी चींचडौली तहसील व जिला झुन्झुनू हाल प्रेम नगर ब्लॉक नं. 8 लोट्स भवन के पास, 17 नम्बर प्राईवेट बस स्टेण्ड से आगे जयपुर
वादी लक्ष्मण सिंह ने आपके विरूद्ध दावा स्थाई निषेधाज्ञा का पेश किया है। वाद के लिए संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 06.02.2023 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेशकर जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो या न हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह कि आज तारीख 03.01.2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट झुन्झुनूं (राज.)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 15/2023
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि महन्त माणक नाथ जी पुत्र श्री विश्वेश्वर नाथ निवासी 146 ख 1 गुर्जरों की ढाणी, वार्ड नं. 32, सांगानेर जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री गोरखनाथ आश्रम भृतहरी बगीची ट्रस्ट, भृतहरी की बगीची पी.जी. कॉलेज के पास, सेक्टर-8, हल्दी घाटी रोड, प्रताप नगर जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.01.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 03.04.2023
मोहर अदालत
रतनलाल योगी (आर.ए.एस.)
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

मुझे नहीं पता कि भारत आएगा या नहीं आएगा तो क्या होगा, लेकिन हम नहीं चाहते कि टूर्नामेंट पाकिस्तान से बाहर हो। अगर ऐसा होता है, तो हम पूरी तरह से इस आयोजन से हटने पर विचार करेंगे। – रमीज राजा

पीसीबी अध्यक्ष, एशिया कप को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लक्ष्य प्रज्ञानानंदा

शतरंज के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि विश्व चैम्पियन बनना एक वास्तविक संभावना है और उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करने के लिए खुद को तीन से चार साल का समय दिया है। देश के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर्स में से एक 17 वर्षीय प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को केवल छह महीनों में तीन बार हराया जो उनके करियर के मुख्य आकर्षणों में से एक है। हाल ही में उन्होंने मेल्टवाटर शतरज चैंपियंस टूर फाइनल का अपना सर्वश्रेष्ठ मुकाबला खेलते हुए पोलैंड के ग्रैंडमास्टर यान-क्रिस्टोफ डुडा को हराया।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टेस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

अजय भारत को मिली पहली हार

दक्षिण अफ्रीका ने ट्राई सीरीज के फाइनल में भारत को 5 विकेट से हराया

दीप्ति बनी प्लेयर ऑफ द सीरीज

ईस्ट लंदन (दक्षिण अफ्रीका), 2 फरवरी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को ट्राई सीरीज के फाइनल में 5 विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की दाएं हाथ की बल्लेबाज क्लो ट्राईऑन ने नाबाद 57 रन की पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। भारत की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 109 रन ही बना पाया। भारत ने इस दौरान अपने चार विकेट खोए। भारत की ओर से हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए।

इसके बाद दूसरी टॉप स्कोरर हरमनप्रीत कौर रही, जिन्होंने 21 रन की पारी खेली। इसके अलावा भारत की कोई अन्य बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। भारत की पारी में केवल दीप्ति शर्मा ने 100 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। द. अफ्रीका की गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी की। उनकी ओर से नॉनकुलुलेकू म्लाबा ने 4 ओवर में 16 रन देकर सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए। म्लाबा के आलावा आयाबोंगा और सुने लूस को 1-1 विकेट मिला। द. अफ्रीका की बल्लेबाजी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही।

थाईलैंड ओपन के दूसरे चरण में भारतीय शटलर पस्त

बैंकॉक, 2 फरवरी। थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे चरण में गुरुवार को भारत के युवा शटलरों का अभियान फीका पड़ गया। भारत के लिये दिन की शुरुआत इशान भटनागर और तनीषा क्रैस्टो की मिश्रित युगल जोड़ी की हार के साथ हुई। इशान-तनीषा की जोड़ी को इंडोनेशिया के अकबर बिनतांग और मारशेला इस्लामी ने 21-19, 21-16 के सीधे गेमों में मात दी। इसी बीच, किरण जॉर्ज अपने पुरुष एकल मुकाबले में हांगकांग के ली चीक्यु से 22-20, 15-21, 20-22 से हार गये। भारत की अश्मिता चालिहा ने भी अपने महिला एकल मुकाबले का पहला गेम जीत लिया था, लेकिन अंततः वह डेनमार्क की होमार्क जार्सफेल्ट से 19-21, 21-13, 29-27 से हार गयीं।

दस दिन बाद होगा ऑक्शन : विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के बीच मुंबई में होगी नीलामी, 5 टीमें लगाएंगी बोली

मुम्बई, 2 फरवरी । विमेंस प्रीमियर लीग के पहले सीजन के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन 13 फरवरी को मुंबई में होगा। लीग की 5 टीमें बोली लगाएंगी। इस बीच साउथ अफ्रीका में 10 से 26 फरवरी के तक का महिला टी-20 वर्ल्ड कप भी जारी रहेगा। का पहला सीजन 4 मार्च से शुरू हो सकता है। जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में बिकेंगी खिलाड़ी।

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक दिन का मेगा ऑक्शन होगा। पिछले दिनों खबरें आ रही थीं कि को ऑक्शन कराने के लिए होटल नहीं मिल रहे हैं। शादी का सीजन होने के कारण मुंबई और दिल्ली के ज्यादातर होटल बुक हो चुके थे। अब जाकर को होटल मिला है। 13 फरवरी की तारीख फ्रेंचाइजी मालिकों से बात कर तय की गई। क्योंकि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट इस वक्त की इंटरनेशनल लीग टी-20 और साउथ अफ्रीका की 20 लीग में व्यस्त हैं।

ऐसे में के लिए उन्हें पर्याप्त समय चाहिए था। 12 तारीख तक दोनों लीग के फाइनल हो जाएंगे, ऐसे में 13 ही सबसे बेस्ट डेट थी। एक टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। पुरुष के मुकाबले यह राशि बहुत कम है। मेंस में एक टीम के पास 95 करोड़ रुपए का पर्स रहता है।

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 6 करोड़, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। एक टीम में कितनी खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं, इस पर ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। लेकिन, एक टीम में अगर 15 से 18 प्लेयर्स भी हुईं तो भी 5 टीमें करीब 75 से 90 खिलाड़ियों को खरीदेंगी। ऐसे में दुनिया भर की टॉप क्रिकेटर्स समेत भारत को अंडर-19 वर्ल्ड जिताने वालीं खिलाड़ियों पर भी बड़ी बोली लग सकती है।

राफेल वरेन ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया

पेरिस, 2 फरवरी। फ्रांस के अनुभवी डिफेंडर राफेल वरेन ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। वरेन ने एक बयान जारी कर कहा, अपने खूबसूरत देश का एक दशक तक प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये बेहद सम्मान की बात रही है। मैंने जब भी वह नीली जर्सी पहली तो मुझे गौरव का एहसास हुआ। मैंने हमेशा अपना सब कुछ दांव पर लगाने, पूरे दिल से खेलने और अपनी टीम के लिये हर मैच जीतने की जरूरत महसूस की। मैं इस बारे में कई महीनों से सोच रहा हूं और मैंने फैसला लिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का सही समय है। वरेन ने अपने 10 साल के सुसज्जित करियर में 93 बार फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया। साल 2013 में पदार्पण करने वाले वरेन सिर्फ 29 साल की उम्र में विश्व कप 2018 जीत चुके हैं और विश्व कप 2023 में उपविजेता रहे हैं। वह डिडिएर डेस्चैम्प्स की फ्रेंच टीम को 2020-21 सत्र में यूईएफए नेशन्स लीग का खिताब भी जिता चुके हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर ने फ्रांस को पिछले साल कतर में लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने में मदद की, जहां उसे अर्जेंटीना ने पेनल्टी पर मात दी। गौरतलब है कि फ्रांस के विश्व कप विजेता गोलकीपर और कप्तान ह्यूगो लोरिस ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय करियर को विराम देने की घोषणा की थी, जिसके बाद वरेन का यह बयान आया है। वरेन ने अपने बयान में कहा है कि यह युवा खिलाड़ियों के प्रतिभाशाली समूह को जिम्मेदारी सौंपने का समय है।

निष्पक्ष पिचें हो तो जीतेगा ऑस्ट्रेलिया : हीली

क्वीन्सलैंड, 2 फरवरी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज इयान हीली का मानना है कि अगर नौ फरवरी से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 'निष्पक्ष' पिचों का प्रयोग किया जाये तो ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारत पर भारी होगा। हीली ने सेनक्यू रेडियो के साथ बातचीत में गुरुवा को कहा, मुझे लगता है कि अगर वे निष्पक्ष पिचें बनायेंगे, जहां बल्लेबाजी करना आसान हो और मैच में आगे चलकर गेंद स्पिन हो.... तो हम (ऑस्ट्रेलिया) जीतेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे पहले टेस्ट में सिर्फ मिचेल स्टार्क और नेथन लायन की चिंता है। अगर वहां असमान विकेट हुए, जैसे कि हम पिछली शृंखला में देख चुके हैं जहां गेंद जरूरत से ज्यादा ही स्पिन होती है, तो वहां भारत बेहतर खेल सकेगा।

गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया नौ फरवरी से शुरू होने वाले टेस्ट में नागपुर में आमने-सामने होंगे। भारत ने इस मैदान पर 2017 में जब श्रीलंका की मेजबानी की थी तो रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने 20 में से 13 विकेट लिये थे। हीली का मानना है कि पहली बार भारत आ रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को दबाव सहने और फील्डिंग में गलतियों से बचने की जरूरत है।

हीली ने कहा, मैं चाहता हूं कि खिलाड़ी बहुत जागरुक हों अगर वे उस दबाव (स्थानीय लोगों से) से बच रहे हैं और अपने कमरे में छिप रहे हैं तो उन्हें ऐसा करने से बचने की जरूरत है।उन्होंने कहा, भारत में 10 विकेट लेने के लिये आपको केवल दस मौके मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल और गति के साथ आप 13 मौके बना सकते हैं और आप उनमें से एकाध छोड़ भी सकते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें उस दबाव को सहना होगा और वहां एक नीति के साथ खेलना होगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अन्य तीन मैच क्रमशः दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में खेले जायेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले 19 साल से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीता है।

मांजरेकर को घरेलू टेस्ट सीरीज में सिराज से उम्मीदें

नयी दिल्ली, 2 फरवरी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों में होने वाली टेस्ट सीरीज में मोहम्मद सिराज से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद लगायी है। मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम गेम प्लैन पर कहा, हम बड़े सितारों के बारे में जानते हैं लेकिन मैं सिराज की टेस्ट गेंदबाजी देखने के लिये उत्साहित हूं। टेस्ट क्रिकेट की उनके सभी अच्छे प्रदर्शन विदेशी, मददगार परिस्थितियों में आये हैं। उल्लेखनीय है कि मोहम्मद सिराज ने पिछले दो साल में 20 एकदिवसीय मैच खेलकर 38 विकेट लिये हैं। साल 2023 में सिराज और भी ज्यादा घातक नजर आये हैं, जहां वह सिर्फ पांच मैचों में 10.6 की औसत से 14 विकेट चटका चुके हैं। भारत ने जब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 में मेजबान ऑस्ट्रेलिया का सामना किया था, तब सिराज तीन मैचों में 13 विकेट लेकर भारत की जीत के नायक रहे थे। मांजरेकर को उम्मीद है कि सिराज घरेलू परिस्थितियों में भी वही प्रदर्शन दोहरा सकेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेंगे रवींद्र जडेजा

फिटनेस टेस्ट पास किया, आज ही टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे

नई दिल्ली, 2 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। वह आज गुरुवार से ही टीम के साथ नागपुर में प्रैक्टिस के लिए जुट जाएंगे। नागपुर में 2 से 6 फरवरी तक टीम इंडिया का छोटा प्रैक्टिस कैंप लगा है। जहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में शामिल सभी शामिल होंगे। जडेजा भी अब इस स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

रवींद्र जडेजा को बेंगलुरु स्थित ने बुधवार को फिटनेट टेस्ट पास करने का सर्टिफिकेट दिया था। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ने उन्हें टीम इंडिया के साथ प्रैक्टिस कैंप जॉइन करने की परमिशन दे दी है। रवींद्र जडेजा ने आखिरी बार अगस्त 2022 में एशिया कप के दौरान भारत के लिए क्रिकेट मैच खेला था। एशिया कप में ही उन्हें घुटने में चोट लगी। सर्जरी के जरिए उनका ट्रीटमेंट हुआ, जिस कारण उन्हें 5 महीनों के लिए मैदान से दूर रहना पड़ा।

सितंबर 2022 से क्रिकेट से दूर चल रहे भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी बॉलिंग शुरू कर दी है। वह भी फिटनेस वापस पाने के लिए में ही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर दी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी 2 टेस्ट के लिए बुमराह भारतीय टीम का हिस्सा हो सकते हैं। वहीं, एक फरवरी को ही में टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को पहले टेस्ट के लिए फिट नहीं बताया था। वह पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। लेकिन, 17 फरवरी से दिल्ली में शुरू होने वाले दिल्ली टेस्ट के लिए टीम इंडिया के साथ जुड़ जाएंगे। इंजरी से पूरी तरह रिकवर होने के बाद 34 साल के जडेजा ने 24 जनवरी को सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेला। इस मैच में उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ 41.1 ओवर बॉलिंग की। पहली पारी में तो उन्हें एक ही विकेट मिला, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 7 विकेट झटक लिए। उन्होंने बैटिंग करते हुए 23 और 15 रन की पारियां खेल खुद को मैच के लिए तैयार साबित किया।

पल्लेदारी करने वाले हॉकी प्लेयर से मिले

मान बोले- बुरा समय निकल गया, अब तुम तैयारी करो, पंजाब को नंबर एक पर लाना है

नई दिल्ली, 2 फरवरी। पंजाब के पूर्व हॉकी खिलाड़ी परमजीत कुमार को जॉब मिल गई है। मान सरकार ने उन्हें कोच नियुक्त किया है। अब वह खिलाड़ियों को कोचिंग देंगे। फरीदकोट के रहने वाले परमजीत इससे पहले मंडी में पल्लेदारी करने को मजबूर था। परमजीत से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुलाकात की। सीएम ने परमजीत सिंह को कहा कि बुरा समय निकल गया है। इस दौरान भगवंत मान ने परमजीत से पूछा कि क्या पहले किसी सरकार ने तुम्हारी सार ली तो परमजीत ने कहा किसी सरकार ने उसका हाल नहीं जाना। सीएम भगवंत मान ने परमजीत द्वारा जीते हुए सभी सर्टिफिकेट देखे। भगवंत ने कहा कि वह खुद हैरान हैं कि इतने बड़ा खिलाड़ी पंजाब में इन हालातों में पल्लेदारी कर रहा है। अब जब उनके सामने ये मामले उजागर हुआ तो उनसे हालात देखे नहीं गए। मान ने परमजीत से कहा कि अब तैयारी करो पंजाब को नंबर एक पर लाना है।

विराट कोहली स्पिन के विरुद्ध आक्रामकता अपनाएं : इरफान

नयी दिल्ली, 2 फरवरी। पूर्व भारतीय गेंदबाज इरफान पठान ने कहा है कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए देखना चाहते हैं। इरफान ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम गेम प्लैन पर कहा, कोहली यह जरूर दिमाग में रखेंगे कि नेथन लायन और एश्टन आगर की स्पिन का कैसे जवाब देना है। उन्होंने हाल के दिनों में स्पिन के खिलाफ संघर्ष किया है। मुझे लगता है कि वह थोड़ा और आक्रामक हो सकते हैं क्योंकि स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट भी नीचे आ गया है।

उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि हम टेस्ट क्रिकेट की बात कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी आपको स्पिन के सामने थोड़ा और आक्रामक होने की जरूरत होती है। यह आपको इस प्रतिद्वंदिता में बेहतर बना देगा, खासकर जब आप लायन जैसे गेंदबाजों का सामना कर रहे हों। उनका स्पिन पर शानदार काबू है, उनकी गेंद ज्यादा उछाल लेती है और वह गेंद को दाएं हाथ के बल्लेबाज से दूर ले जाते हैं। तो यह एक चीज है जो कोहली को दिमाग में रखनी चाहिये।

भारत फिलहाल एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट की नंबर एक रैंकिंग वाली टीम है। रोहित शर्मा की टीम अगर नौ नवंबर से शुरू होने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-1 से भी जीत लेती है तो वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भी शीर्ष पर पहुंच जायेगी। यह सीरीज जीतकर भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंच सकता है, जहां उसका सामना संभवतः ऑस्ट्रेलिया से ही होगा।

इरफान पठान ने कहा कि डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों के लिये बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खास होगी और वे विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ टेस्ट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने के लिये उत्सुक होंगे। पठान ने कहा, मुझे लगता है कि दबाव निश्चित रूप से है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना बहुत ही रोमांचक है।

अहमदाबाद में शुभमन-शो, भारत ने सीरीज जीती

अहमदाबाद, 2 फरवरी। प्रतिभावान सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (126 नाबाद) के तूफानी शतक और कप्तान हार्दिक पांड्या (30 रन, चार विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड को 168 रन से रौंदकर की शृंखला 2-1 से जीत ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के सामने 235 रन का विशालकाय लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में कीवी टीम 66 रन पर सिमट गयी। गिल ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक जड़ते हुए नाबाद 126 रन बनाये। उन्होंने अपनी आतिशी पारी में 12 चौके और सात छक्के जड़े। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है।

हार्दिक पांड्या ने पृथ्वी शॉ को ट्रॉफी दी

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शॉ को एक भी मौका नहीं

नई दिल्ली, 2 फरवरी। भारत के टी-20 कप्तान हार्दिक पंड्या ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के डिसाइडिंग मैच में न्यूजीलैंड को हराने के बाद पृथ्वी शॉ को टी-20 सीरीज की ट्रॉफी सौपी। हालांकि, पृथ्वी शॉ को 20 सीरीज में एक भी मैच नहीं खिलाया गया। आखिरी बार जुलाई 2021 में एक 20 खेला था। तीन मैचों की सीरीज़ से पहले, कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि शॉ को अपने मौके का इंतजार करना होगा क्योंकि गिल अच्छा प्रदर्शन कर रहे है।

तीसरे टी-20 में 168 रन से जीता भारत टीम इंडिया ने तीसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। अहमदाबाद में हुए सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत ने शुभमन गिल (नाबाद 126 रन) के इस फॉर्मेट में पहले शतक की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 234 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम 12.1 ओवर में 66 रन के स्कोर पर ऑलराउट हो गई। हार्दिक पंड्या ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। पंड्या ने ब्लेयर टिकनर एक रन, लोकी फर्ग्युसन शून्य, ग्लेन फिलिप्स 2 रन और फिन एलेन 3 रन के विकेट लिए।

भारत के टी-20 कप्तान हार्दिक पंड्या ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के डिसाइडिंग मैच में न्यूजीलैंड को हराने के बाद पृथ्वी शॉ को टी-20 सीरीज की ट्रॉफी सौपी। हालांकि, पृथ्वी शॉ को 20 सीरीज में एक भी मैच नहीं खिलाया गया। आखिरी बार जुलाई 2021 में एक 20 खेला था। तीन मैचों की सीरीज़ से पहले, कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि शॉ को अपने मौके का इंतजार करना होगा क्योंकि गिल अच्छा प्रदर्शन कर रहे है।

टीम इंडिया ने तीसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। अहमदाबाद में हुए सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत ने शुभमन गिल (नाबाद 126 रन) के इस फॉर्मेट में पहले शतक की बदौलत 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 234 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम 12.1 ओवर में 66 रन के स्कोर पर ऑलराउट हो गई। हार्दिक पंड्या ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। पंड्या ने ब्लेयर टिकनर एक रन, लोकी फर्ग्युसन शून्य, ग्लेन फिलिप्स 2 रन और फिन एलेन 3 रन के विकेट लिए।

मुंबई और असम के बीच गुवाहाटी में रणजी ट्रॉफी के राउंड-5 के मैच में पृथ्वी शॉ ने पिछले महीने टीहरा शतक जड़ा था। उन्होंने 326 गेंदों पर अपना तिहरा शतक पूरा किया था। वह 379 रन बनाकर आउट हुए थे। पारी में उन्होंने 49 चौके और 4 छक्के लगाए थे। पृथ्वी का स्कोर रणजी ट्रॉफी में किसी ओपनर का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। उन्होंने त्रिपुरा के समित गोहेल का रिकॉर्ड तोड़ा था। गोहेल ने 2016 में 359 रन की नाबाद पारी खेली थी।

इकाना के पिच क्यूरेटर को हटाया गया, काली पिच को लाल बनाई

नई दिल्ली, 2 फरवरी। मैच के बाद कैप्टन हार्दिक पांड्या ने पिच को खराब बताया था। इसके बाद पिच क्यूरेटर को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भी क्यूरेटर पर सवाल खड़ा किया था। अब यह बात भी सामने आई है कि लास्ट टाइम में काली पिच को लाल पिच में बदल गया था। के लोगों का कहना है कि इकाना स्टेडियम में जल्द नया क्यूरेटर नियुक्त किया जाएगा। उसके अलावा यहां की पिच को अगले एक महीने के अंदर सुधार दिया जाएगा। यहां पिछले दो बार से पिच बहुत घटिया बनाई जा रही है। वहीं पिच पर सवाल उठने के बाद अप्रैल में होने वाले मैचों की मेजबानी पर भी संकट खड़ा हो गया है। सूत्रों ने बताया, पिच के हिसाब से बनी थी। लाल पिच पर ही मैच होना था। यह पहले ही तय हो गया था। मैच से पहले मध्य प्रदेश के क्यूरेटर यहां आए थे। उन्होंने कहा था कि समय कम बचा है, अब इसमें सुधार नहीं हो सकता है। इसके बाद उन्होंने राहुल द्रविण से मुलाकात की थी। पिच के बारे में जानकारी दी थी। टीम इंडिया के बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे से जब भास्कर टीम ने पिच को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि हमें मैच से पहले ही लग गया था कि इस पिच पर कैसे खेलेंगे। पिच के दोनों तरफ 15 फीट तक घास नहीं थी।

विराट ने गिल को बताया भविष्य का सितारा : इंस्टाग्राम पर बधाई दी

शतकवीर शुभमन ने कोहली का ही रिकॉर्ड तोड़ा था

नई दिल्ली, 2 फरवरी। अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में युवा ओपनर शुभमन गिल ने नाबाद 126 रन की पारी खेली। इस मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 168 रन से हराया और 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। गिल को शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने गिल को पहला टी-20 शतक लगाने के बाद इंस्टाग्राम पर बधाई दी। उन्होंने गिल को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए भविष्य का सितार बताया। शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 126 रनों की पारी खेल कर विराट कोहली का ही रिकॉर्ड तोड़ा था। कोहली ने भारत के लिए टी-20 क्रिकेट में 122 रन की पारी खेली थी। यह भारत के लिए टी-20 क्रिकेट में सबसे बड़ा निजी स्कोर था। गिल ने 126 रनों की पारी खेल उन्हीं का रिकॉर्ड तोड़ा।

मैच के बाद गिल ने टीवी पर हार्दिक पंड्या के साथ इंटरव्यू में कहा कि अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने कुछ अलग नहीं किया। सिर्फ अपना नेचुरल गेम खेला। ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है।

गिल ने कहा कि देश के लिए खेलते हुए उन्हें कोई थकान नहीं महसूस होती। जब आप अभ्यास करते हैं और इसका फल मिलता है, तो अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, टीम के लिए अच्छी पारी खेलकर बहुत खुश हूं। छक्का मारने के लिए सबकी अपनी टेक्नीक होती है। हार्दिक भाई ने मुझसे कहा कि मैं अपना स्वाभाविक गेम खेलूं और मुझे कुछ अतिरिक्त करने की आवश्यकता नहीं है। मैंने मैच में ऐसा ही किया।

धोनी की तरह किसी भी भूमिका के लिए तैयार : पांड्या

अहमदाबाद, 2 फरवरी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का मानना है कि वह एक टी20 क्रिकेटर के रूप में बहुत परिपक्व हो गये हैं और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह टीम में कोई भी भूमिका निभा सकते हैं।

पांड्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत के बाद कहा, सच कहूं तो मैंने हमेशा छक्के मारने का आनंद लिया है, लेकिन मुझे परिपक्व भी होना है और यही जिन्दगी है। मुझे दूसरे हिस्से पर भी ध्यान देना है, जहां मैंने हमेशा साझेदारियों पर विश्वास किया है। मैं अपनी टीम को और दूसरे खिलाड़ी को धैर्य एवं विश्वास देना चाहता हूं कि कम से कम मैं वहां हूं। मैंने (टीम के) इन सभी खिलाड़ियों से ज्यादा मैच खेले हैं, इसलिये मेरे पास अनुभव है और उससे भी ज्यादा मैंने दबाव सहना सीखा है। उन्होंने कहा, इस तरह से, शायद मुझे अपना स्ट्राइक रेट कम करना पड़े या नयी भूमिका निभानी पड़े। मैं हमेशा इसके लिये तैयार रहा हूं। मुझे वह भूमिका निभाने में कोई परेशानी नहीं है, जो माही भाई (धोनी) ने अपने करियर के अंत में निभाई थी। मैं उस समय युवा था और गेंद को चारों तरफ मारता था, लेकिन अब जब वह जा चुके हैं, वह भूमिका कहीं न कहीं मुझे मिल गयी है। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं। हमें वांछित परिणाम मिल रहे हैं और यह ठीक है।

पांड्या ने बुधवार को बल्ले से वही भूमिका निभाई। वह अक्सर विकेट पर कदम जमा चुके शुभमन गिल को स्ट्राइक देते रहे, हालांकि पांड्या ने खुद 176.47 की स्ट्राइक रेट के साथ अपनी पारी समाप्त की। पांड्या गेंदबाजी के मोर्चे पर भी विकसित हुए हैं। वह जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में पावरप्ले में नियमित रूप से गेंदबाजी कर रहे हैं। पांड्या ने घरेलू सीज़न की शुरुआत के बाद से पावरप्ले में 12 ओवर फेंके हैं और 86 रन देकर दो सफलताएं हासिल की हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए इंदौर वनडे में भी जब भारत ने अपने प्रमुख गेंदबाजों को आराम दिया था, पांड्या ने नयी गेंद को स्विंग करने की अपनी कुशलता दिखाई थी।

पांड्या ने कहा, मुझे नयी गेंद से गेंदबाजी करनी थी क्योंकि अर्शदीप (सिंह)... मैं नहीं चाहता कि कोई नया खिलाड़ी आये और (नयी गेंद के साथ पहले गेंदबाजी की) कठिन भूमिका निभाये। अगर वह दबाव में आ जाये तो खेल हमारे हाथ से निकल सकता है। मैं हमेशा सामने से नेतृत्व करता रहा हूं और मैं अपनी नयी गेंद के कौशल पर काम कर रहा हूं, जो मेरी मदद कर रहा है।

पांड्या ने इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और अगले वर्ष कैरेबियाई में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टेस्ट क्रिकेट पर सीमित ओवर क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। पांड्या ने 2019 में पीठ की सर्जरी के बाद से सीनियर स्तर पर किसी भी तरह का लाल-गेंद क्रिकेट नहीं खेला है। उनका आखिरी टेस्ट 2018 में साउथेम्प्टन में था और उसी साल उन्होंने अपना आखिरी रणजी ट्रॉफी मैच भी खेला था।

चौथे टेस्ट तक चुस्त रहना जरूरी : मैकडॉनल्ड

बेंगलुरु, 2 फरवरी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अभ्यास मैच न खेलने के फैसले को सही ठहराते हुए कहा है कि वह टीम के सभी खिलाड़ियों को चौथे टेस्ट तक चुस्त रखना चाहते हैं।

सिडनी हेराल्ड की गुरुवार की एक रिपोर्ट में मैकडॉनल्ड के हवाले से कहा गया, हमने पिछले तीन साल से कोई टूर मैच नहीं खेला है। यह हमारे लिये कोई नयी बात नहीं है। हम दौरे के अंत तक खिलाड़ियों को तरोताज़ा रखना चाहते हैं। हमने देखा है कि टीमें वहां जाती हैं और शुरुआत में ही काफी ऊर्जा खपा देती हैं। हमें लगता है कि यह टीम काफी अनुभवी है और वहां पहले भी जा चुकी है। मुझे लगता है कि इससे उन्हें सीरीज में फायदा होगा। उन्होंने कहा, ऐसे भी वहां (भारत में) अभ्यास मैचों में मिलने वाली पिचों पर हमारा काबू नहीं है। कई बार अभ्यास मैच की पिच और पहले टेस्ट की पिच में कोई मेल नहीं होता। हम यहां (ऑस्ट्रेलिया में) पिचों को अपने हिसाब से तैयार कर सकते हैं। हम बेंगलुरु में थोड़ी और तैयारी कर सकते हैं। उम्मीद है कि नागपुर में हम तरोताज़ा उतरेंगे और शृंखला के अंत में यह हमारे लिये फायदेमंद साबित होगा। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम नौ फरवरी से नागपुर में शुरू होने वाले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में चार-दिवसीय कैंप में अभ्यास कर रही है। कंगारुओं की तैयारियों का केन्द्र रवि अश्विन, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल की स्पिन गेंदबाजी से निपटना है। मैकडॉनल्ड ने कहा, मेरा खयाल है कि नयी गेंद जिस तरह स्पिन होती है और बल्लेबाज अंदर की तरफ आती गेंद पर चूक जाते हैं... हम उसके लिये तैयारी कर रहे हैं। हम गेंदबाजों से उम्मीद करेंगे कि वह शुरुआत में 'स्लाइड स्पिन' फेंकें ताकि हमारे बल्लेबाज अभ्यास में पूरी तरह तैयार हो सकें। भारत में सफलता की कुंजी एक स्पष्ट पद्धित अपनाना है। और यह उन स्थितियों पर निर्भर करेगी जिनका हम सामना कर रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की शृंखला का पहला मुकाबला नौ फरवरी को नागपुर में खेला जायेगा, जबकि अन्य तीन टेस्ट क्रमशः दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में आयोजित होंगे। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में जगह बनाने के लिये यह शृंखला जीतना जरूरी है।

भीलवाड़ा में मांडलगढ़ के पास नैशनल हाइवे-27 पर वाहन की टक्कर से एक पैंथर की मौत हो गई। पैंथर सुबह 6 बजे के करीब सड़क पार कर रहा था तभी एक वाहन की चपेट में आ गया। गौरतलब है कि, बीते कुछ समय में इसी तरह एक्सिडेंट के कारण तीन पैंथर व 2 भालुओं की मौत हो चुकी है।

भाजपा पांच कांग्रेसी व एक निर्दलीय विधायक के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाई

इसके एक दिन पहले निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव रखा था

- **भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि, कांग्रेस के इन छह विधायकों ने अन्य विधायकों पर बनाया था इस्तीफा देने का दबाव, इस बात को विधानसभा ने भी माना है कि, कांग्रेस के विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए थे।**
- **जिन विधायकों के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया है, वे हैं - मंत्री शांति धारीवाल, रामलाल जाट, मुख्य सचेतक महेश जोशी, उप मुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी, निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा व कांग्रेस विधायक रफीक खान।**
- **उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक रामलाल शर्मा, अभिनेष महर्षि, जोगेश्वर गर्ग, अशोक लाहोटी व अनिता भदेल ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव दिया है।**

जयपुर, 2 फरवरी (वि.सं.)। कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे के मामले को हाईकोर्ट ले जाने पर जहां निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लेकर आए थे। वहीं अब भाजपा ने भी इस मामले में कांग्रेस पर पलटवार किया है।

भाजपा के छह विधायकों ने कांग्रेस के पांच विधायकों सहित एक निदर्लीय विधायक के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने का नोटिस विधानसभा सचिव को सौंपा है। अब यह प्रस्ताव विधानसभाध्यक्ष के विचाराधीन है।

आज उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा विधायक रामलाल शर्मा, अभिनेश महर्षि, अशोक लाहोटी, जोगेश्वर गर्ग और अनिता भदेल ने कांग्रेस के निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा, मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी, रामलाल जाट, उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी और कांग्रेस विधायक रफीक खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया।

भाजपा विधायक रामलाल शर्मा और अशोक लाहोटी ने विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के छह विधायकों पर आरोप लगाया कि इन विधायकों ने अन्य विधायकों पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया था और ये हीं विधायक कांग्रेस के अन्य विधायकों के इस्तीफे लेकर विधानसभा स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी के आवास पहुंचे थे।

भाजपा विधायकों का कहना है कि हाईकोर्ट को दिए जवाब में भी विधानसभा ने माना है कि कांग्रेस विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए थे, इसलिए उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए थे। सवाल यह है कि जब कांग्रेस विधायकों ने अपने इस्तीफे अपनी इच्छा से नहीं दिए थे तो फिर उन पर दबाव डालकर किसने इस्तीफा दिलवाया था।

भाजपा विधायकों की ओर से लाए गए विशेषाधिकार प्रस्ताव को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा, कैबिनेट मंत्री रामलाल जाट, उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी और कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा विधायकों के आरोपों में कोई दम नहीं है। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि विधानसभा स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी की ओर से विधायकों के इस्तीफे अस्वीकार की जाने के बाद यह मुद्दा ही खत्म हो गया है।

उन्होंने कहा कि सदन की गरिमा गिराने का काम तो राजेंद्र राठौड़ ने किया था, वह इस मामले को हाईकोर्ट ले गए थे।

उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दे नहीं बचे हैं और मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। वही कैबिनेट मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि हमने किसी भी विधायक पर इस्तीफा देने का दबाव नहीं बनाया है। विधायिका और न्यायपालिका का कार्यक्षेत्र अलग-अलग है। विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने का अधिकार सभी का है, प्रस्ताव लागू करना है या कमेटी को भेजना है, इसका फैसला तो विधानसभा स्पीकर करते हैं।

सड़क हादसे में पैंथर की दर्दनाक मौत

मांडलगढ़, 2 फरवरी (निस) भीलवाड़ा में मांडलगढ़ के पास नैशनल हाइवे -27 पर गुरुवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैंथर की दर्दनाक मौत हो गई।

सूचना पर वन विभाग की टीम ने पैंथर के शव का पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार कर दिया। गौरतलब हैं कि वन्यजीवों के आए दिन होते सड़क हादसों के प्रति जिम्मेदार अफसर गम्भीर नहीं हैं। बीते कुछ समय में अज्ञात वाहनों की टक्कर से यहाँ 3 पैंथर व 2 भालुओं की मौत हो गई।

हादसे में पैंथर के सिर व अन्य जगह में गम्भीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर वन विभाग की टीम मौक़े पर पहुँची। पैंथर के शव को मांडलगढ़ लाकर पशु चिकित्सकों से पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार किया गया।

मांडलगढ़ ऊपरमाल वन सुरक्षा महासंघ अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने सड़क हादसे में काल का ग्रास बनते पैंथर,भालू एवं वन्य जीवों की घटती संख्या पर चिंता जाहिर की।

- **मैनाल के पास हाइवे-27 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत हुई।**
- **इस मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और वन विभाग की लापरवाही सामने आई, जिन्होंने सड़क पर सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं किए थे।**

जोशी ने बताया कि नेशनल हाईवे 27 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अब तक 3 पैंथर, 2 भालू सहित अन्य कई दुर्लभ वन्यजीवों की मौत हो चुकी है। आंकड़ों को देखें तो प्रतिवर्ष वन्यजीवों का प्राकृतिक घर जंगल क्षेत्र कम होते जा रहा है। जबकि वन्यजीवों की संख्या बढ़ती जा रही है। विकास के नाम पर जंगलों में बनाई जा रही सड़कों की वजह से भी उनके भ्रमण में बाधा पहुंच रही है। ऐसे में कई बार पानी या भोजन की तलाश में वन्यजीव सड़कों तक पहुंच जाते हैं। रात के वक्त तेज रफ्तार वाहनों के सामने आनेवाले वन्यजीव टक्कर से बच नहीं पाते हैं।

जोशी ने नेशनल हाइवे सड़क को घने जंगल के बीच निकाले जाने के दौरान सड़क पर अंडर पास ओर सड़क के दोनों ओर बेरिकेट जाली लगाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को कई बार लिखित में माँग की, सड़क निर्माण के दौरान काटे गए विशाल हरे व्रक्ष की पूर्ति की माँग भी उठाई। वन विभाग का गश्ती दल भी इनकी सुरक्षा के लिए गम्भीर नहीं हैं। गौरतलब हैं कि वन क्षेत्र की सड़क पर कोई भी सूचना पट्ट नहीं लगे हैं, और अज्ञात वाहनों की टक्कर से पैंथर भालू की मौत के प्रकरण को वन विभाग के अधिकारी पुलिस थाने तक भी नहीं ले जाते हैं।जिससे हादसा करने वालों की शिनाख्त भी नहीं होती हैं तथा वाहन चालकों के हौंसले बढ़ते जा रहे हैं।

'इन्टरनैट अपराधों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपराधों का तरीका बदल गया है क्योंकि "आज का हथियार टैक्नॉलजी है।" अहमदाबाद में 25वीं ऑल इंडिया फॉरैन्सिक साइंस कॉन्फ्रैंस में बोलते हुये, सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों तथा साइबर स्पेस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत दी गई स्वतंत्रता से "बड़ी नहीं" है। "इसलिये इससे निपटने के लिये कठोर कानून होने ही चाहिये। हमें मानव जाति के हित की खातिर, इसके दुरुपयोग से सख्ती से निबटना चाहिये।"

उन्होंने पिछले दशक में इन्टरनैट यूज़र्स की संख्या में हुई जबरदस्त वृद्धि का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "साइबर स्पेस का उपयोग सिविल तथा मानवाधिकारों के बड़ी मात्रा में उल्लंघन के लिये किया जा रहा है, जिनमें लोगों की प्राइवेशी भी शामिल है। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए साइबर अपराधों से लड़ने में साइबर सिक्योरिटी की केन्द्रीय भूमिका है।"

पूर्व न्यायाधीश ने आगे कहा कि गृह मंत्रालय का पोर्टल दर्शाता है कि अब तक जानकारी में आईं साइबर धमकियों तथा सटीक हमलों के लिये भारत दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि खासतौर से समाज के वंचित एवं उपेक्षित वर्ग पहचान की चोरी, फ्रॉड तथा फिरौती जैसे साइबर अपराधों का निशाना बनते हैं।

उन्होंने कहा, "बहुत से देशों ने अपराधों के नये तरीकों के आगमन के साथ ही साइबर अपराधों से निबटने के लिये कानूनों में खास प्रकार का संशोधन तथा बदलाव किया है। इस समय और अधिक कम्पयूराइज्ड फॉरैंसिक साइंस लैबोरेट्रीज, सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित उत्कृष्ट केन्द्र, साइबर सुरक्षा शिक्षा, जाँच अधिकारियों, वकीलों तथा जजों की ट्रेनिंग की बहुत जरूरत है।"

मण्डल-II का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से नेपाल की राजधानी काठमांडू के बीच एक रेल लिंक्स स्थापित करने की भी भारत सरकार की योजना है। इन गतिविधियों का सार ये हैं: लगता है कि भाजपा यह उम्मीद पाले बैठी है कि हिन्दुत्व का एजेण्डा वर्ष 2024 के चुनावी संघर्ष में पार्टी को आर.जे.डी., जे.डी.यू. या सपा जैसी क्षेत्रीय पार्टियों की जातिगत अपील पर एक बार फिर भारी पड़ेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में मण्डल-2 बहस को छेड़ने की योजनाओं पर काम करने के साथ ही जातिगत जनगणना की कवायद पहले ही शुरू कर दी है।

पूर्व विधानसभाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस आलाकमान से इस्तीफों की राजनीति पर जांच की मांग की

- **कांग्रेस विधायक दीपेन्द्र सिंह शेखावत बोले, "मैं नहीं जानता कि विधायकों पर इस्तीफे देने का किसका दबाव था, लेकिन कोर्ट में एफिडेविट दिया गया है, तो फिर यह जांच का विषय है।"**
- **उन्होंने कहा, "सदस्य विधानसभा में चुनकर आता है तो दबाव में नहीं, विवेक से काम करता है, नियमों में प्रावधान है कि अगर दबाव, प्रलोभन हो तो, यह कानून का उल्लंघन है।"**

जयपुर, 2 फरवरी (का.प्र.)। विधानसभा और हाईकोर्ट में भाजपा ने कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे को मुद्दा बनाया है। लेकिन कांग्रेस के नेता भी पीछे नहीं हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने इस्तीफे की राजनीति पर आलाकमान से भी जांच की मांग की है।

मीडिया से बात करते हुए दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि "मैं नहीं जानता कि विधायकों पर इस्तीफे देने का किसका दबाव था, लेकिन अगर कोर्ट में एफिडेविट दिया गया है, तो फिर यह जांच का विषय है। कांग्रेस आलाकमान को इसकी जांच करनी चाहिए। शेखावत ने कहा कि एक भाजपा के सदस्य ने भी इसमें इस्तीफा दिया था और भाजपा इसमें राजनीतिक षड्यंत्र चाहती है। शेखावत ने दावा किया कि इस्तीफे स्वीकार किए जाते तो सरकार गिर सकती थी।

सिंह ने कहा कि अब इस प्रकरण से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि यह मामला अब सैटल हो गया है, लेकिन अगर इस्तीफे स्वीकार हो जाते तो राजस्थान में कांग्रेस की सरकार गिर जाती।

शेखावत ने कहा कि जो सदस्य विधानसभा में चुनकर आता है वो किसी दबाव में नहीं आता है वह अपने विवेक से काम करता है। नियमों में यहां तक प्रावधान है कि अगर दबाव, प्रलोभन हो, तो कानून का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि हम लोगों पर कोई दबाव नहीं था और हम तो विधायक दल की बैठक में शामिल होने मुख्यमंत्री के आवास पर गए थे।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शेखावत ने कहा कि इस्तीफे स्वेच्छा से हुए हों या दबाव में लेकिन जो भी घटनाक्रम 25 सितंबर को हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था. ऐसी परंपरा कांग्रेस में नहीं रही है। उस घटना से कांग्रेस में सभी लोगों को तकलीफ हुई है और हाईकमान इसका संज्ञान लेकर जांच करने की बात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं भी राजनीति में 50 साल से सक्रिय हूं लेकिन इस तरह की कोई घटना कांग्रेस में मैंने नहीं देखी। शेखावत ने कहा कि अब राजस्थान में कांग्रेस पार्टी एकजुट है और चुनाव के समय हम साथ रहेंगे। वैसे भी विवाद सभी पार्टियों में होता है। अब सब एक होकर चुनाव लडेंगे। सभी का प्रयास होगा कि सरकार वापस लेकर आएं।

उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर 2022 को राजस्थान कांग्रेस में बहुत बड़ा हंगामा और इस्तीफों का नाटक हुआ था। जब पर्यवेक्षक की मौजूदगी में बगावत के बीच विधायक दल से अलग एक समानांतर बैठक संसदीय कार्य मंत्री के घर आयोजित की गई थी और उसके बाद इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए थे। इसके बाद से राजस्थान कांग्रेस के नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर चला था, जिसे देखते हुए कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लिखित में आदेश जारी करते हुए बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की बात कही थी।

अब तक डावोस में अडानी व अन्य उद्योगपतियों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ध्यान में रखते हुए ऑफर वापस लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि निवेशकों का हित उनके कारोबार की मुख्य प्राथमिकता है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि गौतम अडानी का रिकॉर्डेड मैसेज अडानी ग्रुप कम्पनियों में विश्वास बहाल करने में नाकामयाब हुआ है और कम्पनियों की मार्केट वैल्यू लगातार गिर रही है। अडानी के सपनों के रातों-रात चूर होने के सिर्फ अडानी ग्रुप का अस्तित्व बनाए रखने की तुलना में भारत के लिए भी ज्यादा बड़े मायने हैं।

गौतम अडानी भारत के कॉरपोरेट सैक्टर में एक सनसनी बनकर उभरे थे और लगा कि उन्होंने दर्शा दिया है कि एक सही रणनीति और कॉरपोरेट अप्रोच के साथ भारत में ऊंचाईयों के शिखर पर पहुंचना किस तरह से संभव है।

गौतम अडानी की कम्पनियों ने ऊंची उड़ान भरी थी और उन्हें एशिया का सबसे अमीर आदमी माना गया था।

अडानी साम्राज्य के बुरे दिन इक्विटी रिसर्च फर्म हिन्डनबर्ग की एक रिपोर्ट से शुरू हुए, जिसमें कहा गया था कि अडानी ग्रुप की कम्पनियों ने स्वयं का अस्तित्व बनाए रखने के लिए जरूरत से अधिक धन उधार ले रखा है। इस रिपोर्ट पर आई बाजार की प्रतिक्रिया में अडानी ग्रुप की कम्पनियों की मार्केट वैल्यू में 50 बिलियन डॉलर समाप्त हो गए। वह एशिया के सबसे अमीर आदमी की दुर्लभ पोजीशन से एक ऐसे आदमी बन गए जिसका साम्राज्य ढह रहा है।

यह भी कोई विलक्षण बात नहीं है इससे पहले भी कई प्रसिद्ध कंपनियां जमीन पर आ चुकी हैं। फिर भी, अडानी भारत के पुनरुत्थान के एक प्रतीक बन गए थे। भारतीय अर्थव्यवस्था अडानी जैसों की कंपनियों और कंपनी समूहों के बल पर फल-फूल रही थी और महत्वपूर्ण देशों में हमारी आर्थिक वृद्धि दर सर्वाधिक तीव्र थी, लेकिन अडानी की सम्पदा में आई अचानक कमी से स छवि को नुकसान पहुंचा है।

दो सप्ताह पहले ही स्विट्जरलैण्ड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक समिट में भारत ने खूब सुर्खिया बटोरी। इसमें भारत के मंत्रियों से लेकर कॉरपोरेट लीडर्स तथा कॉरपोरेट जगत के सम्मानसूचक चिन्ह प्रमुख विज्ञापन बोर्डों पर लगाए गए थे। अब यह स्थिति थोड़ी फीकी दिखाई पड़ती है। अडानी एक अन्य कारण से भी महत्वपूर्ण हैं। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और साथी गुजरातियों का करीबी माना जाता है। कई लोग ऐसा मानते हैं कि गौतम अडानी के रोमांचक उदय का कारण प्रधानमंत्री से उनकी निकटता है और भारतीय वित्तीय संस्थानों ने निवेश के माध्यम से उनकी सहायता की है। प्रकट रूप में, भारतीय चैनल्स ने विदेशों में विशाल और आकर्षक प्रोजैक्ट्स खरीदने को लेकर अडानी के लिए एक-दो अच्छी बातें भी कहीं। उन्होंने कुछ वर्ष पूर्व ही ऑस्ट्रेलिया में एक बड़ी कोयला खदान खरीदी थी। इन अधिग्रहणों ने अडानी की नैट वर्थ में इजाफा किया था। ये अधिकांश प्रोजैक्ट्स उधार के धन से खरीदे गए थे। दीर्घकालीन प्रोजैक्ट्स में देनदारियों और संभावित आय के बीच अक्सर असमानता रह सकती है। लगता है कि अडानी अनिश्चय की ऐसी स्थिति में फंस गए हैं, जिसमें उनकी देनदारियां उनके पास मौजूद नकदी से अधिक हैं। जो भी कुछ किया जा चुका है, अब उसे भुगतने का समय आ चुका है। गौतम अडानी के लिए अब आगे समस्याओं का अंबार है, और देखना ये है कि वह इस विकट स्थिति से कैसे पार पाते हैं।

'जनता का हित ध्यान में रखते हुए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधारहीन तथा अविश्वसनीय आरोपों का दुर्भावनापूर्ण संग्रह बताया, जिनका परीक्षण भारत के शीर्ष न्यायालय कर चुके हैं तथा खारिज भी कर चुके हैं।"

रविवार को, फर्म ने 413 पृष्ठ का एक बयान जारी किया जिसमें उसने हिन्डनबर्ग के सभी दावों का खण्डन किया था तथा इसे "भारत की ग्रोथ की कहानी तथा महत्वाकांक्षा" पर हमला बताया था। अडानी ग्रुप के इस बयान की प्रतिक्रिया में हिन्डनबर्ग ने कहा कि अडानी का बयान उसकी रिपोर्ट में उठाये गये अधिकांश प्रश्नों के उत्तर देने में असफल रहा है। गुरुवार को अडानी ग्रुप ने "फॉलोऑन पब्लिक ऑफर (एफ.पी.ओ.) में शेयरों की नई बिक्री को निरस्त कर दिया। इस कदम के घंटों बाद, ग्रुप के संस्थापक गौतम अडानी ने निवेशकों के लिये एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें जोर देकर कहा गया कि उसके ग्रुप के आधार "मजबूत" हैं तथा कर्ज चुकाने का उसका रिकॉर्ड "बेदाग" हैं। इस बीच, कांग्रेस ने हिन्डनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट पर मोदी सरकार की उदासीन खामोशी पर आश्चर्य व्यक्त किया है। ज्ञातव्य है कि इसी रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप का संकट शुरु हुआ था, जिसके चलते ट्रेडिंग सैशन के अंतिम चार दिनों में उसके शेयरों की कीमतें धड़ाम से गिर गईं। कांग्रेस ने माँग की कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा इसकी निष्पक्ष जाँच कराई जाये या फिर संसद की कोई ज्वाइंट पॉलियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी. सी.) से इसकी जाँच कराई जाये। कांग्रेस प्रवक्ता तथा ए.आई.सी.सी. कम्पयूनिकेशन विभाग प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि अमेरिका के "हिन्डनबर्ग रिसर्च" की रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर भारत की अब तक के सबसे बड़े कॉर्पोरेट ठगी" का आरोप लगाया है तथा दावा किया है कि इसके शेयरों की कीमत 42 प्रतिशत आँकी गई।

खेड़ा ने रिसर्च रिपोर्ट के एक सनसनीखेज खुलासे की तरफ ध्यान आकर्षित किया, जिसका संबंध अडानी ग्रुप तथा चांग-चुंग-लिंग के बीच के संबंधों से है। ज्ञातव्य है कि चांग-चुंग-लिंग एक ऐसे चीनी व्यवसायी हैं जिसके व्यावसायिक अतीत पर प्रश्नचिन्ह लगे हुये है। खेड़ा ने कहा कि इस संबंध पर भारतीय मीडिया ने गौर ही नहीं किया है। उन्होंने कहा कि रिसर्च ग्रुप ने साफ कहा है कि चांग-चुंग-लिंग गुडामी इन्टरनैशनल नामक एक फर्म चलाते हैं या चलाया करते थे तथा जवाहरात की अडानी की कथित सर्कुलर ट्रेडिंग में सरकारी फ्रॉड में जाँच के एक हिस्से के रूप में इसकी पहचान हुई थी।"

रिपोर्ट ने इस बात को रेखांकित करते हुये कहा कि "यह केवल शेयर धारकों के लिये ही नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक महत्वपूर्ण मामला है।"

'संगठित गिरोह क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी बनाकर लोगों को ठग रहे हैं'

विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव के दौरान सीकर जिले की नैक्सा एवरग्रीन कम्पनी का मुद्दा उठाया उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने

- **उन्होंने बताया कि, सीकर, जो कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का गृह जिला है, की कम्पनी नैक्सा एवरग्रीन 20,000 से ज्यादा लोगों का 780 करोड़ रू. लेकर फरार हो गई।**
- **राठौड़ ने इसमें कांग्रेस के स्थानीय नेताओं की मिली भगत का आरोप लगाया और कहा कि, कम्पनी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है, कम्पनी की सम्पत्ति जब्त नहीं हुई है।**
- **उन्होंने बताया कि, कम्पनी का कर्ता-धर्ता सुभाष विजानिया है, जो पहले फर्जी डिग्री का व्यापार करता था।**

जयपुर, 2 फरवरी (का.सं.)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सदन में माननीय अध्यक्ष महोदय के समक्ष स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में संगठित गिरोह क्रेडिट को ऑपरेटिव सोसायटी व अन्य कम्पनियां बनाकर भोले वाले किसानों व मध्यम वर्ग के लोगों को आकर्षक प्रतिफल देकर उन्हें ठगने का काम कर रहा है और उनकी गाढ़ी कमाई पर डाका डाल रहा है। राठौड़ ने कहा कि इस जनवरी माह के तीसरे सप्ताह में सीकर जिले में स्थित एक कम्पनी "नैक्सा एवरग्रीन कम्पनी" 20 हजार से अधिक लोगों के करीब 780 करोड़ रुपए लेकर फरार हो गई। कम्पनी रजिस्टर्ड ऑफिस पिपलानी सीकर में था।

इस मामले में कम्पनी के खिलाफ जोबनेर थाने में एफआईआर दर्ज हुई पर दुर्भाग्य यह है कि सीकर जिले से ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जी भी आते हैं पर उस जिले में ऐसी कम्पनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज तक ना ही कम्पनी की संपत्ति जब्त की गई, ना ही लग्जरी गाड़ियां और ना ही उनके अकाउंट जब्त हुए हैं।

राठौड़ ने कहा कि इस सबके कर्ता-धर्ता सुभाष विजानिया हैं। सुभाष विजानिया वही व्यक्ति हैं, जो पहले फर्जी डिग्री के व्यापार में लगे हुए थे। अब इन्होंने अपना व्यापार बदल लिया है और सुभाष विजानिया और विकास कुमार बीरबल पनलावा गांव के रहने वाले हैं। यह सभी मिलकर हर मंगलवार को एक ड्रा खोलते थे। इस ड्रा में जो निवेशक हैं उन्हें हर सप्ताह 1353 रुपए लौटाया करते थे और इसी लालच के जाल के जरिए वह लोगों को अपना शिकार बनाते थे।

राठौड़ ने कहा कि इन सभी ने मिलकर एक फर्जी वीडियो बनाया। इस वीडियों में यह कहा गया कि यह कम्पनी एयरपोर्ट निर्माण से जुड़ी हुई है और गुजरात में एयरपोर्ट बना रही है। इसी बहाने से कम्पनी ने 20 हजार से अधिक लोगों को अपने जाल में फंसाया।

राठौड़ ने कहा कि कम्पनी ने सारी शेखावाटी को लूटा है। राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बैनिंग रेगुलेटरी डिपॉजिट स्कीम एक्ट 2019 फरवरी माह 2019 से लागू हैं। कई राज्यों ने भी इसे लागू कर दिया है जबकि राजस्थान में अभी तक इससे क्यों लागू नहीं किया गया है।

अगर प्रदेश में यह एक्ट लागू हो जाए, तो ऐसी कम्पनियों पर अंकुश लग जाएगा। राठौड़ ने कहा कि कम्पनी ने एक लग्जरी होटल में काप्रेंस आयोजित की थी। इसमें कौन कौन से नेता गए थे उसकी जांच होनी चाहिए। साथ ही इस पूरे मामले में माननीय लक्ष्मणगढ़ के विधायक और उनके गांव नाम आ रहा है। इस मामले को सरकार संज्ञान में ले और एसओजी से इसकी जांच कराएं एवं दोषियों की संपत्ति को जप्त करें।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खंडपीठ ने यह आदेश प्रदीप मलिक सहित अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अलंकृता शर्मा और गिर्राज शर्मा ने बताया कि प्रश्न पत्र लंबे थे और उनमें मार्किंग बहुत सख्त की गई थी। एडीजे भर्ती की कॉपियों को एडीजे स्तर के अधिकारियों ने ही चैक किया। जबकि ये कॉपियां किसी विशेषज्ञ प्रोफेसर या पूर्व हाईकोर्ट जज से चैक कराई जानी चाहिए थीं। उन्होंने कहा, परीक्षा की जांच के लिए तीन जजों की कमेटी बनाई गई थी, लेकिन उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। इसके अलावा पदों के मुकाबले चार गुणा अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाया गया था, वकील कोटे के खाली पदों पर ग्रेस अंक देकर नियुक्ति दी जाए, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने परीक्षा रजिस्ट्रार से रिकॉर्ड तलब किया है। दरअसल इस मामले में प्रार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908